{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 21 अप्रैल 2026
वैशाख शुक्ल 04 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 206
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 78,520.30
निफ्टी - 24,364.85
सोना - 1,55,290
चांदी - 2,75,000
डॉलर - 93.12

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

राहुल गांधी की नागरिकता वाले मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज ने खुद को किया सुनवाई से अलग

लखनऊ। एजेंसी।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की नागरिकता के मामले में सुनवाई के बीच जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने मामले से खुद को अलग कर लिया है। जस्टिस सुभाष विद्यार्थी के मामले से अलग होने का फैसला ऐसे वक्त में आया है जब मामले में याची विग्नेश शिशिर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर अलग-अलग पोस्ट्स में कोर्ट पर एकतरफा होने का आरोप लगाया। पिछले दिनों इस मामले में राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की बात शुरू हुई थी। इसके बाद मामले से जु? अन्य तथ्यों पर सुनवाई के लिए कोर्ट ने अगली तारीख तय कर दी थी।

इससे याचिका पर सुनवाई के दौरान इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया। कोर्ट ने बीजेपी कार्यकर्ता विग्नेश शिशिर की सोशल मीडिया पोस्ट पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इस तरह की टिप्पणियां न्यायपालिका की छवि को प्रभावित करती हैं और इन्हें बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सुनवाई के बीच जस्टिस विद्यार्थी ने मामले से खुद को अलग कर लिया और केस को आगे की कार्रवाई के लिए दूसरी पीठ के पास भेज दिया। मामले की सुनवाई के दौरान आवेदक शिशिर ने अदालत से अनुरोध किया कि इस केस को दो दिन बाद लिया जाए, जिस पर हाईकोर्ट ने कहा कि जब मामला सूचीबद्ध हो, तभी अपनी बात रखें। बाद में शिशिर ने अपनी दलीलें रखने की कोशिश की, लेकिन कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि अब उनकी दलीलें नहीं सुनी जाएंगी। आदेश पारित करते हुए अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता ने सोशल मीडिया पर ऐसे पोस्ट किए हैं जिनमें कोर्ट पर 'गड़बड़ी' के आरोप लगाए गए हैं और यह अदालत की छवि को धूमिल करने वाला है।

कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि एक अन्य पोस्ट में उन्होंने आम लोगों से अपील की थी कि वे भारत के मुख्य न्यायाधीश को लिखकर इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को निर्देश देने को कहें कि आदेश की टाइप कॉपी खुले कोर्ट में पढ़ी जाए। अदालत ने कहा कि ऐसे पोस्ट कोर्ट पर कीचड़ उछालने जैसे हैं और यह भी देखा गया कि शिशिर जनता से यह राय मांग रहे थे कि क्या उन्हें इसी पीठ के सामने मामला जारी रखना चाहिए, जिससे कोर्ट की गरिमा प्रभावित हुई है।

सुनवाई के दौरान जस्टिस विद्यार्थी ने खुद को मामले से अलग कर लिया। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि इस मामले में वकील, जिनमें राज्य सरकार के वकील और डिप्टी सॉलिसिटर जनरल भी शामिल हैं, सही कानून और संबंधित केस लॉ अदालत के सामने रखने में विफल रहे। अदालत ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि अदालत के खिलाफ बोलना कैसे उचित हो सकता है और शिशिर ने अपने राजनीतिक लाभ के लिए कोर्ट का इस्तेमाल किया है, साथ ही मीडिया में दिए गए उनके बयान भी आपत्तिजनक हैं। सरकार के वकील और डिप्टी एसजीआई ने भी कहा कि आवेदक के सोशल मीडिया पोस्ट का बचाव नहीं किया जा सकता। सुनवाई के अंत में शिशिर ने कहा कि उन्होंने पहले कोर्ट के आदेश की सोशल मीडिया पर सराहना भी की थी, लेकिन आज का आदेश एकतरफा है। इस पर जस्टिस विद्यार्थी ने कहा कि वे उनके आदेश को चुनौती दे सकते हैं। शिशिर ने जवाब दिया कि वे चुनौती देने नहीं आए हैं, बल्कि उनके अन्य पोस्ट भी देखे जाएं। इस पर जज ने टिप्पणी की कि इन सब वजहों से उन्हें खेद हुआ है और यह अनुचित है।

खास खबर

आजम और बेटे अब्दुल्ला की 7-7 साल की सजा बरकरार

रामपुर। सपा नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को सात-सात साल की सजा सुनाई गई है। रामपुर कोर्ट ने पैन कार्ड फ्रॉड से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में यह फैसला सुनाया। इससे पहले एमपी-एमएलए कोर्ट ने भी दोनों को सात साल की सजा दी थी। इसके खिलाफ आजम और उनके बेटे ने सेशन कोर्ट में अपील की थी। मामला 2019 का है, जब भाजपा नेता और रामपुर नगर विधायक आकाश सक्सेना ने कोतवाली सिविल लाइंस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने अब्दुल्ला आजम पर अलग-अलग जन्मतिथि से दो पैन कार्ड बनवाने की शिकायत की थी। जांच में आजम खान को भी आरोपी बनाया गया था। लंबी सुनवाई के बाद रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने 17 नवंबर 2025 को दोनों को दोषी ठहराया था। कोर्ट ने दोनों को 7-7 साल की सजा सुनाई और 50-50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया।

नेशनल हेराल्ड केस में सुनवाई टली

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई स्थगित कर दी है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 25 मई को होगी। ट्रायल कोर्ट ने 16 दिसंबर 2025 को सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। ईडी ने ट्रायल कोर्ट के उस फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। दिल्ली हाई कोर्ट ने 22 दिसंबर को सोनिया, राहुल समेत अन्य आरोपियों को नोटिस जारी किया था। मामले की सुनवाई जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बेंच कर रही है। ईडी ने आरोप लगाया है कि सोनिया, राहुल और अन्य ने साजिश के तहत एजेएल की करीब 2000 करोड़ रुपए की संपत्तियों पर कब्जा किया।

डिजिटल अरेस्ट पर सीजेआई सूर्यकांत ने जताई चिंता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट से जुड़ी बढ़ती ठगी की घटनाओं पर एक बार फिर गंभीर चिंता जताई है। सोमवार को सुनवाई के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि यह बेहद चौंकाने वाली और चिंताजनक स्थिति है कि अच्छी शिक्षा प्राप्त लोग भी इस तरह के साइबर अपराध का शिकार हो रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची भी शामिल थे, डिजिटल अरेस्ट पीड़ितों से जुड़े स्वतः संज्ञान मामले पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान अटॉर्नी जनरल आर वेंकटारमानी ने अदालत को बताया कि इस मुद्दे पर लगातार बैठकें हो रही हैं और सरकार तेजी से आवश्यक कदम उठा रही है। उन्होंने मामले को 12 मई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया।

कुछ ना कहना

तीन दिवसीय जर्मनी दौरे पर जा रहे रक्षा मंत्री राजनाथ

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 21 अप्रैल से शुरू हो रहे तीन दिवसीय जर्मनी दौरे पर जा रहे हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य नई दिल्ली और बर्लिन के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करना है। इस दौरे के दौरान रक्षा मंत्री सिंह अपने जर्मन समकक्ष बोरिस पिस्टोरियस और अन्य वरिष्ठ नेताओं से भी बातचीत कर रहे है। सात वर्षों में पहली बार होगा जब कोई भारतीय रक्षा मंत्री जर्मनी का दौरा करेगा। इसके पहले, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फरवरी 2019 में जर्मनी का दौरा किया था।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रक्षा मंत्री सिंह के इस दौरे से दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच चल रहे रक्षा सहयोग की समीक्षा करने और सहयोग के नए रास्ते तलाशने का मौका मिलेगा। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि चर्चा में रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने, सैन्य-से-सैन्य संबंधों को मजबूत करने और साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ड्रोन जैसे उभरते क्षेत्रों में मौकों की खोज पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। दोनों रक्षा मंत्रियों की उपस्थिति में संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा अभियानों के प्रशिक्षण में सहयोग हेतु एक रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप और कार्यान्वयन व्यवस्था पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। केंद्रीय मंत्री सिंह की जर्मनी यात्रा के दौरान, भारत और जर्मनी के बीच भारतीय नौसेना के लिए छह उन्नत पारंपरिक पनडुब्बियों (प्रोजेक्ट 75आई) के सौदे पर हस्ताक्षर होने की संभावना है।

पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा... संविधान डॉ. अंबेडकर नहीं, 242 सांसदों ने बनाया था

अयोध्या। अयोध्या में परशुराम जयंती के मौके पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कैसरगंज के पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह पहुंचे। संविधान निर्माण पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान केवल डॉ. भीमराव अंबेडकर ने ही नहीं, बल्कि 242 सांसदों ने मिलकर बनाया था।

बृजभूषण सिंह ने कहा कि 75 नहीं, 175 साल तक आरक्षण ले लो, लेकिन हमें आरक्षण नहीं चाहिए। इन 75 सालों में आपका कितना भला हुआ? मंडल आयोग आया, फिर भी पूरी तरह भला नहीं हुआ। हालांकि, कुछ लोगों का भला जरूर हुआ, लेकिन जो वास्तविक हकदार थे, उनको लाभ मिला। अगड़ों में जो पिछड़े बन गए, उनका भला हुआ, लेकिन लोहार, कुम्हार, बढ़ई और तेली जैसे पारंपरिक समुदायों का भला नहीं हुआ।उन्होंने आगे कहा कि काशी जी अब हमारे बीच नहीं हैं। वह एक समाजसेवी थे और उन्होंने बहुत काम किया। शुरुआती दिनों में जब वह भाषण देते थे, तब कलम के माध्यम से समझाते थे कि ऊपर सवर्ण, बीच में पिछड़ा और नीचे दलित हैं। अब इस व्यवस्था को बदलना होगा। काशी जी, आपकी कृपा से आपकी यह मनोकामना पूरी हुई। अगर आप आज अगड़े समाज को देखना चाहते हैं तो देख लीजिए- हम गौशालाओं में मजदूरी करते हैं, रिक्शा चलाते हैं और मंदिरों में श्रम करते हैं। हम सफाई कर्मचारी के रूप में भी कार्य कर रहे हैं। हमने यह तय कर लिया है कि हम आरक्षण का विरोध नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने सहमति से राजपाठ और जमींदारी छोड़ी। हमें इसका कोई पछतावा नहीं है, लेकिन आपके जीवन में अपेक्षित परिवर्तन नहीं आ रहा है। क्योंकि आपके समाज के कुछ असली और नकली लोग हैं, जो ऊँचे स्थानों पर बैठे हैं और आपको ऊपर नहीं आने देना चाहते।

जयराम ने कहा- महिला आरक्षण की आड़ में सरकार के 'नापाक मंसूबे' हुए नाकाम

नई दिल्ली। महिला आरक्षण और परिसीमन को लेकर जारी राजनीतिक घमासान के बीच कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी ने कहा कि सरकार के कथित नापाक मंसूबों की हार हुई है और यह संविधान तथा लोकतंत्र की जीत है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोमवार को कहा कि महिला आरक्षण के नाम पर परिसीमन को आगे बढ़ाने की कोशिश दरअसल फ्रबुलडोजर राजनीतिफ्र का हिस्सा थी, जो अब विफल हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र का असली एजेंडा महिलाओं को आरक्षण देना नहीं, बल्कि राजनीतिक लाभ हासिल करना है। कांग्रेस नेता जयराम ने कहा कि फ्रनारी शक्ति वंदन अधिनियमफ्र को सितंबर 2023 में सर्वसम्मति से पारित किया गया था, लेकिन इसे लागू करने में सरकार ने गंभीरता नहीं दिखाई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अधिनियम को लंबे समय तक लंबित रखने के बाद अचानक अधिसूचित किया गया, जिससे सरकार की मंशा पर सवाल उठते हैं। कांग्रेस नेता ने मांग की कि मौजूदा लोकसभा सीटों के आधार पर ही महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण तुरंत लागू किया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार मानसून सत्र या मई के अंत तक एक संशोधन विधेयक लाकर इस दिशा में कदम उठाए। विवाद की जड़ में हाल ही में पेश किया गया संविधान (131वां संशोधन) विधेयक 2026 है, जिसे सदन में पर्याप्त समर्थन नहीं मिल सका। इस विधेयक के पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े, जबकि इसे पारित करने के लिए दो-तिहाई बहुमत आवश्यक था। रमेश ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान पर भी सवाल उठाया, जिसमें उन्होंने कहा था कि परिसीमन से किसी राज्य को नुकसान नहीं होगा। कांग्रेस का कहना है कि यदि ऐसा है तो इसे विधेयक में स्पष्ट रूप से शामिल क्यों नहीं किया गया। इसके अलावा, कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार जातीय जनगणना जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज कर रही है और महिला आरक्षण के नाम पर राजनीतिक एजेंडा आगे बढ़ा रही है।

पीएम मोदी हताषा में कह रहे कन्या भ्रूण हत्या की बात-खरगे

कांग्रेस ने कहा- यह महिलाओं का सशक्तिकरण नहीं

नई दिल्ली। शुक्रवार को लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक की हार के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर कन्या भ्रूण हत्या का आरोप लगाया, इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी पर पलटवार कर उन्हें हताश बताया। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि इस बिल को राजनीतिक लाभ के लिए महिलाओं के आरक्षण के उपाय के रूप में गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह महिलाओं का सशक्तिकरण नहीं है। कांग्रेस नेता खरगे ने कहा कि बीते 12 वर्षों में कुछ भी सार्थक न कर पाने वाले हताश और निराश प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने आधिकारिक संबोधन को कीचड़ उछालने और सरासर झूठ बोलन के कुछ नहीं किया। आचार सँहिता पहले से ही लागू है और स्पष्ट था कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने विरोधियों पर हमला करने के लिए सरकारी तंत्र

का दुरुपयोग कैसे किया। यह लोकतंत्र और भारत के संविधान का घोर अपमान है। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने कांग्रेस का 59 बार जिक्र किया और महिलाओं का केवल कुछ ही बार। इससे देश को उनकी प्राथमिकताओं के बारे में पता चलता है। महिलाएं भाजपा की प्राथमिकता नहीं हैं। कांग्रेस है, क्योंकि कांग्रेस इतिहास के सही पक्ष में खड़ी है। कांग्रेस ने हमेशा ही महिला आरक्षण का समर्थन किया है। हम वह पार्टी थे जिसने 2010 में राज्यसभा में महिला आरक्षण विधेयक पारित कराया ताकि वह निरस्त न हो जाए। भाजपा उस विधेयक को लोकसभा में पारित नहीं करा सकी। उन्होंने 2023 में एक और विधेयक लाया और कांग्रेस पार्टी ने उसका भी समर्थन किया। खरगे ने कहा कि वह विधेयक अभी भी लागू है। दरअसल, इस 16 अप्रैल को अधिसूचित किया गया था, जब लोकसभा परिसीमन संबंधी संवैधानिक संशोधन विधेयकों पर चर्चा कर रही थी।

एसआईआर को लेकर बार-बार याचिका दायर करने पर नाराज हुई शीर्ष अदालत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में पश्चिम बंगाल में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के बाद वोटर लिस्ट से बड़े पैमाने पर नाम हटाने को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान तीखी टिप्पणी सामने आई। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ताओं और वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत की ओर से बार-बार एक ही मुद्दे पर अलग-अलग याचिकाएं दाखिल करने पर कड़ी नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस तरह बार-बार एक ही विषय को लेकर याचिकाएं दाखिल करना उचित नहीं है और इससे न्यायिक प्रक्रिया पर अनावश्यक दबाव पड़ता है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की बेंच, जिसमें मुख्य न्यायाधीश और न्यायमूर्ति शामिल थे, ने स्पष्ट किया कि इस मामले में वे कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से सीधे रिपोर्ट प्राप्त करने वाले है। सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया कि संबंधित ट्राइब्यूनल और प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा आवश्यक है, क्योंकि याचिका में यह आरोप लगाया गया है कि ट्राइब्यूनल ठीक से काम नहीं कर रहा है। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद गठित अपीलेट ट्राइब्यूनल लोगों को प्रभावी राहत नहीं दे रहा है। आरोप लगाया गया कि कई मामलों में वकीलों को पक्ष रखने की अनुमति नहीं दी जा रही है और केवल ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार हो रहे हैं, जबकि फिजिकल आवेदन नहीं लिए जा रहे। यह भी कहा गया कि ट्राइब्यूनल सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पूरी तरह पालन नहीं कर रहा है, जिससे प्रभावित लोगों को न्याय मिलने में कठिनाई हो रही है।

उधमपुर में सड़क हादसा, 21 की मौत

तेज रफ्तार बस का टायर फटा, ड्राइवर कंट्रोल नहीं कर सका; 100 फीट नीचे गिरी

उधमपुर। जम्मू के उधमपुर में सोमवार सुबह एक बस हादसे का शिकार हो गई। रामनगर से आ रही बस जालो के पास सड? से 100 फीट नीचे गिरकर पलट गई। इस हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से ज्यादा यात्री घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट पर बताया कि मरने वालों की संख्या बढ़?र 21 हो गई है। घायलों को इलाज के लिए जीएमसी ऊधमपुर लाया जा रहा है। इससे पहले उन्होंने लिखा था कि हादसे का शिकार हुई बस पब्लिक ट्रांसपोर्ट की थी। रेस्क्यू ऑपरेशन तुरंत शुरू कर दिया गया है। घायलों को हरसंभव मदद मुहैया कराई जा रही है। हादसे वाली जगह पर मौजूद लोगों ने बताया कि हादसे की वजह बस का ओवरलोड और तेज रफ्तार होना था। घायल यात्रियों से पूछा गया तो वे बोले कि ड्राइवर बहुत तेज बस चला रहा था। बस का टायर फटने से वह स्पीड कंट्रोल नहीं कर सका। जिसके कारण वह करीब 100 फीट की ऊंचाई से गिर गई। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। उन्होंने क्षतिग्रस्त बस के अंदर फंसे घायलों को बाहर निकालने का प्रयास किया। पुलिस और अन्य भी जल्द ही बचाव अभियान में शामिल हो गए। उनका मुख्य उद्देश्य पीड़ितों को सुरक्षित निकालना और दुर्घटनास्थल को साफ करना था। देखते ही देखते बस से मलबे से लाशें निकलना शुरू हुई।

भारत-नेपाल सीमा पर 'भंसार' और ईंधन विवाद से बढ़ा तनाव

नई दिल्ली। भारत और नेपाल के बीच सीमा क्षेत्रों में इन दिनों ईंधन और कर नीति को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। नेपाल में पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों के कारण वहां के वाहन चालक बड़ी संख्या में भारतीय सीमावर्ती इलाकों, खासकर बिहार में सस्ता ईंधन भरवाने पहुंच रहे हैं। इस बढ़ती भीड़ के कारण स्थानीय पेट्रोल पंपों पर दबाव बढ़ गया है और भारतीय उपभोक्ताओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए नेपाली वाहनों के लिए ईंधन की आपूर्ति सीमित कर दी है। नेपाल में भारत के मुकाबले प्रेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के कारण सस्ता ईंधन भरवाने नेपाली वाहन चालक बिहार का रुख कर रहे हैं। नए नियमों के तहत दोपहिया वाहनों को अधिकतम 3 लीटर, चारपहिया वाहनों को 10 लीटर और बड़े वाहनों को 20 लीटर तक ही ईंधन दिया जा रहा है। कुछ क्षेत्रों में यह सीमा और भी कम कर दी गई है, जिससे सीमा पर असंतोष बढ़ने की आशंका है। इससे पहले नेपाल सरकार द्वारा भारतीय नंबर प्लेट वाली गाड़ियों पर 'भंसार' (कस्टम ड्यूटी) लागू करने के फैसले ने भी विवाद को जन्म दिया था। इस कदम को भारत की ओर से आर्थिक दबाव के रूप में देखा जा रहा है, जबकि नेपाल इसे राजस्व और नियंत्रण के उपाय के तौर पर पेश कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह विवाद अब केवल ईंधन आपूर्ति तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह दोनों देशों के बीच आर्थिक और प्रशासनिक टकराव का रूप लेता जा रहा है। सीमा क्षेत्रों में हालात संवेदनशील बने हुए हैं और स्थानीय प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है। भारत और नेपाल के बीच पारंपरिक रूप से मजबूत संबंध रहे हैं, लेकिन हालिया घटनाक्रम ने यह संकेत दिया है कि छोटे-छोटे आर्थिक फैसले भी द्विपक्षीय रिश्तों पर बड़ा असर डाल सकते हैं। ऐसे में दोनों देशों के बीच संवाद और समन्वय बेहद जरूरी हो गया है, ताकि सीमा पर सामान्य स्थिति बहाल की जा सके।

हिमाचल में वित्तीय संकट के बीच सरकार का बड़ा फैसला

सीएम, डिप्टी सीएम से लेकर मंत्रियों के वेतन पर चली कैंची

शिमला ।गहराते वित्तीय संकट के बीच हिमाचल प्रदेश की सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। डगमगाती आर्थिक स्थिति को संभालने और वित्तीय संसाधनों के कुशल प्रबंधन के लिए सरकार ने राज्य के शीर्ष अधिकारियों के वेतन का एक बड़ा हिस्सा अगले छह महीनों के लिए रोकने का निर्णय लिया है। वित्त विभाग द्वारा जारी इस अधिसूचना ने प्रशासनिक गलियारों में हड?प मचा दिया है। इससे पहले सरकार ने मंत्रियों और विधायकों की सैलरी में कटौती का फैसला लिया था। सीएम सुक्खू ने खुद अपनी आधी सैलरी में कटौती की घोषणा की थी।

अधिकारियों और कर्मचारियों के सैलरी में कटौती की अधिसूचना मई 2026 से प्रभावी होगी और सरकार का यह कदम अस्थाई होगा। वित्त विभाग की अधिसूचना के मुताबिक, यह कदम अस्थायी है और वित्तीय संसाधनों के कुशल प्रबंधन के लिए सामूहिक प्रयास के रूप में अपनाया जा रहा है। इसे कटौती के रूप में नहीं माना जाएगा और राज्य सरकार की वित्तीय स्थिति के आधार पर इसे बाद में जारी किया जाएगा।

सरकार की तरफ से जारी अधिसूचना के मुताबिक सिर्फ नेता ही नहीं बल्कि नौकरशाहों के वेतनों में भी कटौती की गई है । जारी आदेश के मुताबिक राज्य के मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और डीजीपी स्तर के अधिकारियों के वेतन का 30 प्रतिशत हिस्सा रोका जाएगा, जबकि सचिव, विभागाध्यक्ष, आईजी, डीआईजी, एसपी और वन विभाग के अधिकारियों के वेतन का 20 प्रतिशत हिस्सा स्थगित रहेगा। यह व्यवस्था अप्रैल 2026 के वेतन से लागू होगी, जिसका भुगतान मई में किया जाएगा । सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह वेतन कटौती नहीं बल्कि अस्थायी स्थगन है और रोकी गई राशि भविष्य में वित्तीय स्थिति सुधरने पर जारी की जाएगी। साथ ही यह राशि पेंशन और लीव एनकैशमेंट में भी शामिल होगी।

इससे पहले मार्च 2026 में सरकार ने बोर्ड, निगम और आयोगों में तैनात पदाधिकारियों का कैबिनेट रैंक वापस लेते हुए उनके वेतन-भत्तों में 20 प्रतिशत कटौती की थी। सरकार इस कदम को वित्तीय प्रबंधन का हिस्सा बता रही है, लेकिन इसे लेकर प्रदेश में सियासी घमासान तेज हो गया है। वहीं मंत्री जगत नेगी ने मंत्री विधायकों मुख्यमंत्री और अधिकारियों के वेतन 6 महीने के डेफर करने के सवाल पर कहा कि प्रदेश में विकास न रुके उसको देखते हुए ये फैसला लिया गया है। वही नेता प्रतिपक्ष द्वारा अन्य खर्च कम करने की सरकार को दी गई नसीहत पर जगत नेगी ने कहा की नेता प्रतिपक्ष को क्या क्या सुविधाएं मिल रही है।

अग्रिम जमानत के लिए हाई कोर्ट पहुंचे पवन खेड़ा

गुवाहाटी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने अब असम में दर्ज एक मामले में अग्रिम जमानत के लिए गुवाहाटी हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। यह मामला असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर से जुड़ा है, जिसमें पासपोर्ट को लेकर विवाद सामने आया है। दरअसल, पवन खेड़ा ने आरोप लगाया था कि रिनिकी भुइयां सरमा के पास एक से ज्यादा पासपोर्ट हैं। इसी बयान के बाद उनके खिलाफ गुवाहाटी क्राइम ब्रांच थाने में एफआईआर दर्ज की गई। इस एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता की कई धाराएं लगाई गई हैं, जिनमें चुनाव से जुड़े गलत बयान, धोखाधड़ी, जालसाजी, मानहानि और शांति भंग करने जैसे आरोप शामिल हैं। दूसरी तरफ, असम पुलिस इस मामले में काफी सक्रिय रही है और पहले हैदराबाद में खेड़ा की तलाश में पहुंची थी। इतना ही नहीं, पुलिस ने दिल्ली स्थित उनके घर पर भी जाकर जांच की थी। अब इस मामले में अगला फैसला गौहाटी हाई कोर्ट में सुनवाई के बाद ही तय होगा, जिससे यह स्पष्ट होगा कि पवन खेड़ा को इस मामले में राहत मिलती है या नहीं।

जनगणना 2027-पहले चरण में 33 सवाल, पूरी प्रक्रिया होगी डिजिटल

वारासिवनी में स्व-जनगणना जागरूकता अभियान का शुभारंभ, नागरिकों से भागीदारी की अपील

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

दुनिया की सबसे बड़ी प्रशासनिक कवायद जनगणना 2027 का पहला चरण मध्यप्रदेश में 1 मई 2026 से शुरू होने जा रहा है। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल और हाईटेक होगी, जिसमें मकानों की गिनती से लेकर डेटा संग्रह तक की प्रक्रिया आधुनिक तकनीकों के माध्यम से की जाएगी। पहले चरण में 'हाउस लिस्टिंग' के तहत 33 महत्वपूर्ण सवाल पूछे जाएंगे, जबकि दूसरा चरण फरवरी 2027 में जनसंख्या गणना के रूप में आयोजित होगा। जनगणना की विशेषता यह है कि पहली बार जियो-रेफरेंसिंग तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जिससे हर घर की लोकेशन डिजिटल मैप पर दर्ज होगी। इससे न तो कोई मकान छूटेगा और न ही दोहरी गिनती की संभावना रहेगी। साथ ही, आजादी के बाद पहली बार जातिगत आंकड़े भी एकत्र किए जाएंगे, जो इससे पहले 1931 में संकलित किए गए थे।

रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण के अनुसार, जनगणना का डेटा पूरी तरह गोपनीय रहेगा और इसे 'अति संवेदनशील सूचना बुनियादी ढांचा' श्रेणी में रखा गया है। यह जानकारी न तो आरटीआई के दायरे में होगी और न ही किसी सरकारी योजना या न्यायालय में साक्ष्य के रूप में उपयोग की जा सकेगी। आधिकारिक आंकड़े मार्च 2027 की मध्यरात्रि से निर्धारित माने जाएंगे।

इसी क्रम में नगर पालिका परिषद वारासिवनी द्वारा स्व-जनगणना (Self Enumeration) को बढ़ावा देने हेतु व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके ने नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे के निवास पर पहुंचकर स्व-जनगणना की प्रक्रिया का शुभारंभ किया और स्वयं उनकी गणना कराई।

अभियान के तहत नगर के विभिन्न वार्डों में माइक अनाउंसमेंट और जनसंपर्क के माध्यम से नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। नागरिकों को बताया जा रहा है कि वे अपने मोबाइल फोन के माध्यम से आसानी से ऑनलाइन स्व-जनगणना कर सकते हैं, जिससे समय की बचत होगी और आंकड़ों की सटीकता सुनिश्चित होगी।

नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता दांदरे ने कहा कि स्व-जनगणना एक सरल और सुविधाजनक प्रक्रिया है, जिसमें हर नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। सही जानकारी देने से ही विकास योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंच सकेगा। वहीं, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी नागरिकों से अपील की कि वे जनगणना में सक्रिय भागीदारी निभाएं और अपने वार्ड को 100 प्रतिशत स्व-जनगणना वाला क्षेत्र बनाएं।

ऐसे करें स्व-जनगणना

नागरिकों को वेब पोर्टल पर जाकर गूगल मैप के माध्यम से अपने घर की लोकेशन मार्क करनी होगी। जानकारी सबमिट करने के बाद 11 अंकों की एक यूनिक आईडी प्राप्त होगी, जिसे घर आने वाले प्रगणक को बताना होगा। प्रगणक द्वारा भौतिक सत्यापन के बाद ही डेटा अंतिम रूप से दर्ज किया जाएगा। यह सुविधा हिंदी और अंग्रेजी सहित 16 भाषाओं में उपलब्ध है। ध्यान रहे कि एक मोबाइल नंबर से केवल एक ही घर का पंजीयन किया जा सकेगा।

नगर पालिका ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान में सहयोग करें और अपने नगर को सटीक एवं पूर्ण जनगणना में अग्रणी बनाने में योगदान दें।

बसव जयंती पर राजनाथ सिंह ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। राजनाथ सिंह ने बसव जयंती के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इस दिन को महान संत और समाज सुधारक बसवेश्वर के आदर्शों को याद करने का अवसर बताया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने सोशल मीडिया संदेश में कहा कि जगद्गुरु बसवेश्वर ने समाज को समानता, गरिमा और सामाजिक न्याय का संदेश दिया, जो आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे बसवेश्वर के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाएं और एक बेहतर समाज के निर्माण में योगदान दें। राजनाथ ने कहा कि बसवेश्वर की शिक्षाएं न केवल भारतीय समाज, बल्कि पूरी दुनिया के लिए प्रेरणादायक हैं। उनके विचार लोगों को एक करुणामय, न्यायपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण समाज की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग दिखाते हैं। बसव जयंती के इस अवसर पर देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जहां संत बसवेश्वर के जीवन और उनके योगदान को याद किया जा रहा है।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं कन्हैया पूर्राम पिता श्री दिलराम पूर्राम, आयु 38 वर्ष, जाति गोंड निवासी वार्ड नं. 02 रौंदाटोला पोस्ट बैहर तहसील बैहर जिला बालाघाट (म.प्र.) का निवासी हूं।

मेरे ड्रायविंग लायसेंस क्रमांक **MP50R-2021-0092610** में मेरा नाम **KANHAIYALAL PURRAM** दर्ज है, जो त्रुटिपूर्ण है।

जबकि मेरे आधार कार्ड क्र. **4848 4379 1863** में तथा बैंक पासबुक, पेनकार्ड व अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम कन्हैया पुर्राम **KANHAIYA PURRAM** दर्ज है जो सही है।

उक्त दोनो नाम (1) कन्हैयालाल पुर्राम एवं (2) कन्हैया पुर्राम इन दोनों नाम का संबंध एक ही व्यक्ति से अर्थात मेरे नाम से है।

भविष्य में मेरे इन दोनों नाम के संबंध में कोई भिन्नता पाई जाती है या कोई वाद विवाद या दावा आपत्ति पेश होती है तो उसके लिये मै स्वयं जिम्मेदार रहूँगा। मैं अपना वास्तविक नाम कन्हैया पुर्राम [illegible] लिखता हूँ। इसे ही सत्य माना जावे।

कन्हैया पुर्राम
वार्ड न. 02 रौंदाटोला पोष्ट बैहर
तह. बैहर जिला बालाघाट(म.प्र)

सड़क दुर्घटना में साइकिल सवार युवती घायल

पदमेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली रोड आंवलाझरी चौक में मोटरसाइकिल साइकिल को ठोस मार कर फरार हो गई। साइकिल सवार युवती राखी पिता राम दयाल गराडे 26 वर्ष गोंडी टोला थाना भरवेली निवासी घायल हो गई। जिसका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार राखी गराडे प्राइवेट जॉब करती है। 19 अप्रैल को सुबह राखी काम करने के लिए घर से गई थी और काम करने के बाद शाम 7:30 बजे साइकिल में बालाघाट से घर जाने निकली थी। तभी भरवेली रोड आंवलाझरी चौक विश्वकर्मा मंदिर के पास सामने से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल को ठोस मार कर फरार हो गई जिससे राखी गराडे घायल हो गई इस मोटरसाइकिल में तीन लोग सवार थे। घायल राखी गराडे को डायल 112 से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया।

17 मिनट में सादगीपूर्ण विवाह- न दहेज, न दिखावा—समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बालाघाट से सकारात्मक संदेश

पदमेश न्यूज। बालाघाट। उपनगरीय बूढ़ी (बालाघाट) स्थित नामदान केंद्र में संत रामपाल जी महाराज के सान्निध्य में एक अनोखा दहेज-मुक्त विवाह संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर भगत बेनीराम दास (तुमड़ीटोला, वारासिवनी) और भक्तमति भोजकुमारी दासी (खैरागढ़, छत्तीसगढ़) वैवाहिक बंधन में बंधे।

सादगी में छिपा असली अर्थ

विवाह को अक्सर परंपराओं और सामाजिक अपेक्षाओं के कारण जटिल बना दिया जाता है। जबकि यह दो आत्माओं का पवित्र मिलन है। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए संत रामपाल जी महाराज ने विवाह की प्रक्रिया को बेहद सरल बनाया है।

रमैनी से मात्र 17 मिनट में विवाह

उनके अनुयायियों के बीच रमैनी विधि के माध्यम से विवाह केवल 17 मिनट में संपन्न किया जाता है। इस प्रक्रिया में किसी प्रकार का आडंबर या दिखावा नहीं होता बल्कि इसे पूरी श्रद्धा और सादगी के साथ सम्पन्न किया जाता है।

बिना बैंड-बाजा और बारात के विवाह

इस विवाह की खासियत यह रही कि इसमें न बैंड-बाजा था, न घोड़ी और न ही बारात निकाली गई। सबसे महत्वपूर्ण बात—दहेज का कोई लेन-देन नहीं हुआ। देवी-देवताओं को साक्षी मानकर विवाह की सभी रस्में शांत और सरल वातावरण में पूरी की गईं।

दहेज प्रथा पर करारा प्रहार

आज भी कई परिवारों में बेटियों के विवाह को लेकर आर्थिक बोझ और चिंता बनी रहती है। दहेज प्रथा न केवल असमानता बढ़ाती है बल्कि कई परिवारों को कर्ज में डुबो देती है। ऐसे में इस तरह के दहेज-मुक्त विवाह समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं।

नई सोच की ओर एक कदम

जहां एक ओर विवाह समारोहों में फिजूलखर्ची बढ़ती जा रही है, वहीं संत रामपाल जी महाराज के अनुयायी सादगीपूर्ण विवाह को अपनाकर समाज के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं।

दहेज मुक्त भारत की ओर पहल

यह विवाह दहेज मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया, जो सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है। ऐसे आयोजन समाज को जागरूक करते हुए नई सोच और सकारात्मक परिवर्तन की ओर अग्रसर कर रहे हैं।

आम सूचना

मै अपनी पक्षकार श्रीमति लिखेश्वरी वल्के पति श्री कमलसिंह वल्के, जाति गोंड, निवासी ग्राम थानेगांव, तहसील वारासिवनी, जिला बालाघाट की ओर से अधिकृत होकर और उनके निर्देशानुसार आप आम जनता को सूचित करता हूं कि मेरे पक्षकार के द्वारा अपने एकमेंव स्वामित्व व आधिपत्य की मौजा ग्राम वारा, प.ह.नं. 26/1, रा.नि.मं. व तहसील वारासिवनी, जिला बालाघाट में स्थित भूमि खसरा क्रमांक 629/3/5, 630/2, 631/3/5 रकबा 0.017 हे. परिवर्तित भूमि को बैंक शाखा में बंधक कर ऋण प्राप्त किया गया है जिसकी चतुर्सीमा उत्तर मे शिवपाल सिंह मेरावी का मकान, दक्षिण मे पूर्व विक्रेता की भूमि, पूर्व मे रास्ता तथा पश्चिम में पूर्व विक्रेता की भूमि है और इस भूमि को मेरी पक्षकार ने विक्रेता श्रीमति मधुलता पति श्री मोतीलाल तिलगाम, जाति गोंड से दिनॉक 10.02.2023 को क्रय कर प्राप्त की तथा इस भूमि को विक्रेता श्रीमति मधुलता पति श्री मोतीलाल तिलगाम के द्वारा पूर्व विक्रेता श्रीमति शकुन पिता बैसाखू से दिनांक 13.04.2015 को क्रय कर प्राप्त की थी जिसका दस्तावेज क्रमांक 35 है किंतु इस भूमि का पूर्वाध्द विक्रय पत्र दिनांक 13.04.2015 असल कंही गुम हो चुका है जो बहुत कोशिश करने के बाद भी प्राप्त नही हुआ है।

अत: इस भूमि व पूर्वाध्द विक्रय पत्र दिनांक 13.04.2015 के संबंध में किसी भी बैंक, संस्था या व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह 7 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा बाद में प्रस्तुत किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नही की जायेगी।

वास्ते आम सूचना प्रेषित है।

वारासिवनी
दिनांक-20/04/2026

प्रेषक
मुकेश अग्रवाल,अधिवक्ता
वारासिवनी जिला बालाघाट

ममता का आरोप, एसआईआर के दौरान भवानीपुर क्षेत्र से 300 ननों के नाम हटाए गए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आठ अप्रैल को नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद, भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र में पहला सामुदायिक जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया। ममता ने भाजपा पर मतदाता सूची से कथित तौर पर नाम हटाने और लोगों को धार्मिक एवं जातिगत आधार पर विभाजित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। ममता ने चुनावों को लोकतंत्र का उत्सव, न कि तानाशाही का बताया और विभिन्न समुदायों के लोगों से विधानसभा चुनावों से पहले एकजुट रहने का आग्रह किया। भाबानीपुर विधानसभा चुनाव 2026 के सबसे चर्चित मुकाबलों में से एक बनकर उभरा है, जहां सीट से तीन बार विधायक रह चुकीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का सीधा मुकाबला विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी से हो रहा है। इस मुकाबले का महत्व इसलिए भी बढ़ गया है क्योंकि यहां 2021 के नंदीग्राम चुनाव जैसा ही मुकाबला माना जा रहा है, जहां तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद अधिकारी ने बनर्जी को हराया था। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ममता ने आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान अल्पसंख्यक और प्रवासी समुदायों से संबंधित कई मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए थे। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ने ईसाई, मुस्लिम, सिख, जैन, सिंधी, गुजरात और बिहार के लोगों तथा इस्कॉन के सदस्यों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, चुनाव लोकतंत्र का त्यौहार है, तानाशाही का नहीं। उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील की कि वे उनके संदेश को अपने-अपने समुदायों तक पहुंचाएं और सामाजिक एकता बनाए रखें। ममता ने दावा किया कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान करीब 300 नन के नाम मतदाता सूची से गायब पाए गए।

मोरहर नदी पर प्रस्तावित बियर बांध निर्माण योजना को जल्द मंजूरी देने की मांग

पटना। बिहार के गया जिले के सिंघापुर गांव के समीप मोरहर नदी पर प्रस्तावित बियर बांध निर्माण योजना सात सालों से अधर में लटकी हुई है। अब यह मामला केंद्र सरकार तक पहुंच गया है। अभय कुमार सिन्हा ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल को पत्र लिखकर योजना को जल्द मंजूरी देने की मांग की है। सिन्हा ने पत्र में उल्लेख किया है कि 2018 में नीतीश कुमार ने अपनी समीक्षा यात्रा के दौरान स्थानीय किसानों की मांग पर मोरहर नदी में लावङ्कपूराङ्कमउ क्षेत्र में बियर बांध निर्माण की घोषणा की थी।

इसके बाद स्थल निरीक्षण कर डीपीआर भी तैयार किया गया, लेकिन आज तक परियोजना क्रियान्वयन के चरण तक नहीं पहुंच सकी है। उन्होंने कहा कि फिलहाल यह योजना प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के आगामी चरण में शामिल किए जाने की प्रक्रिया में है। केंद्रीय जल आयोग स्तर पर तकनीकी एवं प्रशासनिक स्वीकृतियां लंबित हैं। इसी कारण परियोजना आगे नहीं बढ़ पा रही है। उन्होंने पत्र में लिखा कि परियोजना के लंबित रहने से टिकारी और आसपास के क्षेत्रों के किसान अब भी स्थायी सिंचाई सुविधा से वंचित हैं। इसका सीधा असर कृषि उत्पादन और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की है कि डीपीआर को शीघ्र तकनीकी मंजूरी दी जाए, सभी औपचारिकताओं को समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाए।

रिपोर्ट के मुताबिक परियोजना के क्रियान्वयन की स्पष्ट समय-सीमा तय की जाए। साथ ही, इसके लिए आवश्यक वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग भी सुनिश्चित किया जाए। स्थानीय किसानों का मानना है कि यह परियोजना पूरी होने पर बड़े क्षेत्र को सिंचाई सुविधा मिलेगी और कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी। मामले को केंद्र तक पहुंचाने पर किसानों ने सांसद के प्रति आभार व्यक्त किया है।

आम सूचना

मै अपने पक्षकार म.प्र. ग्रामीण बैंक शाखा खैरलांजी की ओर से अधिकृत होकर और उनके निर्देशानुसार आप आम जनता को सूचित करता हूं कि मेरे पक्षकार बैंक से ऋणी श्रीमति सुकमा पति नरबद एवं श्री महेश, सुरेश व गीता, सुनीता पिता नरबद निवासी ग्राम चुटिया तह. खैरलांजी जिला बालाघाट मध्य प्रदेश के द्वारा पूर्व में संपत्ति विरूद्ध ऋण योजना अंतर्गत ऋण प्राप्त किया जा गया है और अब पुन: ऋणीगणो के द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व व आधिपत्य की मौजा ग्राम चुटिया, प.ह.नं. 41 रा.नि.मं. व तहसील खैरलांजी जिला बालाघाट में खसरा क्रमांक 128/4 रकबा 0.101 हे. परिवर्तित भूमि जिसकी चतुर्सीमा के पूर्व में चंपा बाई की भूमि, पश्चिम में रामप्रसाद की भूमि, उत्तर में लक्ष्मण की भूमि, दक्षिण में रोड स्थित है, को मेरी पक्षकार बैंक में साधारण बंधक द्वारा पुन: बंधक किया जा रहा है अत: इस संबंध मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या कार्यालय को आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सात दिनो के अंदर प्रस्तुत करे अन्यथा बाद मे प्रस्तुत आपत्ति अमान्य होगी।

वास्ते आम सूचना प्रेषित है।

वारासिवनी
दिनांक-20/04/2026

प्रेषक
मुकेश अग्रवाल, अधिवक्ता
वारासिवनी

पीएम मोदी ने बसव जयंती के मौके पर जगद्गुरु बसवेश्वर को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बसव जयंती के मौके पर जगद्गुरु बसवेश्वर को श्रद्धांजलि अर्पित कर कहा कि न्यायपूर्ण समाज के उनके दृष्टिकोण और लोगों को सशक्त बनाने के उनके अटूट प्रयासों से हम सभी को हमेशा प्रेरणा मिलेगी। पीएम मोदी ने कहा, "बसव जयंती के मौके पर जगद्गुरु बसवेश्वर और उनके उपदेशों को नमन। एक न्यायपूर्ण समाज का उनका सपना और जनसशक्तीकरण के उनके अटूट प्रयास हमें सदैव प्रेरित करता रहेगा। बसवेश्वर, 12वीं शताब्दी के कवि-दार्शनिक और लिंगायत संप्रदाय के संस्थापक थे, उन्हें बसवन्ना के नाम से भी जाना जाता है। बसव जयंती मुख्य रूप से 12वीं सदी के महान समाज सुधारक, दार्शनिक और कवि महात्मा बसवेश्वर (जिन्हें बसवन्ना भी कहा जाता है) के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मनाई जाती है। यह त्यौहार मुख्य रूप से कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना के कुछ हिस्सों में बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। जगद्गुरु बसवन्ना ने उस समय के समाज में फैली जाति व्यवस्था, छुआछूत और ऊंच-नीच के भेदभाव का कड़ा विरोध किया था। उन्होंने मानव धर्म को सर्वोपरि माना और सिखाया कि जन्म के आधार पर कोई बड़ा या छोटा नहीं होता। इतना ही नहीं उन्होंने दुनिया की पहली लोकतांत्रिक संसद मानी जाने वाली अनुभव मंटप की स्थापना की थी। यहाँ समाज के हर वर्ग (महिला, पुरुष, गरीब, अमीर) के लोग साथ बैठकर आध्यात्मिक और सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करते थे। बसवन्ना का सबसे प्रसिद्ध सिद्धांत था—कायका वे कैलास। इसका अर्थ है कि ईमानदारी से किया गया परिश्रम ही स्वर्ग के समान है। उन्होंने श्रम की गरिमा को बढ़ावा देकर कहा कि हर व्यक्ति को मेहनत करके ही अपना जीविकोपार्जन करना चाहिए। 12वीं सदी में उन्होंने महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार देने की वकालत की। उन्होंने महिलाओं को शिक्षित होने और सामाजिक चर्चाओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जटिल धार्मिक ग्रंथों के बजाय आम लोगों की भाषा (कन्नड़) में छोटे-छोटे वचन लिखे, ताकि आम आदमी भी नैतिक और आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त कर सके।

केरल में निजी संपत्ति विवाद बन गया राजनैतिक अखाड़ा... भाजपा और माकपा कार्यकर्ता आपस में भिड़े

नेट्टायम। केरल के नेट्टायम में दो रिश्तेदारों के बीच शुरू हुआ निजी संपत्ति विवाद देखते ही देखते राजनीतिक जंग में बदल गया। घटना में भाजपा और माकपा (सीपीआईएम) के कार्यकर्ताओं के बीच जमकर हिंसा हुई, जिसमें बीच-बचाव करने पहुंचे तीन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मामले में कड़ा रुख दिखाकर दोनों पार्टियों के कुल 94 कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस जांच के अनुसार, इस पूरे बवाल की शुरुआत नेट्टायम के मलमुकल इलाका निवासी दो रिश्तेदारों के बीच जमीन को लेकर हुए विवाद से हुई। इनमें से एक पक्ष भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से जुड़ा है। दूसरा पक्ष मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) का समर्थक है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन रविवार रात को यह विवाद सड़क पर आ गया और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के जमा होने से स्थिति अनियंत्रित हो गई।

प्राथमिकी के अनुसार, घायल पुलिसकर्मियों में सिविल पुलिस अधिकारी दीपू और शिबू तथा वट्टियूरकावु पुलिस थाना प्रभारी विपिन एसी शामिल हैं। प्राथमिकी में कहा गया है कि माकपा और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की सूचना मिलने के बाद पुलिस की एक टीम रात करीब 8.30 बजे मलमुकल स्थित सेंट सेबेस्टियन चर्च के पास पहुंची। पुलिस के अनुसार, माकपा के कार्यकर्ता ने कथित तौर पर सीपीओ दीपू के सिर पर पत्थर से हमला किया, जबकि एसएचओ विपिन एसी पर एक भाजपा कार्यकर्ता ने हमला किया। इसी तरह, सीपीओ शिबू पर भी लाठी से हमला किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह घटना दो रिश्तेदारों के बीच जमीन विवाद से उपजी है, जिनमें से एक भाजपा कार्यकर्ता और दूसरा माकपा समर्थक है, जिन्होंने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत और जवाबी शिकायत दर्ज कराई थी।

दिल्ली में कबूतरों को दाना और बंदरों को खाना खिलाने वालों पर हुई चालानी कार्रवाई

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगर परिषद ने एनजीटी को बताया है कि उसने सार्वजनिक स्थानों पर कबूतरों को दाना डालकर अस्वच्छता वाली परिस्थितियां पैदा करने वालों के खिलाफ चालान जारी करना शुरू कर दिया है। इस साल जनवरी से अब तक कुल 76 चालान जारी किए जा चुके हैं। इसके साथ ही कबूतर चारा डालने वाले प्रमुख स्थानों पर नियमित सफाई अभियान भी चलाया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एनजीटी वर्तमान में स्कूली छात्र आरमान पालीवाल की याचिका पर सुनवाई कर रहा है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि कबूतरों को चारा डालने और उनकी बढ़ती संख्या के कारण दिल्ली-एनसीआर के कई फुटपाथों, पैदल रास्तों और ट्रैफिक आइलैंड्स पर उनके गोबर फैल जाते हैं। जब इन जगहों को झाड़ा जाता है तो सूखे गोबर के विषैले कण धूल के साथ मिलकर हवा में फैलते हैं, जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है और गंभीर फेफड़ों की बीमारियां हो सकती हैं और सांस लेने में गंभीर तकलीफ होती है। बता दें दिसंबर 2024 में दायर की गई इस याचिका में अवैध विक्रेताओं को हटाने की भी मांग की गई है जो सार्वजनिक जगहों पर कबूतरों को चारा डालते हैं। पिछले साल मई में एनजीटी ने एनडीएमसी समेत संबंधित एजेंसियों से की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी थी। 9 अप्रैल 2026 को एनडीएमसी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि स्वच्छता पर्यवेक्षण कर्मचारियों द्वारा कबूतर चारा डालने वाले स्थानों का सर्वेक्षण किया गया और अस्वच्छता फैलाने वालों पर नियमित चालान जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही लोक स्वास्थ्य विभाग द्वारा इन स्थानों की हर रोज सफाई की जा रही है। वहीं एनडीएमसी ने बंदरों को खाना खिलाने के खिलाफ भी चालान जारी किए हैं।

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्पलेक्स
बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 9425138670
ललित बाफरेचा 9424765679

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

स्वच्छता सर्वेक्षण से पहले नगर पालिका की तैयारियां तेज चुनिंदा वार्डों को सजाने पर उठ रहे सवाल

एनजीओ के साथ मिलकर हो रही तैयारी, कई क्षेत्रों में अब भी गंदगी का अंबार, पार्षदों ने पूरे शहर में समान सफाई की उठाई मांग

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर नगर पालिका द्वारा इन दिनों शहर में व्यापक तैयारियां किए जाने का दावा किया जा रहा है। आगामी दिनों में सर्वेक्षण टीम के संभावित आगमन को देखते हुए नगर पालिका ने एक एनजीओ के सहयोग से शहर के विभिन्न वार्डों में सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने और कर्मचारियों को दिशा-निर्देश देने का कार्य प्रारंभ किया है। हालांकि इन तैयारियों के बीच यह सवाल भी उठने लगे हैं कि क्या यह प्रयास वास्तव में पूरे शहर के लिए हैं या फिर केवल कुछ चुनिंदा वार्डों तक ही सीमित रह गए हैं। सोमवार 20 अप्रैल को वार्ड क्रमांक 21 सहित शहर के कुछ प्रमुख स्थानों पर एनजीओ के सदस्य नगर पालिका कर्मचारियों के साथ सक्रिय नजर आए। यहां वे कर्मचारियों को गीले और सूखे कचरे के पृथक्करण, कचरा प्रबंधन, नालियों की सफाई और स्वच्छता सर्वेक्षण के मापदंडों को लेकर मार्गदर्शन दे रहे थे। इस गतिविधि को देखकर कई लोगों को ऐसा लगा कि सर्वेक्षण टीम शहर में पहुंच चुकी है, लेकिन बाद में स्पष्ट हुआ कि यह केवल पूर्व तैयारी का हिस्सा है।

नगर पालिका द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग हासिल करने के उद्देश्य से कुछ वार्डों को विशेष रूप से चिन्हित कर उन्हें मॉडल वार्ड के रूप में विकसित करने की कोशिश की जा रही है। इन वार्डों में साफ-सफाई, रंग-रोगन, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक शौचालयों के सुधार जैसे कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। नगर पालिका ने शहर के कुछ सार्वजनिक शौचालयों में पुताई और मरम्मत कार्य भी शुरू कर दिया है, ताकि सर्वेक्षण के दौरान बेहतर तस्वीर प्रस्तुत की जा सके। लेकिन दूसरी ओर शहर के कई हिस्सों में जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। काली पुतली चौक, अवंतीबाई चौक, चर्च क्षेत्र सहित कई स्थानों पर नालियां महीनों से साफ नहीं हुई हैं। कई जगहों पर गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है, जिससे राहगीरों और स्थानीय निवासियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। निचले और घनी आबादी वाले वार्डों में कचरा उठाव की व्यवस्था भी नियमित नहीं होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। इस मुद्दे को लेकर विपक्ष के पार्षदों के साथ-साथ सत्तापक्ष के कुछ जनप्रतिनिधियों ने भी खुलकर नाराजगी जाहिर की है। उनका कहना है कि केवल कुछ वार्डों को चमकाकर स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर अंक प्राप्त करने की कोशिश करना शहर की वास्तविकता को छुपाने जैसा है। पार्षदों ने नगर पालिका से मांग की है कि सभी 33 वार्डों में समान रूप से सफाई व्यवस्था को मजबूत किया जाए, ताकि शहर वास्तव में स्वच्छ और सुंदर बन सके। स्थानीय नागरिकों का भी कहना है कि स्वच्छता केवल सर्वेक्षण तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि यह एक निरंतर प्रक्रिया होनी चाहिए। उनका मानना है कि यदि नगर पालिका नियमित रूप से पूरे शहर में समान रूप से सफाई कार्य कराए, तो न केवल सर्वेक्षण में बेहतर परिणाम मिलेंगे, बल्कि शहरवासियों को भी स्वच्छ वातावरण मिल सकेगा। गौरतलब है कि पूर्व में जिला कलेक्टर द्वारा भी नगर पालिका को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि शहर के सभी वार्डों में साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए और स्वच्छता को प्राथमिकता दी जाए। बावजूद इसके कई क्षेत्रों में अभी भी स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा है, जिससे प्रशासनिक प्रयासों की प्रभावशीलता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। नगर पालिका स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर स्थान हासिल करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। लेकिन अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह तैयारियां केवल दिखावे तक सीमित रहती हैं या वास्तव में पूरे शहर की सफाई व्यवस्था में स्थायी सुधार ला पाती हैं। आने वाले दिनों में सर्वेक्षण टीम के निरीक्षण के बाद ही शहर की स्वच्छता की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकेगी।

न्यूज गैलरी

गाय चराने वाले का बेटा बना एमबीबीएस डॉक्टर

पद्मेश न्यूज। लामता। जिला मुख्यालय से लगभग 22 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम मगरदर्रा से एक प्रेरणादायक खबर सामने आई है। संसाधनों की कमी और आर्थिक तंगी के बीच पले-बढ़े निकेश मर्सकोले ने अपनी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के दम पर एमबीबीएस की कठिन परीक्षा उत्तीर्ण कर इतिहास रच दिया है। निकेश मर्सकोले, माता दुर्गा बाई मर्शकोले एवं पिता चंदू लाल मर्शकोले के पुत्र हैं। उनका परिवार साधारण एवं आर्थिक रूप से कमजोर है। उनके पिता वर्षों से गांव में गाय चराकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद निकेश ने कभी अपने लक्ष्य से समझौता नहीं किया। दिन में परिवार की मदद और रात में पढ़ाई करते हुए उन्होंने अपने सपने को साकार किया। प्रारंभिक शिक्षा गांव के शासकीय विद्यालय से प्राप्त करने वाले निकेश बचपन से ही पढ़ाई में होनहार और गंभीर स्वभाव के रहे हैं। आगे की पढ़ाई के दौरान उन्हें कई आर्थिक और सामाजिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। निकेश का सपना डॉक्टर बनकर गांव और आसपास के गरीब एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है। वह अक्सर कहा करते थे कि गांव में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी है, जिसे वह दूर करना चाहते हैं। एमबीबीएस जैसी कठिन परीक्षा को उत्तीर्ण करना आसान नहीं होता, विशेषकर तब जब संसाधन सीमित हों। लेकिन निकेश मर्सकोले ने यह साबित कर दिया कि मजबूत इरादों और मेहनत के बल पर कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। इस सफलता के बाद पूरे गांव में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने इसे गांव के इतिहास का गौरवपूर्ण क्षण बताया, वहीं शिक्षकों ने कहा कि निकेश की यह उपलब्धि अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा बनेगी।

डिजिटल निगरानी से अपराध पर लगाम की तैयारी, पुलिस ने 200 से अधिक हिस्ट्रीशीटरों का बनाया डेटा बैंक

फेस मैपिंग, रेटिना स्कैन और फिंगरप्रिंट से तैयार हो रही प्रोफाइल, जेल से छूटे अपराधियों की भी लगातार मॉनिटरिंग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस ने अब पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़ते हुए आधुनिक तकनीक का सहारा लेना शुरू कर दिया है। चोरी, डकैती, चेन स्नेचिंग और अन्य आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा निगरानी बदमाशों और पुराने अपराधियों का विस्तृत डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है। इस पहल को जिले में अपराध प्रबंधन की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इसी कड़ी में 20 अप्रैल को पुलिस लाइन में एक विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से करीब 200 से अधिक हिस्ट्रीशीटर, निगरानी बदमाश और संदिग्ध प्रवृत्ति के लोगों को बुलाया गया। यहां दिनभर चले इस अभियान में उनके फिंगरप्रिंट, रेटिना स्कैन, फेस मैपिंग और अन्य पहचान संबंधी महत्वपूर्ण डाटा एकत्रित किया गया। इस प्रक्रिया के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति की एक सटीक डिजिटल प्रोफाइल तैयार की जा रही है, जिससे भविष्य में किसी भी आपराधिक घटना की जांच में त्वरित सहायता मिल सके। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कई बार अपराधी अपनी पहचान छुपाकर और स्थान बदलकर घटनाओं को अंजाम देते हैं, जिससे उन्हें पकड़ना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। लेकिन अब डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होने से ऐसे अपराधियों

की पहचान आसानी से की जा सकेगी और जांच की प्रक्रिया भी तेज होगी। यह डेटा बैंक भविष्य में पुलिस के लिए एक मजबूत आधार साबित होगा। अभियान के दौरान पुलिस ने सभी निगरानी बदमाशों को सख्त हिदायत भी दी। उन्हें स्पष्ट रूप से चेताया गया कि यदि वे दोबारा किसी भी अवैध गतिविधि में शामिल पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्हें समाज की मुख्यधारा में लौटने और वैध तरीके से जीवनयापन करने की समझाइश भी दी गई। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने हाल ही में अनौपचारिक चर्चा में बताया था कि अब पुलिस केवल पुराने रिकॉर्ड तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि जेल से रिहा होने वाले अपराधियों पर भी विशेष नजर रखी जा रही है। उनके अनुसार, ऐसे अपराधियों की गतिविधियों का लगातार ट्रैक रखा जा रहा है, वे कहां रह रहे हैं, किन लोगों के संपर्क में हैं और उनकी दिनचर्या क्या है, इसका पूरा विवरण संकलित किया जा रहा है। इसके अलावा, जेल से छूटने के दौरान उन्हें लेने आने वाले लोगों का भी रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है, ताकि उनके संपर्कों की जानकारी मिल सके। पुलिस टीमें समय-समय पर उनके निवास स्थान पर पहुंचकर उनकी गतिविधियों की जांच कर रही हैं, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे पुन: अपराध की ओर न बढ़ें। पुलिस का मानना है कि इस तरह की डिजिटल मॉनिटरिंग और सतत निगरानी से जिले में अपराधों पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकेगा। साथ ही इससे अपराधियों में कानून का भय भी बढ़ेगा और आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत होगी। आने वाले समय में पुलिस इस अभियान को और व्यापक स्तर पर लागू करने की तैयारी में है, ताकि जिले को अपराध मुक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें।

चाकू बाजी में एक व्यक्ति घायल

पदमेश न्यूज। बालाघाट। उपनगरी बूढ़ी एक चाकू बाजी में एक व्यक्ति घायल हो गया घायल व्यक्ति आकाश पिता इंदल सिंह राठौड़ 32 वर्ष वार्ड नंबर 11 बूढ़ी बालाघाट निवासी का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आकाश की बूढ़ी में आटा चक्की है। जिस व्यक्ति का सोनी टेकी के साथ पुराने रंजिश बनी हुई थी। 19 अप्रैल की रात्रि 10:30 बजे करीब आकाश खाना खाने के बाद घर के बाहर निकाला और मोटरसाइकिल अंदर कर रहा था तभी सोनी टेकी उसके पास आया और पुराने रंजिश को लेकर उसे असली गालियां देने लगा। और दोनों के बीच विवाद हो गया सोनी टेकी ने आकाश को मारपीट कर उसके कपड़े फाड़ दिये और चाकू से वार कर दिया। चाकू का वार आकाश के दाएं हाथ की कोहनी में लगने से वह घायल हो गया। इसके बाद सोनी टेकी उसे जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची डायल 112 से घायल आकाश को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया।

अंबेडकर जयंती के अवसर पर जन अभियान परिषद द्वारा व्याख्यानमाला का आयोजन

पदमेश न्यूज। उकवा। संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर एक दिवसीय व्याख्यानमाला का आयोजन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा विकासखंड बैहर के शा. अरण्य भारती महाविद्यालय में किया गया इस अवसर पर जन अभियान परिषद द्वारा गठित प्रस्फुटन समितियां नवांकुर संस्थाएं अन्य स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधि, वॉलिंटियर एवं सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। इस अवसर वक्ताओं द्वारा बताया गया कि डा. अम्बेडकर का जीवन सरस, समतल, सपाट नहीं है। यह बार बार अपमान की चिंगारियों पर तपता और जगह जगह सम्मान के छींटों से शांत होता ऐसा विराट व्यक्तित्व है, जिसकी दृढ़ता विपरीत अनुभवों को सहते हुए कदम व कदम बढ़ती जाती है। इस दृढ़ता का विलक्षण पक्ष यह है कि अम्बेडकर चोट खाते हैं और हर चोट के साथ सामाजिक मजबूती के काम में और जोश खरोश से जुट जाते हैं। समाज की व्यवस्थागत गलन और जिंदगी पर बड़बड़ाते हैं लेकिन जहाँ इस राष्ट्र और समाज की अखंडता पर कोई हमला होता है, डा. अम्बेडकर बाबासाहब बन जाते हैं। इस समाज के अनुभवी बुजुर्ग की तरह व्यवहार करते हैं। एकरस समाज और मजबूत राष्ट्र के प्रबल पक्षधर हो जाते हैं। इसका कवच बनकर खड़े हो जाते हैं। डा. अम्बेडकर का जीवन सरस, समतल सपाट नहीं है। यह बार बार अपमान की चिंगारियों पर तपता और जगह जगह सम्मान के छींटों से शांत होता ऐसा विराट व्यक्तित्व है, जिसकी दृढ़ता विपरीत अनुभवों को सहते हुए कदम व कदम बढ़ती जाती है। इस दृढ़ता का विलक्षण पक्ष यह है कि अम्बेडकर चोट खाते हैं और हर चोट के साथ सामाजिक मजबूती के काम में और जोश खरोश से जुट जाते हैं। समाज की व्यवस्थागत गलन और जिंदगी पर बड़बड़ाते हैं लेकिन जहाँ इस राष्ट्र और समाज की अखंडता पर कोई हमला होता है, डा. अम्बेडकर बाबासाहब बन जाते हैं। इस समाज के अनुभवी बुजुर्ग की तरह व्यवहार करते हैं। एकरस समाज और मजबूत राष्ट्र के प्रबल पक्षधर हो जाते हैं। इसका कवच बनकर खड़े हो जाते हैं आज के कार्यक्रम में मुख्य वक्ता वरिष्ठ आर डी देशभरतार, ब्लॉक समन्वयक महेश पटले, जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष राजीव गोपाल परते परामर्शदाता शिवनाथ यादव सुरेश यादव, भंवर सिंह मेरावी ,आकांक्षा तेकाम, संगीता उइके, स्कूल स्कूल छात्र छात्राएं संदीप गजभिये, अभय यादव, विमल भावे, ज्योति कुर्वेती, मोनिका ठाकरे, अमित बिसेन अंकित पटले,अंबिका यादव, अर्पिता यादव, शिवानी शिवहरे,सुमित्रा पटावी पीहू हरिद्वार, आदि उपस्थित रहे।

शासकीय हाई स्कूल बकोडी का परीक्षा परिणाम सराहनीय

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी विकासखंड के अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल बकोडी ने वर्ष २०२५-२६ के परीक्षा परिणाम में शानदार प्रदर्शन कर एक नई मिसाल कायम की है। सीमित संसाधनों के बावजूद विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक अर्जित कर यह सिद्ध कर दिया कि मेहनत अनुशासन और सही मार्गदर्शन से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। इस वर्ष विद्यालय के विद्यार्थियों ने ८० से लेकर ९५.४ तक अंक प्राप्त कर शिक्षा के क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। यह उपलब्धि ना केवल विद्यालय के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बन चुकी है। जिसमें भाग्यश्री टेंभरे ९५.४,रीना ठाकरे ९२.८,कांक्षी आड़े ९१.६,आयुषी कुकड़े ८७.२,अंजली बघारे ८५.६,रीना दमाहे ८४,आयुषी पगरवार ८३.२,आरुषि दमाहे ८३, सुहानी लिल्हारे ८२,हिमांशी पंचेश्वर ८१ प्रतिशत प्राप्त किया है। हाल ही में निर्मित विद्यालय का नवीन भवन विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित हुआ है। स्वच्छ एवं हवादार कक्षाएं पर्याप्त फर्नीचर शांत एवं अनुशासित वातावरण तथा मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता ने अध्ययन को अधिक प्रभावी बनाया है। इन सुविधाओं के कारण विद्यार्थियों में पढ़ाई के प्रति रुचि और एकाग्रता में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे विद्यालय के प्राचार्य अरविंद यादव का कुशल नेतृत्व और दूरदर्शिता प्रमुख रही। उनके मार्गदर्शन में शिक्षक पुष्पराज लिल्हारे,दिनेश बिसेन, श्री सुलकिया ने विद्यार्थियों को ना केवल पढ़ाया बल्कि उन्हें प्रेरित भी किया।

मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही ग्राम पंचायत गढ़ी, ग्रामीणों ने दी जन आंदोलन की चेतावनी

पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और बिजली की समस्या बरकरार, वर्षों से शिकायत के बावजूद नहीं हो रहा समाधान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के दूरस्थ और आदिवासी अंचलों में आज भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। बैहर जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत गढ़ी इसका एक प्रमुख उदाहरण बनकर सामने आई है, जहां पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और बिजली जैसी बुनियादी जरूरतें आज भी पूरी नहीं हो पाई हैं। परेशान ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने अब अपनी मांगों को लेकर जन आंदोलन की रणनीति बनानी शुरू कर दी है। ग्राम पंचायत गढ़ी के सरपंच, पंचों और ग्रामीणों का कहना है कि वे वर्षों से अपनी समस्याओं को लेकर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के समक्ष आवेदन और ज्ञापन देते आ रहे हैं, लेकिन आज तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। हालात यह हैं कि वर्तमान में क्षेत्र में पेयजल संकट गहरा गया है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत बालाघाट जिले में होने के बावजूद आज भी मंडला जिले से विद्युत आपूर्ति ली जा रही है, जिसके कारण बिजली की समस्या लगातार बनी रहती है। बार-बार कटौती और अनियमित आपूर्ति के चलते ग्रामीणों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। सरपंच रोशनी मरावी ने बताया कि क्षेत्र में शिक्षा की स्थिति भी बेहद कमजोर है। यहां उच्च शिक्षा के लिए न तो कॉलेज है और न ही आईटीआई जैसी कोई प्रशिक्षण संस्था। उन्होंने कहा कि यदि क्षेत्र में प्रशिक्षण केंद्र खोला जाए, तो यहां के युवा कौशल विकास के माध्यम से रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि बीते दो-तीन वर्षों से पंचायत में किए गए मनरेगा कार्यों का भुगतान लंबित है, जिससे मजदूरों में असंतोष बढ़ रहा है। मजदूरी नहीं मिलने के कारण अब लोग काम करने से कतराने लगे हैं, जिससे विकास कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में न तो पर्याप्त स्वास्थ्य केंद्र हैं और न ही विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध हैं। खासतौर पर स्त्री रोग विशेषज्ञ की कमी के कारण प्रसव के दौरान महिलाओं को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जिला पंचायत सदस्य महेश मरकाम, जनपद उपाध्यक्ष रणजीत सिंह बैस ,पंच अमित पाटिल ,महेश मरकाम जिपं सदस्य, द्रोपिकिशोर मेरावी, लक्ष्मी मेरावी सरपंच कदला, भागवती उइके सरपंच माना, प्रताप करायत उपसरपंच गढ़ी, डा. अमित पाटिल पंच, विकल पाटिल ब्लाक अध्यक्ष कांग्रेस, दशरथ धारवैया ने बताया कि ग्राम पंचायत की भौगोलिक स्थिति दूरस्थ होने के कारण यहां अधिकारी और प्रशासनिक अमला शायद ही कभी पहुंच पाता है। इसके चलते क्षेत्र में विकास कार्यों की निगरानी नहीं हो पाती और समस्याएं जस की तस बनी रहती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि क्षेत्र में छात्रावास, कॉलेज और शासकीय कार्यालयों की स्थिति बेहद खराब है। कई बार अधिकारी लंबे समय तक अनुपस्थित रहते हैं और स्टाफ की भारी कमी भी बनी हुई है। पक्की सड़कों और स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में ग्रामीणों को रोजमर्रा के कार्यों में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। रणजीत सिंह बैस ने बताया कि ग्राम पंचायत गढ़ी को पूर्व सांसद ढालसिंह बिसेन द्वारा गोद लिया गया था, लेकिन इसके बावजूद क्षेत्र की स्थिति में कोई विशेष सुधार नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि यदि जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो ग्रामीणों को साथ लेकर बड़ा जन आंदोलन किया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि अब वे केवल आश्वासन नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई चाहते हैं। यदि उनकी मांगों पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले समय में आंदोलन और तेज हो सकता है।

77 पंचायतों में जल संकट, 6 दिनों से सूखी नल-जल योजना की टोंटिया, ग्रामीणजन परेशान

छिंदलई घाट इंटकवेल की सफाई के चलते 104 गांवों में नही मिल रहा पानी, हाहाकार, वैकल्पिक व्यवस्था कर पानी सप्लाई करने की मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

भीषण गर्मी के बीच लालबर्रा विकासखण्ड के अंतर्गत आने वाली 77 ग्राम पंचायतों के 104 गांवों में जल संकट गहरा गया है। ग्राम पंचायत छिंदलई में वैनगंगा नदी के तट पर स्थित इंटकवेल की सफाई कार्य के चलते पिछले 6 दिनों से नल-जल योजना के तहत होने वाली पानी की सप्लाई पूरी तरह ठप है। बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के शुरू किये गये इस कार्य ने हजारों ग्रामीणों को बूंद-बूंद पानी के लिए मोहताज कर दिया है। वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी के कारण क्षेत्र के अधिकांश पारंपरिक जल स्त्रोत जैसे कुएं सूख चुके हैं। ऐसे में ग्रामीण दूर-दराज स्थित हैंडपंपों पर निर्भर हैं, लेकिन हेंडपंपों पर दबाव अधिक होने के कारण वहां से भी दूषित पानी निकल रहा है। जिसे पीने से ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बढ़ गई है। जबकि पीएचई विभाग को छिंदलई वैनगंगा नदी में स्थित इंटकवेल की सफाई करने के पूर्व क्षेत्रीयजनों को नल-जल योजना का नियमित रूप से पानी प्रदाय करने हेतु वैकल्पिक व्यवस्था करना था। उसके बाद सफाई कार्य करना था किन्तु ऐसा नही किया गया है। जिसके चलते क्षेत्र में नल-जल योजना पूरी तरह से प्रभावित हो चुकी है और 6 दिनों से नल-जल योजना का पानी का एक बूंद नल की टोटियों में नही आने से क्षेत्र में पानी के लिए त्राही-त्राही मची हुई है। वहीं पीएचई विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सफाई का कार्य अंतिम चरण में है। पानी की इस भीषण समस्या को देखते हुए क्षेत्रीयजनों ने पीएचई विभाग से छिंदलई इंटकवेल की सफाई कार्य तीव्र गति से करवाने एवं तकनीकी खराबी को दुरूस्त कर नियमित रूप से नल-जल योजना का पानी प्रदाय करने की मांग की है।

पंचायतों के पास स्वयं की नल-जल योजना होनी चाहिए

आपको बता दे कि लालबर्रा विकासखण्ड के 77 ग्राम पंचायत के ग्रामीणजनों को छिंदलई वैनगंगा नदी का शुध्द पानी पहुंचाने की मंशा से शासन के द्वारा करोड़ों रूपयों की लागत से नल-जल योजना प्रारंभ की गई है और इस योजना के तहत छिंदलई वैनगंगा नदी का पानी जाम स्थित जल शोधन संयंत्र केन्द्र में पहुंचता है। जहां फिल्टर होने के बाद पाइपलाईन के माध्यम से ग्राम पंचायतों में बनाये गये पानी टंकी भरने के बाद घर-घर किये गये नल कनेक्शन के माध्यम से ग्रामीणजनों को पानी प्रदाय किया जाता है। लेकिन कई बार इस नल-जल योजना में तकनीकी खराबी आने, पाइपलाईन क्षतिग्रस्त होने के कारण कुछ ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों को जब से नल-जल योजना प्रारंभ की गई है उसके बाद से इस योजना का लाभ नही मिल पाया है। वहीं पीएचई विभाग के द्वारा गत दिवस से छिंदलई वैनगंगा घाट स्थित इंटकवेल की सफाई करवाई जा रही है। जिसके कारण 6 दिनों से नल-जल योजना का पानी क्षेत्रीयजनों को नही मिल पा रहा है। जिससे क्षेत्र में पानी की समस्या बनी हुई है। वहीं इस वर्ष भीषण गर्मी के चलते क्षेत्र का जल स्तर भी नीचे चले गया है जिसके चलते नदी-तालाब व नालों में पानी नही होने के कारण कुएं भी सुख चुके है। वहीं जिस तरह से पांढरवानी पंचायत के द्वारा नल-जल योजना का पानी नही मिलने पर पंचायत की नल-जल योजना से पानी प्रदाय किया जा रहा है। इसी तरह से सभी पंचायतों के सरपंच-सचिवों को भी अपनी-अपनी पंचायतों में स्वयं की नल-जल योजना के तहत वैकल्पिक व्यवस्था के तहत पानी टंकी के माध्यम से पानी प्रदाय करने का प्रयास करना चाहिए ताकि पानी की समस्या से ग्रामीणजनों को परेशान न होना पड़े।

ग्रामीणों ने की शीघ्र बहाली की मांग

क्षेत्रीयजनों का आरोप है कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) को सफाई कार्य शुरू करने से पहले पानी की वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए थी। बिना किसी तैयारी के सप्लाई बंद कर देने से क्षेत्र की नल-जल योजना पूरी तरह प्रभावित हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग की इस अदूरदर्शिता का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। पानी की समस्या से परेशान ग्रामीणों ने पीएचई विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि छिंदलई इंटकवेल की सफाई और तकनीकी सुधार का कार्य युध्द स्तर पर पूरा किया जाये, जब तक कार्य पूर्ण नहीं होता, तब तक प्रभावित गांवों में टैंकरों के माध्यम से पानी पहुंचाये जाने, भविष्य में इस तरह के रखरखाव कार्य से पहले वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

इनका कहना है-

छिंदलई वैनगंगा नदी घाट पर बने इंटकवेल में मिट्टी जमा हो जाने के कारण पानी जमा नही हो पा रहा था। जिसके कारण क्षेत्रीयजनों को पानी सप्लाई करने में परेशानी हो रही थी। इंटकवेल की सफाई कार्य जारी है, जिसका कार्य सोमवार को दोपहर तक पूर्ण हो जायेगा, जिसके बाद क्षेत्रीयजनों को नियमित रूप से पानी प्रदाय किया जायेगा।

विजय तिवारी
प्रभारी एसडीओ
पीएचई विभाग लालबर्रा।

हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी की द्वितीय परीक्षा 7 मई से, आवेदन की अंतिम तारीख कल

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 की हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी की द्वितीय परीक्षा के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश और समय.सारणी जारी कर दी है। इस वर्ष से मण्डल ने परीक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए मुख्य परीक्षा के बाद पूरक (सप्लीमेंट्री) के स्थान पर द्वितीय

परीक्षा का आयोजन करने का निर्णय लिया है। वहीं जो विद्यार्थी कक्षा 10 वीं, 12 वीं में फेल हो चुके है एवं जिनके अंक कम आये है ऐसे विद्यार्थियों को सरकार द्वितीय अवसर प्रदान कर रही है ताकि विद्यार्थी अच्छे अंकों से बोर्ड कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण कर आगे की पढ़ाई कर बेहतर भविष्य बना सके। साथ ही 15 अप्रैल से द्वितीय परीक्षा के आवेदन ऑनलाईन के माध्यम से भरे जा रहे है। जिसकी अंतिम तारीख 22 अप्रैल है जिसे शेष 2 दिन बचे है। वहीं द्वितीय परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक छात्र 15 अप्रैल से 22 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेगें। साथ ही कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं की द्वितीय परीक्षा 7 मई से शुरू होगी और यह परीक्षा प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच निर्धारित केन्द्रों पर संपन्न होगी, जिसकी तैयारी शिक्षा विभाग के द्वारा कर ली गई है।

विशेष प्रावधान और अंकसूची

माध्यमिक शिक्षा मण्डल ने स्पष्ट किया है कि द्वितीय परीक्षा के बाद कोई प्रावीण्य सूची जारी नहीं की जायेगी। हालांकि द्वितीय परीक्षा की अंकसूची मुख्य परीक्षा की तरह ही होगी और इसमें किसी भी तरह का विशेष चिन्ह (- जैसे सप्लीमेंट्री का मार्क) अंकित नहीं होगा। बस परीक्षा के नाम में द्वितीय परीक्षा लिखा जायेगा। वहीं शासकीय/अशासकीय विद्यालय के संस्था प्रमुखों ने जो विद्यार्थी जितने विषय में अनुत्तीर्ण हो चुके है एवं जिनके कम नंबर आये है। जिन्हे द्वितीय परीक्षा में शामिल होना है ऐसे विद्यार्थियों से जल्द द्वितीय परीक्षा का आवेदन करने की अपील की है ताकि द्वितीय परीक्षा में शामिल होकर अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हो सके।

देवगांव में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी दूर ग्राम पंचायत रानीकुठार के अंतर्गत आने वाले ग्राम देवगांव में जय भीम बुध्द सेवा समिति के द्वारा शनिवार को भारतीय संविधान के निर्माता भारत रत्न, डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 135 वीं जन्म जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। यह जयंती कार्यक्रम मुख्य अतिथि खेमराज हरिनखेड़े (प्रभारी बसपा-विधानसभा जिला बालाघाट) विशिष्ट अतिथि रंजित सिंह जुग्नाके (जिला उपाध्यक्ष-बसपा जिला बालाघाट, कांशीराम नगपुरे (जिला सचिव-बसपा बालाघाट) विशेष आतिथ्य एवं पूनाराम हुमनेकर अध्यक्ष-बसपा विधानसभा बालाघाट की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया और उनके बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर संदेश साहेब (जिला वर्धा) से सुप्रसिध्द कव्वाली एक शाम भीम जी के नाम का अयोजन किया गया। जिसमें बाबा साहब अमर, जब तक सूरज चांद रहेगा, बाबा का नाम रहेगा नारे लगाते हुए कव्वाली की प्रस्तुतियां दी गई। जिससे समस्त बौध्द उपासक-उपासिकाओं के चेहरे में खुशी का माहौल देखा गया। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्हे सबसे अ' छे संविधान लिखा है, जिसका हम सभी को पालन करते हुए समाजोत्थान एवं देशहित में काम करने की बात कही। इस अवसर पर बसपा विधानसभा उपाध्यक्ष राजकुमार हनवत, महासचिव सुरेश पंचेश्वर, कोषाध्यक्ष विनोद मेश्राम, परमानंद भैया, दिलीप लिल्हारे, बसपा जिला उपाध्यक्ष संघर्ष मेश्राम, सेक्टर अध्यक्ष

सुरेन्द्र मेश्राम, सदस्य अशोक मेश्राम, भीम आर्मी भारत एकता मिशन तहसील उपाध्यक्ष, सदस्य संजय निकोसे, ओंकारदास हुमनेकर, निशु हुमनेकर, विवेकांद रंगारे, संघर्ष हुमनेकर, कलेश डोंगरे, संगीत हुमनेकर, इंकरदास हुमनेकर, योगेश डोंगरे, देवेन्द्र डोंगरे, दिलीप डोंगरे, कृष्ण कापसेकर, राजेश डोंगरे, अनिल खोब्रागढ़े, रामकिशोर भगत, साहेबलाल डोंगरे, सुखदेव डोंगरे, परदेशी गजभिये, मारोतिराव हुमनेकर सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आस्थापूर्वक मनाया गया अक्षय तृतीया पर्व

कलशों में जल भरकर की गई पूजा, शुभ कार्यों की हुई शुरूआत

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। हिन्दू धर्मावलंबियों के द्वारा वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाने वाला आखातीज पर्व 'अक्षय तृतीया 'इस वर्ष दो तिथियों में मनाया गया। जिसमें 19 अप्रैल को भगवान परशुराम की जयंती के साथ ही अक्षय तृतीया का भी पर्व मनाया गया। वहीं 20 अप्रैल को भी नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा श्रध्दा एवं भक्तिभाव के साथ अक्षय तृतीया का पर्व मनाया गया। अक्षय तृतीया के अवसर पर ग्रामीण क्षेत्र में लोगों के द्वारा प्रातः से ही अपने घरों में विधि-विधान से कलशों में जल भरकर स्थापित किया गया एवं पलास के दोने, पत्तल, पलास के पत्तों से निर्मित दुल्हा-दुल्हन व फरसा की आकृति बनाकर परशुराम की पूजा-अर्चना की गई एवं पकवानों से भोग लगाया गया एवं शाम के समय विसर्जित किया गया। इस दौरान कृषि कार्य, सामानों की खरीदारी सहित अन्य शुभ कार्यों की शुरूआत की गई। इस पर्व को लेकर पौराणिक मान्यता है कि इस तिथि में आरंभ किये गये कार्यों को कम से कम प्रयास में ज्यादा से ज्यादा सफलता मिलती है, अध्ययन आरंभ करने के लिए यह सर्वश्रेष्ठ दिन है। अक्षय तृतीया कुंभ स्नान व दान पुण्य के साथ पितरों की आत्मा की शांति के लिए आराधना का दिन भी माना गया है। शास्त्रों में अक्षय तृतीया को स्वयंसिध्द मुहूर्त माना गया है। अक्षय तृतीया के दिन मांगलिक कार्य जैसे-विवाह, गृहप्रवेश, व्यापार अथवा उद्योग का आरंभ करना अति शुभ फलदायक होता है। सही मायने में अक्षय तृतीया अपने नाम के अनुरूप शुभ फल प्रदान करती है।

सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार में 14 बालकों ने धारण किया जनेऊ, हुए विविध कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित लॉन में सर्व ब्राम्हण संत पुजारी संगठन लालबर्रा के तत्वाधान में भगवान परशुराम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर 20 अप्रैल को यज्ञोपवीत (जनेऊ) संस्कार कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मधु ऋषी शुक्ला के मुख्य आतिथ्य, सर्व ब्राम्हण संत पुजारी संगठन ब्लाक अध्यक्ष घनश्याम शुक्ला की अध्यक्षता एवं महंत इन्द्रपाल त्यागी जी, आचार्य जर्नादनभाई द्विवेदी सहित सर्व ब्राम्हण संत पुजारी संघ लालबर्रा के पदाधिकारियों के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने भगवान परशुराम के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर बालाघाट से पधारे आचार्य जनार्धन द्विवेदी के द्वारा 14 ब्राम्हण समाज के बालकों का यज्ञोपवीत संस्कार संपन्न करवाया गया। साथ ही दिनभर विविध धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए एवं शाम में शोभायात्रा निकाली गई। आपको बता दे कि ब्राम्हण समाज में यज्ञोपवीत (जनेऊ) संस्कार एक महत्वपूर्ण संस्कार है, यह संस्कार होने के बाद ही ब्राम्हण समाज के बालक गुरूकुल, विद्यापीठ के अंदर शिक्षा ग्रहण करने, कथा, हवन-पूजन, यज्ञ करने के योग्य हो जाते है और यज्ञोपवीत संस्कार करने के बाद ही विवाह कर सकते है इसलिए बालकों को शादी के पहले यह संस्कार करवाना पड़ता है। इस संस्कार में शादी के दौरान जो रीति-रिवाज संपन्न होता है उसका पूरा निर्वहन हुआ। वहीं मंचीय कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यज्ञोपवीत संस्कार के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए सभी को संगठित होकर समाजोत्थान के को द्विज कहा जाता है। जिस तरह से दांतों के जन्म दो बार होता है, इस तरह से ब्राम्हणों का जन्म भी दो बार होता है, एक बार माँ की कोख से और दूसरी बार यज्ञ से ब्राम्हण का जन्म होता है। साथ

किया जाता है सिर्फ बालक की बारात नही निकलती है। 20 अप्रैल को आयोजित कार्यक्रम में बालाघाट, लांजी एवं सिवनी, महाराष्ट्र जिले के 14 ब्राम्हण समाज के बालकों का यज्ञोपवीत संस्कार संपन्न क्षेत्र में काम करने की बात कही। वहीं आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि ब्राम्हणों के बालकों का यज्ञोपवीत संस्कार किया जाता है और हमारे समाज में ब्राम्हण, क्षत्रिय, वैश्य इन तीन वर्णों ही यह भी बताया कि हमारे शास्त्रों में उल्लेख है कि ब्राम्हणों के बालकों का जनेऊ संस्कार होना जरूरी है और हमारे सनातन धर्म के 16 संस्कारों में से यह एक संस्कार है। जिसे जन्म संस्कार भी कहा जाता है और ब्राम्हण समाज के बालक है, जिनका जब तक यज्ञोपवीत संस्कार न हो वह ब्राम्हण नही कहलाते है इसलिए उनका यज्ञोपवीत संस्कार विवाह के पूर्व करवाना जरूरी है। सर्व ब्राम्हण संत पुजारी संगठन लालबर्रा अध्यक्ष घनश्याम शुक्ला ने बताया कि परशुराम प्रकटोत्सव के उपलक्ष्य पर बटुक बालकों का यज्ञोपवीत संस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मंडप, तेल, हल्दी सहित विभिन्न रीति-रीवाज से जनेऊ संस्कार कार्यक्रम संपन्न करवाया गया है। श्री शुक्ला ने बताया कि धार्मिक मान्यता है कि जब तक ब्राम्हण बालकों का जनेऊ संस्कार नहीं होता, तब तक वह बालक यज्ञोपवीत ब्राम्हण नहीं कहलाता है। नियमानुसार 8 वर्ष आयु में यह संस्कार हो जाना चाहिए परंतु लोग अपनी स्थिति के अनुसार समय-समय पर यह संस्कार करवाते हैं। इस वर्ष 14 बालकों का यज्ञोपवीत (जनेऊ) संस्कार विधि विधान से संपन्न करवाया गया है। इस अवसर पर राजकुमार शर्मा, अजय तिवारी, योगेश सोनकावड़े, राजेन्द्र शर्मा, विजय शर्मा, प्रकाश पाठक, गणेशप्रसाद पांडे सहित सर्व ब्राम्हण संत पुजारी संगठनलालबर्रा के पदाधिकारी सहित बालाघाट, सिवनी, गोंदिया सहित अन्य जिलों व विकासखंड से पहुंचे स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

कक्षा 12 वीं में मोहित राहंगडाले का सुयश

पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत ग्राम पंचायत लेंडेझरी स्थित सांदीपनी स्कूल के छात्र मोहित राहंगडाले ने कक्षा 12 वीं की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन

कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। ग्राम बेहरई (धारसाईटोला) निवासी मोहित पिता धर्मेंद्र राहंगडाले ने कृषि संकाय से पढ़ाई करते हुए कक्षा 12 वीं में कुल 500 अंकों में से 438 अंक अर्जित किया है और 87 प्रतिशत अंकों के साथ मोहित ने सांदीपनी स्कूल लेंडेझरी में लड़कों के वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। मोहित की इस गौरवमयी उपलब्धि पर ग्राम बेहरई की सरपंच श्रीमती शारदा दिलीप टेंभरे, विद्यालय के शिक्षकों, परिजनों एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त किया है। साथ ही सभी ने शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

वारासिवनी में १६वीं जनगणना का शंखनाद

पहली बार पूरी तरह डिजिटल होगी प्रक्रिया स्व गणना अभियान शुरू-सरिता दांदरे

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। भारत की १६वीं जनगणना को लेकर वारासिवनी नगर पालिका परिषद ने कमर कस ली है। इस बार की जनगणना कई मायनों में ऐतिहासिक होने जा रही है। क्योंकि यह पूरी तरह डिजिटल और हाईटेक होगी। अभियान को गति देने के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके की उपस्थिति में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे के निवास से स्व गणना अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया गया। दुनिया की इस सबसे बड़ी प्रशासनिक कवायद के पहले चरण में ३३ सवाल पूछे जाऐंगे। खास बात यह है कि इस बार मकानों की गिनती में जियो रेफरेंसिंग तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे हर घर की लोकेशन डिजिटल मैप पर दर्ज होगी जिससे ना केवल डेटा सटीक रहेगा बल्कि किसी भी घर के छूटने या दोबारा गिनती होने की संभावना खत्म हो जाएगी। मध्य प्रदेश में इसकी शुरुआत १ मई से होगी जिसमें प्रगणक घर घर जाकर डेटा एकत्र करेंगे। १६ अप्रैल से पोर्टल नागरिकों के लिए खोल दिया गया है। जनसंख्या गणना की यह प्रक्रिया फरवरी २०२७ में संपन्न होगी। जनगणना के आधिकारिक आंकड़े १ मार्च २०२७ की मध्यरात्रि से तय माने जाऐंगे। आजादी के बाद पहली बार जनगणना में जाति का डेटा भी जुटाया जाएगा जो इससे पहले आखिरी बार १९३१ में किया गया था।सरकार ने इस डेटा की सुरक्षा के लिए इसे अति संवेदनशील सूचना बुनियादी ढांचा श्रेणी में रखा है। यह डेटा आरटीआई के दायरे से बाहर रहेगा और इसे किसी भी कोर्ट या सरकारी योजना में सबूत के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। अभियान के शुभारंभ के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने स्वयं ऑनलाइन माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर स्व गणना की। उन्होंने नागरिकों को संदेश देते हुए कहा कि सही जानकारी देना विकास योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए अनिवार्य है। वहीं वार्ड पार्षद एवं नगर मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा ने भी वार्डवासियों से अपील की कि वे अपने मोबाइल के माध्यम से स्वयं गणना करें और अपने वार्ड को शत प्रतिशत स्व जनगणना वार्ड बनाकर देश के विकास में योगदान दें। सीएमओ सूर्यप्रकाश उके ने बताया कि नगर के विभिन्न वार्डों में माइक के माध्यम से नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। मोबाइल से स्व गणना करने पर समय की बचत होगी और प्रगणकों को भी सटीक डेटा प्राप्त करने में आसानी होगी। इस दौरान नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी और गणना दल के सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

वारासिवनी ब्लॉक का शानदार परीक्षा परिणाम

कक्षा 10वीं में 90.78 प्रतिशत और 12 वीं में 89.9 प्रतिशत छात्र सफल

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। शिक्षा विभाग के द्वारा जारी हालिया आंकड़ों के अनुसार वारासिवनी विकासखंड के शासकीय स्कूलों ने शैक्षणिक सत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के द्वारा संकलित रिपोर्ट दर्शाती है कि क्षेत्र के विद्यार्थियों ने कक्षा १०वीं और १२ वीं की परीक्षाओं में सफलता के नए आयाम स्थापित किए हैं।

कक्षा १०वीं बोर्ड पांच स्कूलों ने हासिल किया १०० प्रतिशत परिणाम

कक्षा १०वीं में कुल १५३९ छात्र पंजीकृत थे जिनमें से १५२९ छात्र परीक्षा में सम्मिलित हुए। कुल १३८८ छात्र उत्तीर्ण हुए जिससे ब्लॉक का कुल सफलता प्रतिशत ९०.७८ प्रतिशत रहा। शासकीय हाईस्कूल मेहदीवाड़ा, झालीवाड़ा, बकेरा, कायदी, और झाडगांव जैसे स्कूलों ने १०० प्रतिशत सफलता प्राप्त की है। उत्तीर्ण १३८८ छात्रों में से १०९६ छात्रों ने प्रथम श्रेणी में स्थान बनाकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

कक्षा१२ वीं बोर्ड गर्रा, कायदी और झालीवाड़ा स्कूल अव्वल

कक्षा १२ वीं का प्रदर्शन भी सराहनीय रहा। कुल ११८१ पंजीकृत छात्रों में से ११७४ छात्र परीक्षा में बैठे और १०५५ छात्र उत्तीर्ण हुए। इस वर्ग का कुल पास प्रतिशत ८९.९ प्रतिशत दर्ज किया गया। शासकीय उ.मा.वि. गर्रा,झालीवाड़ा और कायदी ने १२ वीं में भी १०० प्रतिशत परिणाम देकर ब्लॉक में शीर्ष स्थान बनाए रखा। कुल उत्तीर्ण छात्रों में से ९१३ छात्र प्रथम श्रेणी से सफल हुए।

कक्षा १०वीं में १४१ और १२वीं में ११९ असफल रहे विद्यार्थी-वीरेंद्र बनोटे

ब्लॉक शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र बनोटे ने बताया की इस सफलता का श्रेय शिक्षकों की कड़ी मेहनत और विद्यार्थियों के अनुशासन को जाता है। आंकड़ों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों ने भी शहरी क्षेत्रों के समकक्ष प्रदर्शन किया है। जो क्षेत्र में शिक्षा के स्तर में सुधार का स्पष्ट संकेत है। असफल रहे छात्रों कक्षा १० वीं में १४१ और १२ वीं में ११९ के लिए विभाग के द्वारा आगामी योजनाओं और पूरक परीक्षाओं के माध्यम से सहयोग प्रदान करने की बात कही गई है ताकि वे भी मुख्यधारा में लौट सकें।

उपनिरीक्षक धर्मराज बघेल ने संभाली रामपायली थाने की कमान

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। जिले की कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के द्वारा किए गए हालिया प्रशासनिक फेरबदल के तहत उपनिरीक्षक धर्मराज बघेल को रामपायली थाने का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने निवर्तमान थाना प्रभारी दिलीप मौर्य का स्थान लिया ह जिन्हें यहाँ से स्थानांतरित कर दिया गया है। वर्ष २०१५ बैच के उपनिरीक्षक धर्मराज बघेल एक अनुभवी पुलिस अधिकारी माने जाते हैं। बालाघाट जिले में अपनी सेवा अवधि के दौरान उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। उनकी पहली पोस्टिंग वारासिवनी थाने में रही जहाँ उन्होंने अपनी बेहतर कार्यप्रणाली की छाप छोड़ी। इसके पश्चात वे मलाजखंड थाने के अंतर्गत पाथरी चौकी प्रभारी के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। जहाँ से अब उन्हें रामपायली थाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। अब तक के कार्यकाल में श्री बघेल ने मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों में पदस्थ रहकर अपनी सेवाएं दी हैं। उनके पास अलग अलग क्षेत्रों की भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियों में पुलिसिंग का व्यापक अनुभव है जिसका लाभ अब रामपायली क्षेत्र की जनता को मिलेगा। पदभार ग्रहण करने के साथ ही नवागत थाना प्रभारी धर्मराज बघेल ने अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कर दी हैं। उन्होंने बताया की क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना और कानून का शासन स्थापित करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। आमजन को सुरक्षा का अहसास कराना और अपराधियों में कानून का खौफपैदा करना ही उनकी कार्यशैली का मुख्य हिस्सा रहेगा। रामपायली क्षेत्र के नागरिकों ने नए थाना प्रभारी से बेहतर जन संवाद और अपराध नियंत्रण की उम्मीद जताई है।

विधायक गौरव पारधी ने ली कटंगी अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा बैठक

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कटंगी स्थित संत शिरोमणि महाराणा प्रताप अस्पताल में क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी के द्वारा स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में ब्लॉक अंतर्गत संचालित सभी उप स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा की गई। इस दौरान मरीजों को समय पर और बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हेतु आवश्यक सुझावों पर भी विचार विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सकों की उपस्थिति तथा साफ सफाई जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी ना रहे। उन्होंने यह भी कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना ना करना पड़े। बैठक में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ.विनोद भलावी, रोगी कल्याण समिति सदस्य डॉ.गिरेन्द्र पंवार, प्रियांश राऊत,श्रीमती प्रमिला बाई परिहार ,गोपीचंद राणा, ज्योति शैलेंद्र सूर्यवंशी, सुरेंद्र कुर्वे, श्रीमती भीमलता सुखदेव हाड़गे, कपूर चंद पटले सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आग लगने से पैरा और भुसा जलकर खाक

फायर ब्रिगेड ने आग पर पाया काबु

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी/खैरलांजी। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कुम्हली में एक किसान के यहां आग लगने से जानवरों के लिए रखी पैरा और भुसा जलकर खाक हो गया। मौके पर पहुंची ११२ और वारासिवनी से पहुंची फायर ब्रिगेड के द्वारा आग पर काबु पाया गया। इसके पूर्व ग्रामीणों के द्वारा भी आग को बुझाने के प्रयास किए गए लेकिन काबु नही पाया जा सका। घटना सोमवार की दोपहर लगभग १.३० बजे की है। ग्रामीण बाबुजी भूरले के यहां अज्ञात कारणो से लगी आग से जहाँ उनके यहां रखी पैरा पूर्ण रूप से जल गई है वहीं मकान और जानवरों के भी झुलसने की बात ग्रामीणों द्वारा बताई जा रही है। घटना स्थल पर पुलिस और राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने पहुंचकर घटना का जायजा लिया और संबंधित उच्चाधिकारियों को अवगत कराया। ग्रामीण अभिषेक सेलोंकर के अनुसार लगभग २०० बोरा भुसा जलकर खाक हो गया है।

डोंगरमाली में आम के पेड़ से गिरी लकड़ी,बाइक सवार दो व्यक्ति घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत डोंगरमाली में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। बीती रात सड़क किनारे स्थित एक आम के पेड़ से अचानक लकड़ी गिरने और चलती मोटरसाइकिल के टायर में फसने के कारण दो व्यक्ति घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर २० नदीटोला सिकंद्रा निवासी राजकमल मरठे पिता गोबरेया मरठे अपने साथी जगदीश पंचेश्वर के साथ ग्राम बिरसोला में एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे।रात करीब १०.३० बजे जब दोनों अपनी मोटरसाइकिल से वापस वारासिवनी लौट रहे थे। तभी डोंगरमाली पेट्रोल पंप के पास स्थित एक ढाबे के सामने यह हादसा हुआ।सड़क किनारे लगे आम के पेड़ पर फंसी एक सूखी लकड़ी अचानक चलते वाहन पर गिर गई और सीधे मोटरसाइकिल के अगले चक्के में जा फंसी। लकड़ी फंसते ही तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे की आवाज सुनकर पास ही स्थित ढाबा संचालक तुरंत मौके पर पहुंचे और घायल व्यक्तियों को सहारा देकर पानी पिलाया। घटना की सूचना तत्काल ग्राम सरपंच मनोज लिल्हारे को दी गई। सरपंच ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और बिना समय गंवाए संजीवनी १०८ एम्बुलेंस को कॉल किया। एम्बुलेंस की मदद से दोनों घायलों को तत्काल वारासिवनी के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार राजकमल मरठे को सिर हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं और उनका उपचार जारी है। वहीं उनके साथी जगदीश पंचेश्वर को मामूली चोटें आई हैं। दोनों व्यक्ति के शरीर के विभिन्न हिस्सों में अंदरूनी चोटें भी लगी हैं।इस घटना में बताया जा रहा है कि वर्तमान में आम का मौसम चल रहा है लोगों के द्वारा आम के पेड़ पर लकड़ी और पत्थर मारकर फल तोड़ने का प्रयास किया जाता है।

कलयुगी बेटे का खौफनाक कदम, मामूली विवाद पर पिता के सिर पर ईंट से किया हमला, बुजुर्ग व्यक्ति अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम मंगेझरी के मलहमटोला से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला एक मामला सामने आया है। यहाँ एक बेटे ने अपने ही ६० वर्षीय बुजुर्ग पिता पर ईंट से जानलेवा हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल बुजुर्ग का उपचार वर्तमान में वारासिवनी के सिविल अस्पताल में चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मंगेझरी के मलहमटोला निवासी बिरनसिंह मर्सकोले पिता दीनाजी मर्सकोले उम्र ६० वर्ष अपने परिवार के साथ रहते हैं। बीती रात करीब २ बजे घर में पारिवारिक कलह की स्थिति बनी। बताया जा रहा है कि बिरनसिंह ने अपने बेटे प्रमोद मर्सकोले को परिवार में विवाद ना करने की सलाह दी और उसे डांट दिया। पिता की डांट प्रमोद को इतनी नागवार गुजरी कि वह बुरी तरह आक्रोशित हो गया। गुस्से में आपा खोकर प्रमोद ने पास ही पड़ी एक ईंट उठाकर अपने पिता के सिर पर दे मारी। इस हमले में बुजुर्ग बिरनसिंह के सिर पर गंभीर चोट आई और वे लहूलुहान होकर गिर पड़े। घटना के तुरंत बाद परिजनों ने तत्परता दिखाते हुए घायल बुजुर्ग को रात्रि में ही वारासिवनी सिविल अस्पताल पहुँचाया। डॉक्टरों के द्वारा उनका प्राथमिक उपचार कर उन्हें भर्ती कर लिया गया है। फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है लेकिन सिर में गहरी चोट होने के कारण वे अभी चिकित्सकों की निगरानी में हैं।

भारतीय शिप ईरान की आई आर जी सी सेना की गोलिबारी निंदनीय

शनिवार 18 अप्रैल 26 को भारत सरकार के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, ईरानी आईआरजीसी ने नौसेना की गनबोटों ने भारतीय ध्वज वाले टैंकरों के पास चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं भारतिय दो टैंकर पर आई आर जी सी ने गोली चला दी भारत ने होर्मुज़ स्ट्रेट पर दो भारतीय जहाज़ों पर हुई गोलीबारी की घटना पर गंभीर चिंता जताते हुए देश में ईरान के राजदूत को तलब किया। हालांकि, विदेश मंत्रालय के बयान में समन शब्द का प्रयोग नहीं किया गया, लेकिन यह संकेत दिया गया कि ईरानी राजदूत फथली को शनिवार शाम जवाहरलाल नेहरू भवन में विदेश सचिव से मिलने के लिए कहा गया था।भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने शनिवार (18 अप्रैल) शाम को भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथली को तलब किया और होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी युद्धपोतों द्वारा दो भारतीय जहाजों पर की गई गोलीबारी पर 'गंभीर चिंता' जताई है। ये घटनाएं ऐसे समय हुईं, जब ईरान ने जवाबी कार्रवाई के तौर पर इस महत्वपूर्ण जलडमरूमध्य को फिर से बंद कर दिया है। यह बंदी अमेरिका द्वारा ईरानी बंदरगाहों पर यातायात की निरंतर नाकाबंदी के जवाब में की गई है, जबकि तेहरान ने इस सप्ताह की शुरुआत में वाणिज्यिक यातायात के लिए इस मार्ग को खोलने का निर्णय लिया था, वो जो टैंकर था वो तो आप सभी धर्मों के लोगों के लिए था ऐ बहुत ही शर्मनाक घटना है फिर भी यहाँ के लोग उसको सपोर्ट करते हैं गलत है राष्ट्र सर्वोपरि है भारत माता के लिए हमेशा हमें शनिवार 18 अप्रैल 26 को होरमुज़ जलडमरूमध्य में भारत के झंडे वाले दो जहाजों पर हुई फायरिंग ने ईरान की सत्ता संरचना में बढ़ती दरार को उजागर कर दिया है। यह फायरिंग इस बात को लेकर हुई भ्रम के कारण हुई कि शनिवार को होरमुज़ जलडमरूमध्य खुला था या नहीं। जहाँ एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने कहा कि सभी जहाज होरमुज़ जलडमरूमध्य से गुज़र सकते हैं, लेकिन केवल तभी जब वे ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के साथ समन्वय करें, वहीं इसके विदेश मंत्री, अब्बास अराघची ने कहा कि फ़ारस की खाड़ी में यह संकरा रास्ता खुला है, क्योंकि लेबनान में इज़राइल-हिज़्बुल्ला युद्ध के लिए संघर्ष-विराम समझौते पर सहमति बन गई थी। भारत को नेवी शिप भेज कर इसका करारा जवाब देना चाहिए भारत 140 करोड़ लोगों का एक लोकतान्त्रिक देश है और भारत ऐसा देश है जो गोली का जवाब गोली से देना जानता है भारत के लोग कहीं भी हो अगर हमला हुआ है तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए ईरान में सत्ता संघर्ष हो या कुछ भी ऐ एक आतंकवादी घटना है शिप पर भारत का तिरंगा होगा यदि इसे शक्ति से नहीं लिया गया तो आतंकी का हौसला बढ़ेगा और दुनिया में इसे मजाक बनाया जाएगा जिससे भारत की छवि धूमिल होगी जब ईरान की नेवी को अमेरिका के हमले से बचाने के लिए कोच्ची में अपना नेवी शिप भेज कर अमेरिका को अपनी ताकत का अहसास करा सकता है तो ऐसा हमला बर्दास्त नहीं है चाहे कोई भी हो भारत को इसका करारा जवाब देना चाहिए हम भगवान राम के मार्गदर्शन पर चलने वाले मान और मर्यादा से रहने वाला शांति प्रिय देश है तो हमें अपने लोगों की रक्षा का पूर्ण अधिकार है भारत को इसे गंभीरता से लेकर जवाबी कार्यवाही करना चाहिए अमेरिका क्या कर रहा है नहीं कर रहा है ऐ दो देशों का अंदरूनी मामला है इसमें भारत का ककोई रोल नहीं है भारत एक शान्तिप्रिय देश है और भारत माँ की रक्षा के लिए मर मिटने वाला देश है ऐ हमला बिल्कुल जायज नहीं है इसपर भारत को कड़ा रुख अपनाना चाहिए ईरान की आबादी 9 करोड़ है और भारत की आबादी 140 करोड़ है इसे यदि हल्के में लिया गया तो परोसी दुश्मन मुल्क मजाक उड़ा सकता है क्योंकि उसके जहाज आ रहे हैं हम अपनी रक्षा के लिए आत्मनिर्भर है।

राजनीति और शेयर बाजार-एक अदृश्य लेकिन गहरा संबंध

विदेशी निवेशकों की मानसिकता- स्थिरता ही सर्वोच्च प्राथमिकता

वैश्विक स्तरपर शेयर बाजार को अक्सर केवल आर्थिक आंकड़ों, कॉर्पोरेट प्रदर्शन और वैश्विक संकेतकों से जोड़कर देखा जाता है,लेकिन वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है। बाजार का एक महत्वपूर्ण आधार विश्वास (कॉन्फिडेंस) होता है,और यह विश्वास सीधे तौर पर राजनीतिक स्थिरता, नीतिगत स्पष्टता औरशासन की विश्वसनीयता से जुड़ा होता है।16-17 अप्रैल 2026 के संसदीय घटनाक्रम ने इसी विश्वास को झकझोरने का काम किया। एक तरफ नारी शक्ति वंदन अधिनियम को आधी रात में लागू किया गया, वहीं दूसरी ओर संवैधानिक संशोधन विधेयक का गिर जाना बाजार के लिए एक जटिल संकेत बनकर उभरा। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह घटनाक्रम केवल राजनीतिक नहीं था इसने निवेशकों के मनोविज्ञान, विदेशी पूंजी प्रवाह, और भारतीय शेयर बाजार की दिशा को प्रभावित करने की क्षमता दिखाई।लोकसभा में 528 सांसदों द्वारा मतदान, जिसमें 298 समर्थन और 230 विरोध में वोट पड़े,लेकिन दो-तिहाई बहुमत की कमी के कारण विधेयक का गिर जाना यह एक सामान्य संसदीय घटना नहीं थी।शेयर बाजार के दृष्टिकोण से यह पॉलिसी फेलियर सिग्नल (नीतिगत विफलता का संकेत) है। जब कोई सरकार बड़ा संवैधानिक संशोधन पास नहीं कर पाती, तो निवेशकों को यह संकेत मिलता है कि भविष्य में भी बड़े आर्थिक सुधारों को लागू करना कठिन हो सकता है।यहीं से बाजार में अनिश्चितता का प्रवेश होता है और अनिश्चितता ही शेयर बाजार की सबसे बड़ी और सटीक दुश्मन होती है।

साथियों बात अगर हम इस पूरे प्रकरण को भारत की आर्थिक प्रतिष्ठा और दृष्टिकोण से वैश्विक निवेशकों की दृष्टि नीतिगत निरंतरता का संकट के रूप में समझने की करें तो अंतरराष्ट्रीय निवेशक और संस्थागत निवेशक किसी भी देश में निवेश करते समय केवल आर्थिक आंकड़ों को नहीं देखते, बल्कि वे राजनीतिक स्थिरता और नीतिगत निरंतरता को भी समान महत्व देते हैं। जब संसद में कोई प्रमुख संवैधानिक संशोधन विधेयक विफल होता है, तो यह संकेत देता है कि सरकार के पास पर्याप्त संख्या बल या राजनीतिक सहमति नहीं है।इस संदर्भ में इंटरनेशनल मोनेटारी फंड और वर्ल्ड बैंक जैसे संस्थान भी ऐसे घटनाक्रमों को गंभीरता से देखते हैं। इससे देश की जोखिम प्रोफ़ाइल (रिस्क परसेप्शन) प्रभावित होती है, जो विदेशी पूंजी प्रवाह (कैपिटल इन्फ्लोज)पर तत्काल प्रभाव डाल सकती है।शेयर बाजार की मनोविज्ञान- अनिश्चितता का तात्कालिक प्रभाव पर आधारित होता है,शेयर बाजार मूलत: अपेक्षाओं और विश्वास पर आधारित होता है। जब सरकार के बड़े विधेयक विफल होते हैं,तो निवेशकों में अनिश्चितता बढ़ जाती है। इसका परिणाम अल्पकालिक गिरावट या अस्थिरता के रूप में सामने आ सकता है।विशेष रूप से जब बाजार पहले से गिरावट के दौर में हो, तब इस प्रकार की राजनीतिक घटनाएँ निवेशकों की चिंता को और बढ़ा देती हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक अक्सर ऐसी स्थितियों में अपने निवेश को अस्थायी रूप से कम कर देते हैं, जिससे बाजार में गिरावट बहुत ही तेज हो सकती है।

साथियों बात अगर हम रूल 66 और बाजार की प्रतिक्रिया- प्रक्रिया बनाम परिणाम को समझने की करें तो, संसद में रूल 66 को निलंबित करना और तीन विधेयकों को एक साथ जोड़ना केवल राजनीतिक रणनीति नहीं थी, बल्कि यह बाजार के लिए एक प्रोसीजरल रिस्क (प्रक्रियागत जोखिम) का संकेत था।निवेशक केवल यह नहीं देखते कि क्या पास हुआ या नहीं,बल्कि यह भी देखते हैं कि निर्णय कैसे लिए गए। जब प्रक्रिया में पारदर्शिता कम होती है, तो बाजार में गवर्नेंस रिस्क प्रीमियम बढ़ जाता है अर्थात निवेशक अधिक जोखिम मानकर निवेश कम करने लगते हैं।शेयर बाजार की तत्काल प्रतिक्रिया- गिरावट, अस्थिरता और एफआईआई की रणनीतिऐसे घटनाक्रमों के बाद आमतौर पर तीन प्रकार की प्रतिक्रियाएँ देखने को मिलती हैं- शॉर्ट-टर्म गिरावट (शार्ट - टर्म-करेक्शन)-निवेशक घबराहट में बिकवाली शुरू करते हैं,जिससे बाजार में गिरावट आती है।वोलैटिलिटी (वोलाटिलिटी) में वृद्धि- बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ जाता है, क्योंकि निवेशक स्पष्ट दिशा नहीं समझ पाते।

साथियों बात अगर हम फॉरेन इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स)का सतर्क रवैया- इसको समझने की करें तो विदेशी निवेशक अस्थायी रूप से निवेश घटा सकते हैं या वेट एंड वाच रणनीति अपनाते हैं।यह वही स्थिति है जो 16-17 अप्रैल के बाद देखने को मिल सकती है विशेषकर तब, जब बाजार पहले से गिरावट के दबाव में हो।वैश्विक निवेशक जैसे इंटरनेशनल मोनेटारी फंड और वर्ल्ड बैंक से जुड़े विश्लेषक किसी भी देश की निवेश क्षमता को तीन प्रमुख आधारों पर आंकते हैं-(1) राजनीतिक स्थिरता (2) नीतिगत निरंतरता (3)सं स्थागत पारदर्शिता कब संसद में बड़ा विधेयक गिरता है, तो यह संकेत जाता है कि सरकार को व्यापक समर्थन प्राप्त नहीं है।इससे पोलिटिकल रिस्क इंडेक्स बढ़ता है, जो सीधे तौर पर निवेश निर्णयों को प्रभावित करता है।

साथियों बात अगर हम रुपया, बॉन्ड मार्केट और इक्विटी मार्केट पर संयुक्त प्रभाव इसको समझने की करें तो इस प्रकार की राजनीतिक अनिश्चितता का असर केवल शेयर बाजार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह तीन स्तरों पर प्रभाव डालता है-(1) रुपया (करेंसी)-विदेशी निवेशक यदि पैसा निकालते हैं, तो रुपये पर दबाव बढ़ता है और वह डॉलर के मुकाबले कमजोर हो सकता है।(2)बॉन्ड मार्केट- सरकारी नीतियों पर भरोसा कम होने से बॉन्ड यील्ड बढ़ सकती है, जिससे उधारी महंगी हो जाती है। (3) इक्विटी मार्केट- कंपनियों के भविष्य के मुनाफे पर अनिश्चितता बढ़ने से शेयरों की कीमतों में गिरावट आ सकती है।महिला सशक्तिकरण और बाजार का दीर्घकालिक दृष्टिकोणहालांकि अल्पकालिक प्रभाव नकारात्मक हो सकता है,लेकिन महिला सशक्तिकरण जैसे सुधार दीर्घकाल में बाजार के लिए अत्यंत सकारात्मक होते हैं।वर्ल्ड बैंक के अनुसार यदि महिला श्रम भागीदारी में वृद्धि होती है,तो जीडीपी में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है।इसका सीधा प्रभाव शेयर बाजार पर पड़ता है, क्योंकि-(1) उपभोक्ता मांग बढ़ती है(2) कंपनियों की बिक्री और मुनाफा बढ़ता है (3) आर्थिक गतिविधि तेज होती हैअर्थात, महिला आरक्षण जैसे कदम बाजार के लिए लॉन्ग - टर्म बुलिश ट्रिगर बन सकते हैं भले ही अल्पकाल में अनिश्चितता हो।

साथियों बात अगर हमस्टार्टअप इकोसिस्टम और क्विक-कॉमर्स विवाद को समझने की करें तो- बाजार के लिए नया जोखिम- भारत का शेयर बाजार इस समय एक और चुनौती का सामना कर रहा है स्टार्टअप बनाम पारंपरिक अर्थव्यवस्था का संघर्ष।जीप्टो , ब्लाइंकिट और स्विग्गी इंस्टामार्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स ने तेजी से विस्तार किया है।वहीं आल इंडिया कंस्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन ने इनके खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं जैसे प्रेडेटरी प्राइसिंग और पारंपरिक रिटेल को नुकसान।आईपीओ बाजार पर संभावित असर- वैल्यूएशन बनाम वास्तविकता, यदि घाटे में चल रही कंपनियाँ उच्च वैल्यूएशन पर आईपीओ लाती हैं, तो यह बाजार में बबल फार्मेशन का संकेत हो सकता है।(1) निवेशकों के लिए जोखिम - (2)ओवरवैल्यूएशन पर निवेश (3) लिस्टिंग के बाद गिरावट (4) बाजार में भरोसे की कमी,यदि ऐसे आईपीओ असफल होते हैं, तो यह पूरे टेक सेक्टर और स्टार्टअप इकोसिस्टम को प्रभावित कर सकता है।

साथियों बात अगर हम नियामक साख और बाजार की विश्वसनीयता इसको समझने की करें तो, नियामक संस्थाओं की भूमिका इस समय अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि वे निवेशकों के हितों की रक्षा नहीं कर पाते, तो बाजार की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठ सकते हैं।यह स्थिति विदेशी निवेशकों के लिए एक रेड फ्लैग बन सकती है, जिससे वे अन्य देशों की ओर रुख कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम राजनीतिक घटनाक्रम और बाजार के बीच संबंध का सार इसको समझने की करें तो 16- 17 अप्रैल 2026 की घटनाएँ यह स्पष्ट करती हैं कि-राजनीति और बाजार अलग-अलग नहीं हैं,नीतिगत अनिश्चितता बाजार को तुरंत प्रभावित करती है,निवेशकों का विश्वास सबसे महत्वपूर्ण कारक है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि क्या यह गिरावट अवसर है या चेतावनी शेयर बाजार में हर गिरावट केवल जोखिम नहीं होती कई बार यह अवसर भी होती है। यदि सरकार आने वाले समय मेंनीतिगत स्पष्टता बढ़ाती है,आर्थिक सुधारों को जारी रखती है,निवेशकों का विश्वास बहाल करती है,तो यह गिरावट एक बाइंग अपोर्चुनिटी बन सकती है।लेकिन यदि अनिश्चितता बनी रहती है, तो यह बाजार के लिए एक दीर्घकालिक चुनौती बन सकती है।इसलिए ,भारतीय शेयर बाजार का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि देशराजनीतिक स्थिरता और आर्थिक सुधारों के बीच संतुलन कैसे स्थापित करता है क्योंकि आज का निवेशक केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि विश्वास से निवेश करता है।

- किशन सनमुखदास भावनानी

महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व में समान भागीदारी कब?

- सौरभ वार्ष्णेय

महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व में समान भागीदारी देने के उद्देश्य से पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण कानून) भारतीय लोकतंत्र में एक ऐतिहासिक कदम माना गया। लेकिन यह सवाल स्वाभाविक है कि जब यह कानून संसद से पारित हो चुका है, तो इसका असर अभी तक ज़मीनी स्तर पर क्यों नहीं दिख रहा। दरअसल, इस अधिनियम के लागू होने में देरी का कारण इसकी संरचना और उससे जुड़ी शर्तें हैं। देश की संसद में 31वां संशोधन बिल लोकसभा में गिर गया जो कि बहुत ही निराशाजनक है। संसद के विशेष सत्र में लंबी चली बहस में मतभेदों के सुर के आलावा आपसी

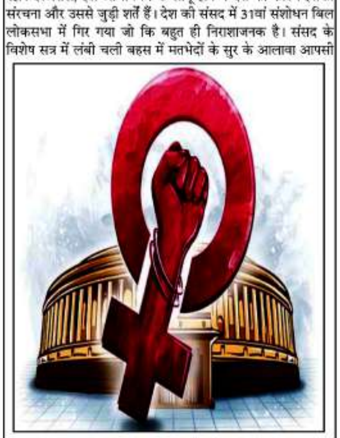

राजनीति के आलावा कुछ समझ नहीं आया। ज्ञात रहे कि सरकार को इस संशोधन बिल को पास करवाने के लिए दो-तिहाई वोटों की जरूरत थी। लेकिन पक्ष में सिर्फ 298 वोट पड़े। विरोध में 230 वोट पड़े, जो दो तिहाई से बहुत कम हैं। इस बिल को पास करवाने की नरेंद्र मोदी सरकार की हर कोशिश नाकाम साबित हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अंतरआत्मा की आवाज सुनने वाली अपील भी कुछ खास असर नहीं दिखा पाई। अब सवाल यह है कि अब नहीं तो महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण कब मिलेगा ? जब सितंबर 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद से पास होकर उसका नोटिफिकेशन हो चुका है तो पहले आगामी चुनाव में इसे लागू कर देते और संशोधन बिल लाते रहते ? जब इसे अभी लागू ही नहीं किया तो संशोधन बिल लाने की क्या जरूरत पड़ी। महिलाओं के लिए कोटा 2034 से पहले संभव हो पाएगा या फिर बीच की कोई और राह अभी भी निकल सकती है? महिला आरक्षण बिल फिलहाल तो ठंडे बस्ते में चला गया है। ये कह पाना मुश्किल है कि बिल अब कब लागू हो पाएगा? जबकि यह अब कानून बन चुका है। इसे लागू करना हम सब सांसदों की जिम्मेदारी है।

विपक्ष लगातार ओबीसी महिलाओं के अलग कोटे की मांग कर रहा है। वह आरोप लगा रहा है कि बीजेपी महिला आरक्षण का क्रेडिट तो लेना चाहती है लेकिन ओबीसी महिलाओं को वास्तविक राजनीतिक हिस्सेदारी देने से बच रही है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने स्थानीय निकायों में ओबीसी आरक्षण पर फैसलों में कहा है कि कुल आरक्षण 50 प्रतिशत से ज्यादा नहीं दिया जा सकता और ओबीसी कोटा के लिए समकालीन, भरोसेमंद तथ्यात्मक डेटा ज़रूरी है। यही तर्क राष्ट्रीय स्तर पर भी उठेगा। संसद चाहे तो संविधान में संशोधन कर लोकसभा-विधानसभाओं में ओबीसी वर्ग के लिए राजनीतिक आरक्षण और उसमें से ओबीसी महिलाओं का उप-कोटा तय कर सकती है। भले ही नई जातिगत जनगणना पूरी नहीं हुई हो। संविधान किसी विशेष डेटा स्रोत को अनिवार्य नहीं ठहराता। लेकिन किस जाति समूह को कितना हिस्सा मिलेगा, इसका आधार तय करने के लिए ठोस, नए और राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य जातिगत आंकड़े जरूरी होंगे। वरना अदालतों में इसे मनमाना मानकर चुनौती दी जा सकती है। अब आगे महिलाओं को ही मुखर होकर आगे आना होगा । इन पार्टियों को समझाना पड़ेगा कि आधी आबादी को संसद से क्यों वंचित रखना चाहते हैं।

अब बात करते हैं इसके बीच के रोडे कि जिसमें परिसीमन की शर्त यानी कानून के अनुसार, संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण तभी लागू होगा जब अगली जनगणना के बाद परिसीमन की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। यानी, सीटों की नई सीमाएं तय होने के बाद ही यह आरक्षण लागू होगा। चूंकि अगली जनगणना अभी बाकी है और उसके बाद परिसीमन होना है, इसलिए कानून तुरंत प्रभाव से लागू नहीं हो सकता।

दूसरा कारण जनगणना में देरी। 2021 की जनगणना विभिन्न कारणों से टल गई थी। जब तक नई जनगणना नहीं होती, तब तक परिसीमन की प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकती। यह देरी सीधे तौर पर महिला आरक्षण के लागू होने को भी टाल रही है। तीसरा कारण- राजनीतिक संतुलन और आशंकाएं यानी परिसीमन के साथ ही राज्यों के बीच सीटों का संतुलन भी बदल सकता है, जिससे खासकर दक्षिण भारत के राज्यों में प्रतिनिधित्व घटने की आशंका जताई जा रही है। इस कारण यह मुद्दा केवल महिला आरक्षण तक सीमित नहीं रह जाता, बल्कि संघीय ढांचे और राजनीतिक संतुलन से भी जुड़ जाता है।चौथा कारण- चरणबद्ध क्रियान्वयन की नीति। सरकार का तर्क है कि इतने बड़े संवैधानिक बदलाव को एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया के तहत लागू करना जरूरी है, ताकि किसी भी प्रकार का प्रशासनिक या राजनीतिक असंतुलन न पैदा हो।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम का पारित होना निस्संदेह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, लेकिन इसका वास्तविक लाभ तब मिलेगा जब इसे समयबद्ध तरीके से लागू किया जाए। वर्तमान स्थिति यह दर्शाती है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ-साथ प्रशासनिक प्रक्रियाओं को भी तेज करना आवश्यक है, अन्यथा यह कानून केवल कागज़ों तक सीमित रह जाएगा। महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह पहल तभी सार्थक होगी जब वंदन' के साथ प्रतिनिधित्व भी वास्तविकता बने।

युद्ध नहीं, संवाद ही समाधान- अमेरिका-ईरान तनाव, परमाणु विवाद और दुनिया के सामने खड़ी चुनौती

मिडिल ईस्ट एक बार फिर उस मोड़ पर खड़ा है, जहां से आगे का रास्ता या तो स्थिरता और कूटनीति की ओर जाता है या फिर टकराव, अस्थिरता और वैश्विक संकट की तरफ। संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से चला आ रहा तनाव अब एक बार फिर निर्णायक चरण में प्रवेश करता दिखाई दे रहा है। खबरें हैं कि दोनों देशों के बीच परमाणु मुद्दे को लेकर नई वार्ता का दौर इस्लामाबाद में शुरू हो सकता है। हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन जिस तरह से कूटनीतिक हलचल तेज हुई है और दोनों पक्षों के बयान सामने आ रहे हैं, उससे स्पष्ट है कि पर्दे के पीछे गंभीर प्रयास जारी हैं।

यह पूरा विवाद केवल दो देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके प्रभाव वैश्विक स्तर पर महसूस किए जाते हैं। ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, क्षेत्रीय स्थिरता और यहां तक कि आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी तक, इस तनाव का असर गहराई से जुड़ा हुआ है। खासकर जब बात परमाणु कार्यक्रम और एनरिच्ड यूरेनियम की आती है, तो यह केवल रणनीतिक ताकत का सवाल नहीं रह जाता, बल्कि वैश्विक सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती बन जाता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयान ने स्थिति को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि अमेरिका किसी भी हालत में ईरान के पास मौजूद ज्यादा एनरिच्ड यूरेनियम को हासिल करेगा। यह बयान केवल एक कूटनीतिक चेतावनी नहीं, बल्कि संभावित सैन्य कार्रवाई का संकेत भी माना जा रहा है। उन्होंने यह भी इशारा किया कि यदि तय समय सीमा तक कोई समझौता नहीं हुआ, तो मौजूदा संघर्ष विराम समाप्त हो सकता है और हालात फिर से बिगड़ सकते हैं।

दूसरी ओर, ईरान का रुख भी कम सख्त नहीं है। वह अपने परमाणु कार्यक्रम को अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा मानता है। ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है, लेकिन अमेरिका और उसके सहयोगी इसे शक की नजर से देखते हैं। यही अविश्वास इस पूरे विवाद की जड़ है, जिसने वर्षों से समाधान को मुश्किल बना रखा है।

इस तनाव का एक महत्वपूर्ण पहलू होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़ा हुआ है। यह जलमार्ग दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में से एक है। यहां से गुजरने वाले जहाजों पर किसी भी तरह का खतरा सीधे तौर पर वैश्विक तेल आपूर्ति और कीमतों को प्रभावित करता है। हाल ही में इस क्षेत्र में अस्थिरता के कारण कई जहाजों ने अपने रास्ते बदल दिए या यात्रा टाल दी, जिससे बाजारों में अनिश्चितता बढ़ गई। यदि स्थिति और बिगड़ती है, तो इसका असर केवल मिडिल ईस्ट तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

पाकिस्तान की भूमिका इस पूरे घटनाक्रम में दिलचस्प और महत्वपूर्ण दोनों है। पाकिस्तान ने एक मध्यस्थ के रूप में दोनों पक्षों को बातचीत के लिए एक मंच देने की कोशिश की है। इस्लामाबाद में संभावित वार्ता इसी प्रयास का हिस्सा है। हालांकि, मध्यस्थता आसान नहीं होती, खासकर तब जब दोनों पक्षों के बीच गहरा अविश्वास हो और उनके हित एक-दूसरे के विपरीत हों। फिर भी, कूटनीति का यही उद्देश्य होता है कि संवाद के माध्यम से ऐसे समाधान खोजे जाएं जो सभी के लिए स्वीकार्य हों।

इतिहास गवाह है कि जब-जब बातचीत के रास्ते बंद हुए हैं, तब-तब संघर्ष ने जन्म लिया है और उसका खामियाजा केवल संबंधित देशों ने ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया ने भुगता है। युद्ध कभी भी स्थायी समाधान नहीं देता। यह केवल विनाश, अस्थिरता और मानवीय संकट को जन्म देता है। आज के वैश्विक परिदृश्य में, जहां अर्थव्यवस्थाएं आपस में जुड़ी हुई हैं और ऊर्जा संसाधनों पर निर्भरता अत्यधिक है, किसी भी बड़े संघर्ष का प्रभाव दूरगामी और गंभीर हो सकता है।

इस पूरे विवाद का एक और पहलू यह है कि यह केवल सैन्य या राजनीतिक नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक भी है। दोनों देशों के बीच अविश्वास की खाई इतनी गहरी हो चुकी है कि हर कदम पर संदेह और आशंका बनी रहती है। ऐसे में किसी भी समझौते तक पहुंचना आसान नहीं होता। इसके लिए केवल राजनीतिक इच्छाशक्ति ही नहीं, बल्कि धैर्य, समझ और पारदर्शिता की भी जरूरत होती है।

दुनिया के अन्य बड़े देश और अंतरराष्ट्रीय संगठन भी इस स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। वे चाहते हैं कि यह विवाद शांतिपूर्ण तरीके से सुलझे, क्योंकि किसी भी तरह का युद्ध वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए खतरा बन सकता है। खासकर ऐसे समय में जब दुनिया पहले ही कई आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रही है, एक नया संघर्ष स्थिति को और जटिल बना सकता है।

अगर इस बार की वार्ता सफल होती है, तो यह न केवल अमेरिका और ईरान के रिश्तों में सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम होगा, बल्कि मिडिल ईस्ट में स्थिरता लाने में भी मदद करेगा। इससे वैश्विक बाजारों में भरोसा बढ़ेगा और ऊर्जा आपूर्ति से जुड़ी चिंताएं कम होंगी। लेकिन अगर यह वार्ता विफल होती है, तो इसके परिणाम गंभीर हो सकते हैं। तनाव बढ़ सकता है, सैन्य कार्रवाई की संभावना बढ़ सकती है और क्षेत्र एक बार फिर संघर्ष की आग में झुलस सकता है।

ऐसे समय में सबसे जरूरी है संयम और समझदारी। नेताओं को यह समझना होगा कि उनके फैसलों का असर केवल उनके देशों तक सीमित नहीं है। यह पूरी मानवता को प्रभावित करता है। इसलिए हर कदम सोच-समझकर उठाना जरूरी है। कूटनीति, संवाद और सहयोग ही ऐसे रास्ते हैं जो स्थायी शांति की ओर ले जा सकते हैं।

अंततः यह कहना गलत नहीं होगा कि आज दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां उसे यह तय करना है कि वह संघर्ष का रास्ता चुनेगी या सहयोग का। अमेरिका और ईरान के बीच यह वार्ता केवल एक द्विपक्षीय मुद्दा नहीं है, बल्कि यह वैश्विक शांति और स्थिरता की परीक्षा भी है। उम्मीद की जानी चाहिए कि दोनों देश इस अवसर का उपयोग करेंगे और ऐसा समाधान निकालेंगे जो न केवल उनके लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए हितकारी हो। युद्ध किसी भी हालत में समाधान नहीं है, और इतिहास ने बार-बार इस सच्चाई को साबित किया है।

- कांतिलाल मांडोत

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। अक्षय तृतीया के चलते सोमवार को स्थानीय अनाज मंडी में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। चना 5500-5600 रू. प्रति क्विंटल पर कमजोर रहा। खाद्य तेलों में नरमी का रूझान देखा गया। तिलहनों में सोयाबीन 5600 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रही। किराना बाजार में भी ग्राहकी ठंडी-ठंडी ही रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार अनाज मंडी में सोमवार को व्यापार बहुत ठंडा-ठंडा ही रहा। चना 5500-5600 रू. प्रति क्विंटल पर कमजोर देखा गया। खाद्य तेलों में नरमी का रूख रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार 5600 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत देखे गये। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4080-4170, खोपरा गोला 375-430, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, बाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पावच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 490-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2350-2400, (160) 2700-2750, (200) 2550-2600, (250) 2650-2700

तेल- सींगदाना 1680-1700, मुम्बई 1700, राजकोट तेलिया 2640, सोया साल्वेंट 1410-1420, सोया रिफाइंड 1485-1490, कपास्या 1450-1460, धूलिया 1450, कड़ी 1460,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1640, मुम्बई पाम 1440, मुम्बई सोया 1540

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7100-7300, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 5600, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5500-5600, एवरेज 5550-5600, विशाल 5450-5575, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5900-5950, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6900-7000, एवरेज 6500-6600, हल्की 6000-6100, महाराष्ट्र सफेद 6900-7100, महाराष्ट्र लाल 7200-7400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2350-2450, लोकवन एवरेज 2400-2650, बेस्ट 2800-3100, मालवराज 2300-2560, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1600-1850, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 390 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। किन्तु दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 246500, चाँदी (99) 246400, टंच 245800, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 153500,

रुपया गिरावट के साथ 92.78 पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया सोमवार को भारतीय रुपया 35 पैसे टूटकर 93.09 पर बंद हुआ। वहीं सोमवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 13 पैसे मजबूत होकर 92.78 के स्तर पर पहुंच गया। गत शुक्रवार को रुपया 92.74 पर बंद हुआ था। बाजार के जानकारों के मुताबिक रुपए की गिरावट के तीन मुख्य कारणअंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में तेजी आना है। वहीं पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष में बढ़ने से भी निवेशकों में घबराहट है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों से आज सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में दिनभर उतार-चढ़ाव का माहौल रहा। हालांकि अंत में कुछ खरीददारी से बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ है। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 26.76 अंकों की बढ़त के साथ ही 78,520.30 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 11.30 अंक उछलकर 24364.85 के स्तर पर बंद हुआ है। आज कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा और ये नीचे आया। आज सेंकेक्स के शेयरों में ट्रेंट , एशियन पेंट्स , एनटीपीसी और बजाज फाइनेंस के शेयरों में तेजी रही जबकि कोटक महिन्द्र बैंक , बीईएल, एचसीएल और एचडीएफसी बैंक के शेयर गिरे। आज एनएसई पर मिड और स्मॉलकैप शेयरों में

गिरावट रही । इसके चलते निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.25 फीसदी तक गिरा जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में भी 0.46 फीसदी की गिरावट रही। आज ज्यादातर इंडेक्स गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। निफ्टी आईटी, मेटल, फार्मा, प्राइवेट बैंक, रियल्टी समेत कई इंडेक्स में गिरावट नजर आई जबकि निफ्टी ऑटो, मीडिया और पीएसयू बैंक के शेयर गिरे। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से भी बाजार गिरा है। अमेरिका के एक ईरानी जहाज पर कब्जे के बाद से ही दोनो के बीच शांति वार्ता अधर में लटक गयी है। इससे ट ऑफ हॉर्मूज पर तनाव बढ़ गया है। इसका असर कच्चे तेल पर भी दिखा और आज इसका भाव करीब 5 फीसदी बढ़कर 94.76 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इससे भी बाजार पर दबाव आया है। इससे पहले आज सुबह बाजार की सपाट शुरुआत हुई। हालांकि, शुरुआती सुस्ती के बाद बाजार में थोड़ी रिकवरी दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद, बैंकिंग सेक्टर में निवेशकों की खरीदारी ने बाजार को मजबूती प्रदान की। सेंसेक्स 78,632 अंक पर खुला जबकि निफ्टी 24,391.50 पर खुला।

आज का राशिफल

मेष- आज आपके लिए खुशियों की बारिश लेकर आई है। धन का आगमन तेजी से होगा, लेकिन खर्च भी उसी रफ्तार से बढ़ सकते हैं। इसलिए बजट बनाकर चलना बेहद जरूरी है। स्वादिष्ट खान-पान और धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होकर मन को शांति मिलेगी। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई बड़ा फैसला लेने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार कर लें। सामाजिक दायरा बढ़ेगा और नए लोगों से जुड़ने का मौका मिलेगा।

वृषभ- आज किस्मत पूरी तरह आपके साथ खड़ी है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आपकी नई कोशिशें शानदार परिणाम देंगी। माता-पिता के आशीर्वाद से कोई रुका हुआ काम पूरा होगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। घूमने-फिरने के दौरान कोई खास जानकारी या अवसर मिल सकता है, जो भविष्य में फायदेमंद साबित होगा। धन-धान्य में वृद्धि से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मिथुन- आज राहत का दिन है। पुरानी परेशानियां धीरे-धीरे खत्म होती नजर आएंगी। आपकी समझदारी और तेज दिमाग से कई काम आसानी से पूरे होंगे। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में नई मिठास आएगी और पुराने गिले-शिकवे खत्म होंगे। साथ में कहीं घूमने का प्लान भी बन सकता है। शौक और आराम की चीजों पर खर्च बढ़ेगा, जिससे आप खुद को खास महसूस करेंगे। पुराने लेन-देन से छुटकारा मिलेगा, जो आपके मन को हल्का कर देगा।

कर्क- आज अचानक लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा करने की दिशा में आप तेजी से आगे बढ़ेंगे। हालांकि, दूसरों के मामलों में दखल देने से बचें, नहीं तो बेवजह परेशानी बढ़ सकती है। सरकारी काम थोड़ा लटक सकता है, जिससे तनाव रहेगा। प्रॉपर्टी से जुड़े लोगों को सावधानी बरतनी होगी।

सिंह- आज का दिन संतुलित लेकिन लाभकारी रहेगा। आपकी वाणी में मिठास ही आपको हर जगह सम्मान दिलाएगी। नए लोगों से मुलाकात आपके लिए नए अवसर खोल सकती है। ऑफिस में अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा और बिजनेस भी अच्छा चलेगा। जीवनसाथी का साथ और समर्थन आपको मानसिक ताकत देगा। सेहत में चल रही समस्याएं अब धीरे-धीरे खत्म होती नजर आएंगी।

कन्या- आज कामकाज के मामले में दिन शानदार है। आप अपने कामों को अच्छे से संभालेंगे, लेकिन संतान की गलतियों को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। आसपास के माहौल में नए साल का जश्न रहेगा, जिसमें आप भी शामिल होकर खूब एंजॉय करेंगे। मौसम के बदलाव का ध्यान रखें, नहीं तो सेहत प्रभावित हो सकती है। नया करने का जोश रहेगा, लेकिन बिजनेस में जल्दबाजी में बदलाव करना नुकसान दे सकता है।

तुला- आज का दिन आपके लिए खुशी और संतुलन लेकर आया है। परिवार के साथ बिताया समय आपको सुकून देगा। कोई पुराना लेन-देन खत्म होगा, जिससे मन हल्का होगा। सरकारी मामलों में सावधानी जरूरी है। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को थोड़ा संभलकर चलना होगा। संतान की ओर से कोई अच्छी खबर मिल सकती है। आपकी मेहनत अब रंग लाने वाली है।

वृश्चिक- आज आपको धैर्य और समझदारी से काम लेना होगा। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी, लेकिन वाहन चलाते समय सावधानी जरूरी है। जल्दबाजी में लिया गया फैसला नुकसान दे सकता है। बच्चों के साथ समय बिताकर मन खुश रहेगा और उनके लिए कोई खास गिफ्ट भी ले सकते हैं। घर में कुछ बदलाव करने का मन बनेगा। ध्यान रखें। घर की बातें बाहर न जाएं, यही समझदारी है।

धनु- आज का दिन भागदौड़ भरा लेकिन फायदेमंद रहेगा। एक के बाद एक काम मिलने से व्यस्तता बढ़ेगी, लेकिन आपकी मेहनत आपको आगे ले जाएगी। इनकम बढ़ाने के नए रास्तों पर ध्यान देंगे। सेहत से जुड़ी पुरानी समस्या से राहत मिलेगी। पिताजी की कोई बात दिल को लग सकती है, लेकिन संयम रखें। कार्यक्षेत्र में हर काम पर नजर बनाए रखना जरूरी है।

मकर- आज का दिन संतुलित लेकिन सीख देने वाला है। लापरवाही से बचना बेहद जरूरी है, नहीं तो नुकसान हो सकता है। विद्यार्थियों को मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी, लेकिन उसका फल भी मिलेगा। आसपास के लोगों को पहचानकर चलें और अपने काम खुद करने की आदत डालें। मन की कोई इच्छा पूरी होगी, जिससे दिल खुश हो जाएगा।

कुंभ- आज उन्नति के रास्ते खुल रहे हैं। नौकरी में नई जिम्मेदारी या चुनौती मिलेगी, जो आपको आगे बढ़ाएगी। सरकारी काम में थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है। किसी रिश्तेदार के घर जाकर मेल-मिलाप करेंगे। नए साल में कुछ बड़ा करने का संकल्प लेंगे। परिवार में एकता बनी रहेगी। बस ध्यान रखें लापरवाही से बचना ही सफलता की कुंजी है।

मीन- आज का दिन उत्साह और खुशियों से भरा रहेगा। साल की शुरुआत ही पॉजिटिव एनर्जी के साथ होगी। रुके हुए काम आसानी से पूरे होंगे। परिवार में किसी को नौकरी से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। सहयोगियों से सोच-समझकर बात करें, नहीं तो गलतफहमी हो सकती है। पुराने दोस्त से मुलाकात दिल को खुश कर देगी। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र में आपकी छवि मजबूत बनेगी।

पश्चिम एशिया संघर्ष का भारतीय बैंकों की परिसंपत्ति गुणवत्ता पर मामूली प्रभाव

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी दो महीने पुराने संघर्ष का भारत के प्रमुख बैंकों की परिसंपत्ति की गुणवत्ता पर अब तक कोई खास असर नहीं पड़ा है। हालाँकि, बैंकरों ने चालू तिमाही में कुछ मामूली प्रभाव की आशंका जताई है और वे लगातार सतर्कता बरतते हुए अपने पोर्टफोलियो की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। इसके बावजूद, बैंक उम्मीद कर रहे हैं कि आने वाले महीनों में स्थिति में सुधार आएगा। भारत के प्रमुख बैंकरों के अनुसार, भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद देश के बैंकों की परिसंपत्ति की गुणवत्ता अभी भी अप्रभावित है। एचडीएफसी बैंक के एक अ?धिकारी ने स्वीकार किया कि तेल, गैस और उनसे सीधे जुड़े क्षेत्रों में कुछ हद तक व्यवधान देखा गया है, लेकिन कॉरपोरेट क्षेत्र इस संकट से निपटने में सक्षम हैं, जो एक सकारात्मक संकेत है। उनके मुताबिक, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में कुछ मामूली असर दिख सकता है, लेकिन यह दीर्घकालिक नहीं होगा। दूसरी ओर, आईसीआईसीआई बैंक के एक अधिकारी ने बताया कि पश्चिम एशिया संकट का यील्ड (प्रतिफल) और करेंसी (मुद्रा) पर तात्कालिक असर पड़ा है, जो वित्त वर्ष 2026 के आंकड़ों में भी दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि बैंक सभी संकेतकों की निगरानी जारी रखेगा और आर्थिक वृद्धि तथा व्यापार मांग पर इसका प्रभाव संघर्ष की अवधि पर निर्भर करेगा। मार्च में, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पश्चिम एशिया संकट के कारण रुपये में रिकॉर्ड गिरावट के बाद विदेशी मुद्रा बाजार में अपनी निगरानी बढ़ा दी थी। केंद्रीय बैंक ने बैंकों की शुद्ध ओपन पोजीशन (एनओपी) को 10 करोड़ डॉलर तक सीमित कर दिया था।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में फिर गिरावट, बिटकॉइन-एथेरियम टूटे

नई दिल्ली। एजेंसी। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में एक बार फिर निराशा का माहौल है। पिछले 24 घंटों में ग्लोबल क्रिप्टो मार्केट कैप करीब 1.30 फीसदी गिरकर लगभग 2.52 ट्रिलियन डॉलर पर आ गया, जिससे बिटकाइन और इथेरियम सहित अधिकांश प्रमुख डिजिटल संपत्तियों में गिरावट दर्ज की गई। इस मंदी के दौर में भी एक अज्ञात क्रिप्टोकरेंसी जीनियस टर्मिनल ने पिछले सात दिनों में निवेशकों को 227 फीसदी से अधिक का शानदार रिटर्न देकर सबको चौंका दिया है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार वैश्विक क्रिप्टो बाजार पूंजीकरण में लगभग 1.30 फीसदी की कमी आई है, जिससे यह 2.52 ट्रिलियन डॉलर पर स्थिर हो गया है। बाजार में कमजोरी के बावजूद सोमवार सुबह फियर एंड ग्रीड इंडेक्स में 1 अंक की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 51 पर पहुंच गया, जो निवेशकों के बीच एक न्यूट्रल भावना को दर्शाता है। हालांकि, यह आंकड़ा पिछले सप्ताह के मुकाबले लगभग स्थिर बना हुआ है। इस गिरावट का सबसे बड़ा असर प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी पर देखने को मिला। बाजार की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन करीब 1.5 फीसदी टूटकर 74,595 डॉलर पर आ गई, जबकि एथेरियम में लगभग 2.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई और इसकी कीमत 2,283 डॉलर हो गई। अन्य प्रमुख डिजिटल संपत्तियों जैसे एक्सआरपी, सोलोना और हाइपर ?लिक्विड में भी 1.5 से लेकर 5 फीसदी तक की गिरावट देखी गई। ऐसे गिरते बाजार में जहां अधिकांश निवेशक नुकसान झेल रहे थे, वहीं जीनियस टर्मिनल नामक क्रिप्टोकरेंसी ने असाधारण प्रदर्शन किया। पिछले 7 दिनों में इस कॉइन ने निवेशकों को 227 फीसदी से अधिक का चौंका देने वाला रिटर्न दिया, जिसका मतलब है कि यदि किसी ने इसमें एक लाख रुपये का निवेश किया होता तो वह बढ़कर तीन लाख रुपये से अधिक हो सकता था। हालांकि, पिछले 24 घंटों में इसमें 6 फीसदी से अधिक की गिरावट आई और इसकी कीमत घटकर लगभग 0.6271 डॉलर पर आ गई। बाजार की इस मंदी के बावजूद, कुछ अन्य क्रिप्टोकरेंसी ने भी सकारात्मक प्रदर्शन किया।

शब्दजाल - 8235

शब्दजाल में विवेक ओबराय की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

सा	म	मा	यु	ब	प	ना	न	ह	क	ग
हा	थि	सू	ह	का	ल	जी	स	ल	का	ज
रो	बी	या	द	अं	ल	त	र	म	ल	वी
इ	र	दा	ज	ल	क	न	ओ	र	सु	म
र	न	क	प	ल	म	मी	छ	हो	नो	स्ती
प	मी	क्षा	स	जि	खा	क	प	म	स	क
के	ह	बु	की	टी	म	मी	टे	डि	रु	प
न	पू	सु	पा	क	पं.	सौ	ल	ली	र	स
कं	प	नी	सू	ह	प	ने	न	व	जी	त
म	व	म	ब	फा	दी	र	ह	री	क	थ
म	ह	न	प्या	रे	मो	ह	न	ज	ल	वा

नक्शा, रोड़, साथिया, कंपनी, दुवा, ओमकारा, मस्ती, प्यारे मोहन, होम डिलीवरी, काल,

शब्दजाल - 8234 का हल

[illegible]

फिल्म वर्ग पहेली- 7179

1		2		■	3			■	4
	■		■	5		■	■	6	
7	8		■	■	9		10	■	
■		■	11	12		■	13		■
14		15	■		■	16		■	17
	■	18	19		■		■	20	
21	22	■		■	23		24	■	
■	25		■	26		■	27		■
28		■	29	■		■		■	30
31				■	32			■	

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरुख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, शरद, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में छुके वीणा' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि कपूर, जेबा, अश्विनी भावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. 'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में रणधीरकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है?-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. अजय देवगन, तब्बू की 'आ परियों झप्पियाँ पा लें हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'खुशी' में फरदीन की नायिका?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो' गीत वाली राजकुमार, राजेशखन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनील दत्त, नूतन की फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म?-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मीनाक्षी शेषाद्रि की फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'आज गालो मुस्का लो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की एक फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7178

[illegible]

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8703

1			2	■	■	3		4
	■	■	5	6	7		■	
8	9	■	■	10		■	■	
■	11	12	■		■	13	14	
■	15			■	16			■
17			■	18	■	19		■
	■	■	20		■	■	21	22
	■	23			24	■	■	
25			■	■	26			

बाएँ से दाएँ

1. ओस की बूंदे (उर्दू-4)
3. आसमान, गगन-3
5. निम्न, जो स्तरीय न हो-4
8. रात्रि, निशा-2
10. सिलना, छाती
11. नश, नाड़ी-2
13. एक समाज सुधारक जिनके दोहे काफी प्रसिद्ध हैं-2
15. इसे आंखों में लगाते हैं-3
16. प्रभाव-3
17. समीप, पास, नजदीक-3
19. भगवान, खुदा-2
20. जानवर इसे खाते हैं-2
21. होठ, अधर-2
23. लूटपाट, डाका-4
25. प्रकार-3
26. बेबस, लाचार-4

ऊपर से नीचे

1. चिंगारी, अंगारा-3
2. मस्ती में चूर-2
3. इज्जत, साख-2
4. तलवार (उर्दू-4)
6. रसदार, रस से भरा-3
7. मेहंदी, ऋषि कपूर की फिल्म-2
9. सब्जी, भाजी-4
13. कमी-3
14. अकबर के एक हिंदू सलाहकार-4
17. अचरज भरा कार्य-4
18. वायुसेना के एक विमान का नाम-3
20. चाहत, प्रेम-2
22. ऋतुराज, मौज-मस्ती-3
23. रास्ता, डगर-2
24. एक पेड़ जिसकी टहनी से दातुन करते हैं-3

शब्द पहेली -8702 का हल

[illegible]

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

21 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय
सूर्य	मेष में	वृष 06.57 बजे से
चंद्र	वृष में	मिथुन 08.55 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क 11.09 बजे से
बुध	मीन में	सिंह 13.25 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या 15.37 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला 17.48 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक 20.02 ब. से
राहु	कुंभ में	धनु 22.18 बजे से
केतु	सिंह में	मकर 00.23 बजे से
राहुकाल	3.00 से 4.30 बजे तक	कुंभ 02.10 बजे से
		मीन 03.43 बजे से
		मेष 05.13 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 111 वा दिन दिशाशूल उत्तर ऋतु ग्रीष्म। विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948 मास वैशाख पक्ष शुक्ल तिथि पंचमी 01.20 बजे रात्र को समाप्त। नक्षत्र मृगशीर्ष 23.59 बजे को समाप्त। योग शोभन 12.31 बजे को समाप्त। करण बव 14.45 बजे तदनन्तर बालव 01.20 बजे रात्र को समाप्त। चन्द्रायु 3.5 घण्टे रवि क्रान्ति उत्तर 11°47' सूर्य उत्तरायण कलि अहर्गण 1872686 जूलियन दिन 2461151.5 कलियुग संवत् 5128 कल्पारंभ संवत् 1972949128 सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128 वीरनिर्वाण संवत् 2552 हिजरी सन् 1447 महीना जिल्काद तारीख 03 विशेष शंकराचार्य, सूरदास व रामानुज जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः पागल बाबा

वृंदावन में एक कथा प्रचलित है कि एक गरीब ब्राह्मण बांके बिहारी का परम भक्त था। एक बार उसने एक महाजन से कुछ रुपये उधार लिए। हर महीने उसे थोड़ा-थोड़ा करके वह चुकता करता था। जब अंतिम किस्त रह गई तब महाजन ने उसे अदालती नोटिस भिजवा दिया कि अभी तक उसने उधार चुकता नहीं किया है, इसलिए पूरी रकम मय व्याज वापस करे। ब्राह्मण परेशान हो गया। महाजन के पास जा कर उसने बहुत सफाई दी, अनुनय-विनय किया, लेकिन महाजन अपने दावे से टस से मस नहीं हुआ। मामला कोर्ट में पहुंचा। कोर्ट में भी ब्राह्मण ने जज से वही बात कही, मैंने सारा पैसा चुका दिया है। महाजन झूठ बोल रहा है। जज ने पूछा, कोई गवाह है जिसके सामने तुम महाजन को पैसा देते थे। कुछ सोच कर उसने कहा, हां, मेरी तरफसे गवाही बांके विहारी देंगे। अदालत ने गवाह का पता पूछा तो ब्राह्मण ने बताया, बांके विहारी, वल्द वासुदेव, बांके बिहारी मंदिर, वृंदावन। उक्त पते पर सम्मन जारी कर दिया गया। पुजारी ने सम्मन को मूर्ति के सामने रख कर कहा, भगवन, आप को गवाही देने कचहरी जाना है। गवाही के दिन सचमुच एक बूढ़ा आदमी जज के सामने खड़ा हो कर बता गया कि पैसे देते समय मैं साथ होता था और फलां-फलां तारीख को रकम वापस की गई थी। जज ने सेठ का बही-खाता देखा तो गवाही सच निकली। रकम दर्ज थी, नाम फर्जी डाला गया था। जज ने ब्राह्मण को निर्दोष करार दिया। लेकिन उसके मन में यह उथल पुथल मची रही कि आखिर वह गवाह था कौन। उसने ब्राह्मण से पूछा। ब्राह्मण ने बताया कि वह तो सर्वत्र रहता है, गरीबों की मदद के लिए अपने आप आता है। इस घटना ने जज को इतना उद्वेलित किया कि वह इस्तीफा देकर, घर-परिवार छोड़ कर फकीर बन गया। बहुत साल बाद वह वृंदावन लौट कर आया पागल बाबा के नाम से। आज भी वहां पागल बाबा का बनवाया हुआ बिहारी जी का एक मंदिर है।

सूडोकु नवताल- 7488

★☆☆☆☆ सरल

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7487 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

नारी शक्ति वंदन

सोगलपुर की सरिता बनीं नारी शक्ति की मिसाल

सुनीता चन्ने के प्रयासों से क्षेत्र में लिखी जा रही सशक्तिकरण की नई दास्तां

पद्मेश न्यूज। लांजी।

सरिता खोबरागड़े अब दादी बन चुकी हैं-उम्र के उस पड़ाव पर, जहां आमतौर पर महिलाएं बहू-बेटों की कमाई और सेवा के सहारे सुकून भरी जिंदगी गुजारते हुए घर-आंगन तक ही खुद को सीमित कर लेती हैं। लेकिन लांजी क्षेत्र के एक छोटे से ग्राम सोगलपुर की सरिता ने इस पारंपरिक सोच को पीछे छोड़ते हुए अपने हौसलों को नई उड़ान दी है। उन्होंने साबित कर दिया कि अगर जज्बा जवान हो, तो उम्र कभी भी राह में रुकावट नहीं बनती। ऑटो चलाकर न सिर्फ उन्होंने अपने परिवार को आर्थिक मजबूती दी, बल्कि पूरे गांव की मुश्किलों को भी आसान कर एक नई मिसाल कायम की है। संघर्ष, जज्बा और खुद पर यकीन का ऐसा संगम कम ही देखने को मिलता है। एक ओर जहां उन्होंने अपनी मेहनत से परिवार और गांव की तस्वीर बदली, वहीं जनपद पंचायत आजीविका मिशन की ग्राम नोडल सुनीता चन्ने का जज्बा भी इस बदलाव में अहम किरदार निभा रहा है। हमेशा बाइक से सफर करने वाली सुनीता चन्ने अपनी अलग पहचान के साथ क्षेत्र की महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। वहीं इस पूरी कहानी में जनपद पंचायत आजीविका मिशन की ग्राम नोडल सुनीता चन्ने की भूमिका भी बेहद अहम रही है। उनका समर्पण और मार्गदर्शन क्षेत्र की कई महिलाओं के लिए राह दिखाने वाला साबित हो रहा है। खास बात यह है कि जहां आमतौर पर महिला अधिकारी स्कूटी या अन्य साधनों का उपयोग करती हैं, वहीं सुनीता चन्ने हमेशा बाइक पर सफर करती नजर आती हैं-जो उनके आत्मविश्वास और जज्बे को एक अलग पहचान देता है।

अलग-अलग जिम्मेदारी और सभी में निपुण

ग्राम सोगलपुर की सरिता खोबरागड़े आज नारी शक्ति वंदन का एक शानदार और अनूठा उदाहरण बनकर उभरी हैं। एक समय गृहणी रहकर अपने पति के साथ फेरी में कपड़े बेचने वाली सरिता दीदी आज आदि शक्ति आजीविका स्व सहायता समूह की अध्यक्ष, शिवपुराण ग्राम संगठन की अध्यक्ष और पहल संकुल स्तरीय संगठन की सदस्य के रूप में अपनी मजबूत पहचान बना चुकी हैं। सरिता दीदी बताती हैं कि वह अपने परिवार के जीवन-यापन के लिए गांव-गांव फेरी लगाकर कपड़े बेचने का काम करती थीं। मोटर सायकल से सफर करने के दौरान ज्यादा सामान होने पर हमेशा हादसे का खतरा बना रहता था। वहीं मंडई और मेलों में दुकान लगाने के लिए उन्हें दूसरे वाहनों पर निर्भर रहना पड़ता था-जो कभी समय पर आते, तो कभी सिर्फ वादा कर के नहीं पहुंचते, जिससे उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था।

ऑटो चलाने का हुनर भी गजब

इसी बीच ग्राम संगठन की बैठक में गांव की एक बड़ी समस्या सामने आई-मुख्य सड़क तक पहुंचने के लिए 3 किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था। जब कोई आगे नहीं आया, तो सरिता दीदी ने हिम्मत दिखाई और ऑटो चलाने का फैसला कर लिया। आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने अपने पति और बेटों के साथ मिलकर 1.5 लाख रुपये जुटाए और समूह से 2 लाख रुपये का ऋण लेकर ऑटो खरीदा। सबसे दिलचस्प बात यह रही कि जहां लोग पहले वाहन चलाना सीखते हैं, वहीं सरिता दीदी ने पहले ऑटो खरीदा और फिर उसे चलाना सीखा-और आज उनके ड्राइविंग कौशल को देखकर लोग हैरान रह जाते हैं। अब खुद का ऑटो होने से न केवल उनकी पुरानी परेशानियों से निजात मिली है, बल्कि गांव के लोगों को भी लांजी आने-जाने में बड़ी सहूलियत हो गई है। साथ ही उनके लिए एक अतिरिक्त आमदनी का जरिया भी बन गया है।

आय बढ़ने के साथ जीवन जीने का तरीका भी बदला

आज उनकी मासिक आयए जो पहले करीब 12 हजार रुपये थी, बढ़कर लगभग 25 हजार रुपये तक पहुंच चुकी है। सरिता खोबरागड़े ग्राम सोगलपुर के आवासटोला में एक छोटे से मकान में अपने भरे-पूरे परिवार के साथ जीवन यापन कर रही हैं, लेकिन उनके सपनों की उड़ान अब आसमान छू रही है। दादी बनने के बाद भी उनका जज्बा कम नहीं हुआ, बल्कि और निखर कर सामने आया है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित चल समारोह में जब सरिता दीदी ऑटो चलाते हुए शामिल हुईं, तो लोगों ने तालियों की गूंज के साथ उनका जोरदार इस्तकबाल किया और उन्हें सम्मानित भी किया गया। सरिता खोबरागड़े की यह कहानी महज एक खबर नहीं, बल्कि एक मजबूत पैगाम है।

आदिवासी समाज व गोंडवाना विकास समिति ने भव्य रैली निकालकर मनाया आखातीज़ पर्व

पद्मेश न्यूज। लांजी। आदिवासी समाज लांजी एवं लांझीगढ़ गोंडवाना विकास समिति के द्वारा 20 अप्रैल को पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही अपने पूर्वजों के मार्गदर्शन से अपनी ऐतिहासिक धरोहर संस्कृति एवं प्रकृति संरक्षण के तहत बडादेव महापूजा का आयोजन कर आखातीज़ पर्व का आयोजन ऐतिहासिक किले में किया गया। किले परिसर में आयोजित मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि राजकुमार करहि विधायक लांजी किरनापुर, मनीषराव पुसाम सामाजिक कार्यकर्ता महाराष्ट्र, सुशीला नेताम राष्ट्रीय अध्यक्ष गोंडवाना गोंड महासभा भारत, साधुराम नेताम सलाहकार गोंडवाना समाज तहसील नगरी छग, आशा धुर्वे नेताम, बिंदा नेताम पूर्व जिला पंचायत सदस्य तह नगरी छग, जेठूसिंह तेकाम प्रांतीय प्रवक्ता कटंगी बालाघाट, एस.आर नेताम राष्ट्रीय सलाहकार गोंडवाना गोंड महासभा भारत, के आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः बेला में बुढादेव, बुढीमाई ठाना में, राष्ट्रीय अध्यक्ष गोंडवाना गोंड महासभा भारत व आयोजक समिति के संरक्षक आर सी नेताम द्वारा कलश स्थापना की गई। उसके पश्चात ध्वजारोहण किया गया। साथ ही नाभिस्थल, खेरमाई ठाना, लंजकाई ठाना, कालीकंकाली ठाना में कलश स्थापना कर पूजा अर्चना की गई। इसी तारतम्य में आमंत्रित अतिथियों व सगाजनों का पंजीयन भी किया गया। आदिवासी समाज के द्वारानगर भ्रमण करते हुए रैली निकाली गई रैली में विशेष आकर्षण का केन्द्र पारंपरिक पहनावा रहा। यह रैली लांजीगढ़ किले से होकर गुजरी चौक, सुभाष चौक बस स्टैंड होते, मेन रोड़ से लंजकाई मंदिर होते हुए वापस लांजीगढ़ किले में पहुंची, जहां पर समुदाय के सगाजनो, भुमका एवं समिति के संरक्षक आर सी नेताम के द्वारा 365 कलश की स्थापना, 750 दीयों से बने सल्ले गांगरा दीप प्रज्जवलित कर बुढादेव को भेंट किया गया। वक्ताओं ने किले की ऐतिहासिक विरासत गोंड शासकों के इतिहास पर बल दिया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजकुमार करहि ने पारंपरिक कार्यक्रम को बढ़ावा देने के साथ कहा कि हम अपने प्रत्येक त्यौहारों में उन सभी जीवों को सम्मान देने की परंपरा निभाते हैं जिन्होंने मानव विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया हों।इसी कड़ी में सभी अतिथियों ने जल जंगल जमीन के हनन व महत्व के बारे बात कहीं, साथ ही समाज के उत्थान एवं संगठन मजबूती पर उद्बोधन दिए। युवा कोयतुर टीम लांझीगढ़ द्वारा सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति की गई। जिसमें युवा कोयतुर लांझीगढ़ के सभी साथियों का सहयोग रहा। कार्यक्रम का समापन व अतिथियों का आभार व्यक्त धनीराम इनवाती अध्यक्ष लांझीगढ़ गोंडवाना विकास समिति द्वारा किया गया। मंच संचालन गीता मर्सकोले, मनोज मड़ावी द्वारा किया गया।

समिति से ये रहे प्रमुख रूप से उपस्थित

उक्त कार्यक्रम आयोजक समिति के संरक्षक आर सी नेताम, टूमनलाल घोरमारे सचिव आदिवासी समाज लांजी एवं अन्य पदाधिकारी राधेश्याम नारनौरे, अतुल हनोते,संजीव वाघाड़े, रिषिकेश घोरमारे, श्रीराम घरते, हेतराम चौधरी,अजय नेवारे धनीराम इनवाती अध्यक्ष लांझीगढ़ गोंडवाना विकास समिति,अशोक मर्सकोले सचिव,श्रावण उईके उपाध्यक्ष, मोतीराम उइके उपाध्यक्ष,मुन्नालाल मलगाम, परसराम पन्द्रे,राजू मर्सकोले,विनोद उईके कोषाध्यक्ष, सी.एल उईके, अमोल सिंह धुर्वे, हीरामन उईके, दिलीप उईके, , बिरजलाल मड़ावी,मीरा मर्सकोले,राजकुमारी धुर्वे,निशा उइके ,युवा कोयतुर लांजी से नरेश उईके संदीप टेकाम, वर्षा उइके, सोनम मर्सकोले, नीता मर्सकोले, लोकेश भलावी, मनोज मड़ावी, भुवन पन्द्रे, संजय टेकाम,सुनिल उइके,निशा पन्द्रे, विजय मसराम, नरेन्द्र उइके,देवेन्द्र पन्द्रे, कोमल मर्सकोले, संध्या टेकाम, डेविड उइके, दुर्गा प्रसाद पन्द्रे, सुभाष इनवाती, कोमल मर्सकोले, गीता मर्सकोले, गोपाल टेकाम, सुकदास मर्सकोले, दुर्गा उइके एवं समस्त आदिवासी समाज आदि सगाजनो के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन सफलता पूर्वक किया गया।

उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण सर्जरी के बाद स्वस्थ, विधायक कुमार बोले- चिंता की बात नहीं

अमरावती। उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण सर्जरी के बाद स्वस्थ हो रहे हैं। जनसेना नेता और यलमंचली विधायक सुंदरपु विजय कुमार ने सोमवार को आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए आश्वासन दिया कि चिंता की कोई बात नहीं है और शनिवार को हुई सर्जरी के बाद वे तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं। कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि कल्याण का स्वास्थ्य सुधर रहा है और पिछले कुछ वर्षों में नेताओं द्वारा झेले गए अत्यधिक कार्यभार और तनाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि कल्याण को भी शुरुआत से ही कुछ स्वास्थ्य समस्याएं रही हैं। फिर भी, अब वे ठीक हैं।

उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद से सरकार जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए लगातार काम कर रही है। हम सड़कों पर उतरे, हमने जमकर संघर्ष किया। फिर सरकार बनने के बाद हमने राज्य का निर्माण शुरू किया। इसलिए जनता की बहुत अपेक्षाएं हैं। आपने विशाखापत्तनम में ही देखा होगा, हर किसी ने 50,000 से ज्यादा बहुमत हासिल किया। कुमार ने बताया कि व्यस्त कार्यक्रम का असर कई नेताओं के स्वास्थ्य पर पड़ा है। हर कोई कड़ी मेहनत कर रहा है। इसलिए हर किसी को एक-एक करके स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो रही हैं। खासकर मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, सभी को अब यही समस्या हो रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कल्याण के राजनीतिक सचिव के जारी बयान के मुताबिक उपमुख्यमंत्री को पिछले कुछ महीनों से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था, जिसके बाद शनिवार शाम को उनकी सर्जरी हुई। कल्याण को शुक्रवार सुबह प्रशासनिक मामलों पर चर्चा करते समय तीव्र असुविधा महसूस हुई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने एमआरआई सहित कई चिकित्सा परीक्षण किए, जिसके बाद उन्होंने सर्जरी को जरूरी बताया। सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न हुई और चिकित्सकों ने उन्हें आधिकारिक कार्यों में वापसी से पहले सात से दस दिनों के आराम की सलाह दी है।

दो मोटर सायकलो की आमने सामने भिडंत में दो लोग गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी थाना अन्तर्गत ग्राम कटंगी में हुये एक सड़क हादसे मे दो मोटर सायकल की आमने सामने भिडंत में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। जिनका प्राथमिक उपचार सिविल अस्पताल लांजी में किया गया। घटना के संबध में प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 अप्रैल 2026 को दोपहर 3 बजे लांजी आमगांव मार्ग पर ग्राम कटंगी में मुख्य मार्ग पर दो मोटर सायकल आपस में टकरा गई। बतादे कि दीपक राजाराम टेकाम उम्र 25 वर्ष निवासी गोर्रे, थाना बहेला, अपनी मोटर सायकल क्रमांक एमपी 50 जेड सी 8812 में अपनी माता जी को ग्राम कुम्हारी छोड़कर लांजी की ओर आ रहा था दुसरी ओर से सुनील पिता बिसराम आसटकर 40 वर्ष निवासी आवास कालोनी लांजी जो कि लांजी से आमगांव की ओर अपनी मोटर सायकल क्रमांक एमपी 50 एमआर 3367 से अकेले जा रहा था जैसे ही दोनो वाहन ग्राम कटंगी पंहुचे अज्ञात कारणो के चलते दो वाहनों की आमने भिडंत हो गई, टकर इतनी जबरदस्त थी की दोनो ही मोटर सायकल के सामने के चक्के रिंग टूट गये तथा दोनो ही मोटर सायकल समेत नीचे जमीन पर गिर गये जिन्हे गंभीर चोटे आई है। घटना घटित होते ही मौका स्थल पर मौजूद लोगो के द्वारा निजी वाहनों से घायलो को सिविल अस्पताल लांजी लाकर भर्ती किया गया। जहां उपस्थित डाक्टर्स एवं स्टाफ के द्वारा प्राथमिक उपचार दिया गया। घटना में गंभीर रूप से घायल गोर्रे निवासी दीपक टेकाम को गोंदिया रिफर किया गया। घटना के संबध में अस्पताल प्रबंधन के द्वारा लांजी पुलिस को जानकारी उपलब्ध कराई जाकर सूचित किया गया है।

तमिलनाडु की जनता भाजपा को कभी स्वीकार नहीं करेगी -पी चिदंबरम

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने विश्वास जाहिर किया है कि डीएमके के नेतृत्व वाला गठबंधन आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा है कि राज्य में भाजपा को स्वीकार नहीं किया जाएगा। कांग्रेस नेता चिदंबरम ने कहा कि भाजपा के लिए तमिलनाडू के द्वार पूरी तरह बंद है। तमिलनाडु की जनता भाजपा को कभी स्वीकार नहीं करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की तमिलनाडु में कोई साख नहीं है, इसलिए पलानीस्वामी की भी कोई साख नहीं है।

गठबंधन के चुनावी रिकॉर्ड पर विचार करते हुए, उन्होंने पिछली जीतों का जिक्र कर कहा कि तमिलनाडु में डीएमके के नेतृत्व वाला गठबंधन बीते चार चुनावों में, जिनमें मौजूदा चुनाव भी शामिल है, आजमाया हुआ है। हमारे गठबंधन ने 2019 के लोकसभा चुनाव जीते, 2021 के विधानसभा चुनावों में भारी जीत हासिल की, 2024 के लोकसभा चुनावों में भी सभी 39 सीटें जीतीं और हमें विश्वास है कि इस राज्य विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सहित डीएमके के नेतृत्व वाला गठबंधन आसानी से जीत हासिल करेगा। मैं भविष्यवाणी नहीं कर रहा हूं, लेकिन हमारा लक्ष्य 234 में से अधिक से अधिक सीटें जीतना है और हम आराम से बहुमत प्राप्त करने वाले है।

महिला आरक्षण विधेयक की हार पर संसद में प्रभावी ढंग से कार्रवाई न करने के आरोप में एआईएडीएमके की आलोचना का जवाब देकर चिदंबरम ने झूठा बताया। उन्होंने कहा कि मैं कह सकता हूं कि अज्ञानता के कारण उनका यह बयान गलत है। यह सरासर झूठ है। महिला आरक्षण संविधान में पहले ही शामिल हो चुका है, 106वां संशोधन लोकसभा और राज्यसभा द्वारा सितंबर 2023 में पारित हुआ था। यह संविधान का हिस्सा है। संविधान का सभी क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। उन्हें करीब 106वां संविधान संशोधन विधेयक पढ़ना चाहिए, जिसमें अनुच्छेद 344ए जोड़ा गया था- वे पूरी तरह गलत हैं। लेकिन अगर ये इस बात पर अड़े रहते हैं कि हमने महिला आरक्षण का समर्थन नहीं किया, तब यह सरासर झूठ है।

चिदंबरम ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान का समर्थन किया कि आरएसएस और भाजपा तमिलनाडु में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम पिछले दस वर्षों से यही कह रहे हैं और तमिलनाडु के लोग हमारी बात सुनते हैं और उन्होंने भाजपा को तमिलनाडु से पूरी तरह बाहर रखा है। इस बार भी भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को तमिलनाडु से बाहर रखा जाएगा। इससे पहले, राहुल गांधी ने भाजपा-एआईएडीएमके गठबंधन की आलोचना कर आरोप लगाया कि भाजपा का उद्देश्य मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को हटाकर उनकी जगह एआईएडीएमके के किसी कठपुतली को बिठाना है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

जशपुर में नहीं हुआ कोई प्लेन क्रैश, जंगल की आग से फैली अफवाह

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर में कथित प्लेन क्रैश की खबर पूरी तरह अफवाह साबित हुई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार का विमान हादसा नहीं हुआ। जंगल में लगी आग से उठते धुएं के कारण ग्रामीणों को भ्रम हुआ होगा और गलत सूचना दे दी गई।

जिले के कलेक्टर रोहित व्यास और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लाल उमेद सिंह ने मौके पर पहुंचकर जांच की। अधिकारियों को घटनास्थल पर विमान का कोई मलबा नहीं मिला, जिसके बाद इस खबर को पूरी तरह खारिज कर दिया गया। प्रशासन के अनुसार, इलाके में जंगल में लगी आग से उठते धुएं को देखकर ग्रामीणों ने इसे विमान दुर्घटना समझ लिया। देखते ही देखते यह सूचना सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई और अफवाह का रूप ले लिया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों ने झारखंड और ओडिशा के एयर ट्रैफिक कंट्रोल से भी संपर्क किया। दोनों ही जगहों से पुष्टि हुई कि उस समय किसी भी विमान का संपर्क नहीं टूटा था और न ही कोई विमान उस क्षेत्र में लापता हुआ। बताया गया कि जशपुर के चारभाठी क्षेत्र में एक चार्टर्ड प्लेन उड़ता देखा गया था। इसके कुछ समय बाद पहाड़ी से धुआं उठता नजर आया, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बिना पुष्टि के ऐसी खबरों पर विश्वास न करें और अफवाह फैलाने से बचें। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की भ्रामक सूचनाएं न केवल प्रशासनिक संसाधनों पर दबाव डालती हैं, बल्कि अनावश्यक दहशत भी पैदा करती हैं।

बीजेपी विधायक के बेटे की करतूत के बाद उनके बयान पर बढ़ा विवाद

थार से टक्कर मारकर पांच लोगों को किया था घायल

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करैरा क्षेत्र में 16 अप्रैल को हुए सड़क हादसे को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक तनाव बढ़ गया है। इस मामले में आरोप है कि एक थार वाहन से टक्कर में पांच लोग घायल हुए, जिसके बाद स्थानीय राजनीति में हलचल तेज हो गई। घटना के बाद बीजेपी विधायक प्रीतम लोधी का बयान और उनका रुख लगातार चर्चा में है। शुरुआती प्रतिक्रिया में उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था कि एक जनप्रतिनिधि के लिए जनता सर्वोपरि होती है और पीड़ितों को न्याय दिलाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। हालांकि, कुछ दिनों बाद उनके बयानों और पुलिस अधिकारियों के प्रति उनकी भाषा को लेकर विवाद और बढ़ गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, विधायक ने करैरा के एसडीओपी आयुष जाखर के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि अधिकारी उन्हें क्षेत्र में आने से रोकने की बात कर रहा है, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई और तीखे शब्दों में प्रतिक्रिया दी। इस बयान को लेकर राजनीतिक हलकों और प्रशासनिक स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। इस बीच उनके बेटे से जुड़े विवाद का भी उल्लेख सामने आया है, जिसमें आरोप है कि वह बिना नंबर प्लेट और कथित रूप से संशोधित थार वाहन के साथ थाने पहुंचे थे। इस घटना ने पूरे मामले को और संवेदनशील बना दिया है। विधायक ने जांच प्रक्रिया और पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ गलत तरीके से कार्रवाई या दबाव बनाया जा रहा है, जबकि पुलिस प्रशासन की ओर से इस पूरे मामले की जांच जारी है। इस घटनाक्रम ने स्थानीय स्तर पर सत्ता और प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति पैदा कर दी है। विपक्षी दल इसे लेकर सरकार और जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि प्रशासन मामले की निष्पक्ष जांच की बात कर रहा है।

प्रशासनिक सेवा के 28% अफसर एक माह रहेंगे प्रदेश से बाहर...

100 से ज्यादा IAS 11 मई से मिड करियर ट्रेनिंग पर, कई जिलों कलेक्टर भी शामिल

भोपाल। भारतीय प्रशासनिक सेवा के मध्यप्रदेश कॉडर के 100 से अधिक अफसर 11 मई से मिड करियर ट्रेनिंग पर जाएंगे। यह प्रशिक्षण लाल बहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी मसूरी में होगा। इस ट्रेनिंग के बाद एक सप्ताह के लिए ये अफसर विदेश भी जाएंगे। इस प्रशिक्षण के लिए चिन्हित किए गए अफसों में 2016 बैच के अफसरों के लिए प्रशिक्षण का यह तीसरा अंतिम मौका है। वहीं विभिन्न कारणों से प्रशिक्षण से वंचित 2010 बैच से लेकर 2015 बैच के अफसरों को भी उनके केस के आधार पर यह ट्रेनिंग करना अनिवार्य है।

11 मई से 5 जून 2026 के बीच लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी में 25 वे राउंड फेज तीन की मिड कैरियर ट्रेनिंग होगी। इसके लिए 24 अप्रैल 2026 तक पात्र अधिकारियों के नाम फाइनल किए जाने है।

24 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से मांगे प्रस्ताव

डीओपीटी ने मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव और सामान्य प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव से मिड करियर ट्रेनिंग के लिए पात्र आईएएस अफसरों को ट्रेनिंग पर भेजने को कहा है और ट्रेनिंग पर जाने के इच्छुक अफसरों के प्रस्ताव 24 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से भेजने को कहा है।

2016 बैच के अफसरों लिए यह तीसरा मौका

2018 बैच के आईएएस अफसरों के लिए मिड करियर ट्रेनिंग का यह पहला मौका है। 2017 बैच के आईएएस अफसरों के लिए दूसरा मौका और 2016 बैच के आईएएस के लिए तीसरा और अंतिम मौका है। 2010 से 2015 बैच के आईएएस के लिए केस वाइज आधार पर प्रशिक्षण दिया जाना है।

कलेक्टर और निगम कमिश्नरों को मिल सकती है छूट, लेकिन...

जिन अफसरों को ट्रेनिंग पर भेजा जाना है उनमें कई अफसर वर्तमान में जिलों में कलेक्टर और नगर निगमों में आयुक्त की जिम्मेदारी संभाल रहे है। राज्य सरकार चाहे तो इन्हें इस बार की ट्रेनिंग से मुक्त रख सकती है। लेकिन आईएएस अफसरों के प्रमोशन के लिए यह मिड करियर ट्रेनिंग ली जाना अनिवार्य है इसी के आधार पर उन्हें अगले वेतनमान में प्रमोशन दिया जाता है।

इन अफसरों को लेना है ट्रेनिंग

2010 बैच- कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, आशीष सिंह।

2011 बैच- रुचिका चौहान, हरजिंदर सिंह, बी विजय दत्ता, अनुग्रह पी, चंद्रमौली शुक्ला।

2012 बैच- नीरज कुमार सिंह, पंकज जैन, अजय कटेसरिया, निधि निवेदिता, स्वरोचिष सोमवंशी, प्रवीण सिंह अढाइच, अनुराग वर्मा, प्रतिभा पाल, फटिंग राहुल हरिदास, राजीव रंजन मीना, कवकी कार्तिकेयन, अवधेश शर्मा, कुमार पुरुषोत्तम, सुभाष कुमार द्विवेदी, धर्मेन्द्र कुमार जैन, नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, अरुण कुमार परमार, संतोष कुमार वर्मा, राजेश बाथम,

2013 बैच- राघवेन्द्र सिंह, शिवम वर्मा, गिरीश मिश्रा, सोनिया मीना, हर्ष दीक्षित, रजनी सिंह, प्रियंक मिश्रा, मयंक अग्रवाल, अनूप कुमार सिंह, सतीश कुमार, संदीप जीआर, नीरज कुमार वशिष्ठ, अमर बहादुर सिंह, पवन कुमार जैन,

2014 बैच- रिजु बाफना, आशीष वशिष्ठ, साकेत मालवीय, शीतला पटले, रिषभ गुप्ता, लोकेश कुमार जांगिड़, नेहा मीना, अरुण कुमार विश्वकर्मा, क्षितिज सिंघल, भाव्या मित्तल, दिलीप कुमार कापसे, बुद्धेश वैद्य, अभय अरविंद बेड़ेकर, सुधीर कोचर, नीतू माथुर, जमुना भिड़े,

2015 बैच- राखी सहाय, संजय कुमार जैन, बालागुरु के, हिमांशु चंद्र, अर्पित वर्मा, हर्ष सिंह, अदिति गर्ग, हर्षल पंचोली, संस्कृति जैन, मृणाल मीणा, पार्थ जायसवाल, रौशन कुमार सिंह, रितुराज, गुंचा सनोबर,

2016 बैच- गजेन्द्र सिंह नागेश, मल्लिका निगम नागर, सुचिस्मिता सक्सेना, दिशा प्रणय नागवंशी, राजेश कुमार जैन, सिद्धार्थ जैन, स्वप्निल जी वानखेड़े, अंशुल गुप्ता, ज्योति सिंह, प्रीति यादव, हरेन्द्र नारायण, संघमित्रा गौतम, अजीजा सरशार जफर, प्रताप नारायण यादव, कीर्ति खुरासिया, अनुराग सक्सेना, मंजूलता विक्रांत राय, संजना जैन, जगदीश कुमार गोमे, सपना पंकज सोलंकी,

2017 बैच- अंकिता धाकरे, देवेन्द्र कुमार नागेन्द्र, मनोज कुमार सरियाम,

2018 बैच- नेहा जैन, प्रथम कौशिक, शिशिर गेमावत, संग प्रिय, हरसिमरनप्रीत कौर, श्यामवीर, सोजन सिंह रावत, राम प्रकाश अहिरवार, अर्चना सोलंकी, अंजलि जोसेफ, रेखा राठौर, संदीप केरकेट्टा, अभय सिंह ओहरिया, वंदना शर्मा, नारायण प्रसाद नामदेव, नवनीत कुमार धुर्वे।

BJP चुनावी मोड में : कमजोर सीटों पर नजर, अभी से मैदान संभालेंगे दिग्गज

इंदौर में 22 अप्रैल को प्रशिक्षण, कई राज्यों से जुटेंगे 350 से ज्यादा वक्ता

भोपाल। भाजपा अपने संगठनात्मक ढांचे को और अधिक मजबूत व प्रशिक्षित करने 22 अप्रैल को इंदौर में पंडित दीनदयाल प्रशिक्षण महाअभियान के तहत एक महत्वपूर्ण कार्यशाला आयोजित करने जा रही है। जिसमें भाजपा संगठनात्म प्रदेशों में शामिल मध्यप्रदेश सहित महाराष्ट्र, मुंबई, गोवा, छत्तीसगढ़, दमन-दीव और दादरा- नगर हवेली से करीब 350 चयनित वक्ता भाग लेंगे। इन्हें प्रशिक्षण देने के लिए दिल्ली से नेता आएंगे। यह कार्यशाला इंदौर के डेली कॉलेज परिसर में दिनभर चलेगी, जहां संगठन के विभिन्न स्तरों से आए वक्ताओं को प्रशिक्षण की रूपरेखा, विषय-वस्तु और प्रस्तुतीकरण के तरीकों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया जाएगा। खास बात यह है कि मध्यप्रदेश के प्रत्येक संभाग से 12-12 नेताओं का चयन किया गया है, जिनमें प्रदेश सरकार के मंत्री, भाजपा के प्रदेश पदाधिकारी और सांसद भी शामिल हैं। कार्यशाला में प्रशिक्षित ये वक्ता आगे जिला स्तर पर आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेंगे। यह जिला स्तरीय प्रशिक्षण 1 से 30 मई तक मध्यप्रदेश के सभी 62 संगठनात्मक जिलों में आयोजित किया जाएगा। कार्यशाला में संगठन के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी इसे और महत्वपूर्ण बना रही है। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह और क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे और प्रशिक्षण की दिशा व रणनीति पर मार्गदर्शन देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी इस कार्यशाला में कुछ समय के लिए शामिल हो सकते हैं। हालांकि अभी उनके शामिल होने पर संशय बना हुआ है।

मई से जिला स्तर पर होगी ट्रेनिंग

प्रशिक्षण महाअभियान के तहत 22 अप्रैल को इंदौर में पश्चिम मध्य राज्यों के वक्ताओं की कार्यशाला होगी। ये वक्ता मई में जिलों में जाकर प्रशिक्षण देंगे। इंदौर की छोटी टोली की बैठक हो चुकी है। प्रशिक्षण की सभी तैयारियां पूर्ण होने को हैं।

■ अजय सिंह यादव, सह संयोजक प्रदेश प्रशिक्षण महाअभियान

मुंबई में हुई थी मंडल प्रशिक्षण के लिए कार्यशाला

इससे पहले फरवरी में मुंबई में प्रशिक्षण दिया गया था। यहां पर उन वक्ताओं को बुलाया गया था, जिन्हें मंडल स्तर पर इस महाप्रशिक्षण में जाकर प्रशिक्षण देना था। इंदौर में जो प्रशिक्षण दिया जा रहा है, वे वक्ता जिलों में जाएंगे।

मंत्रियों को भी मिलेगी जिम्मेदारी, लक्ष्य-हर बूथ से 51% वोट

मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी अभी से सक्रिय हो गई है। पार्टी ने साल 2026 में ही खुद की मजबूती और मैदानी रणनीती के लिए काम करना शुरू कर दिया है। दरअसल विधानसभा की सभी 230 सीटें जीतने का लक्ष्य तय करके भाजपा ने मिशन 2028 के लिए रणनीति बनाई है। इस रणनीति के तहत भाजपा कमजोर सीटों पर सबसे अधिक फोकस करने वाली है। रणनीति के तहत करीब 70 सीटों को चिह्नित करके भाजपा ने जहां संगठनात्मक गतिविधियों को बढ़ा दिया है, वहीं यहां मंत्रियों को भी मैदान में उतारने की फैसला भाजपा ने कर लिया है। जानकारी के मुताबिक पार्टी की रणनीति कमजोर सीटों पर भाजपा को मजबूत करने की है और इसके लिए मंत्रियों को जिम्मा सौंप दिया है। मंत्रियों को लगातार वहां पर रात बिताने के साथ ही बैठकें करने का निर्देश दिया गया है साथ ही हार के कारणों को तलाशने का भी जिम्मा सौंपा गया है। भाजपा इस काम में निकाय और त्रि स्तरीय पंचायती राज चुनावों से पहले ही जुट गई है। इस काम के लिए भाजपा ने प्रदेश पदाधिकारियों, संभाग प्रभारी एवं जिला प्रभारियों को टाइम लाइन थमा दी गई है। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष से लेकर बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को जनता व कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें करने की बात कही गई है। पार्टी की नई गाइडलाइन के तहत प्रदेशाध्यक्ष से लेकर दिग्गज नेताओं को महीने भर का शैड्यूल समझा दिया गया है। बूथ स्तर पर पकड़ मजबूत करने के लिए पार्टी का लक्ष्य प्रत्येक बूथ पर 51 प्रतिशत वोट शेयर हासिल करना है। इसके लिए पन्ना प्रमुखों को सक्रिय कर घर-घर संपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

साझा किया एक माह का शैड्यूल

कमजोर सीटों को मजबूत करने के लिए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष से लेकर बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को जनता व कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें करने की बात कही गई है। पार्टी की नई गाइडलाइन के तहत प्रदेशाध्यक्ष से लेकर दिग्गज नेताओं को महीने भर का शैड्यूल समझा दिया गया है।

अल्पसंख्यक और जातिगत समीकरण पर भी व्यापक नजर

वहीं अल्पसंख्यक और जातिगत समीकरण को देखते हुए इन सीटों पर नजदीकी विधायकों को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पहुंचाने का निर्देश दिया गया है। भाजपा की नई रणनीति को लेकर पार्टी मुख्यालय में संभाग और जिला प्रभारियों की बैठक में टारगेट सेट किए गए हैं।

भोपाल। विधानसभा के सेंट्रल हाल में सोमवार को पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय बृजमोहन मिश्रा की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि दी गई। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, राज्य मंत्री कृष्णा गौर, पूर्व मंत्री एवं विधायक अर्चना चिटनिस सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

सिंगरौली शिक्षा विभाग में घोटाले पर लोकायुक्त सख्त

स्वच्छता, लैब, बिजली, जहां देखो वहां घपला, डीईओ समेत कई अफसरों पर FIR

ब्यूरो। सिंगरौली जिले में शिक्षा विभाग से जुड़ा एक बड़ा घोटाला सामने आने के बाद अब कार्रवाई भी शुरू हो गई है। लोकायुक्त रीवा ने जिले के शिक्षा विभाग में करोड़ों रुपए की खरीद में हुई कथित अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए जांच तेज कर दी है। इस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी समेत कई अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार का केस दर्ज कर लिया गया है, जिससे विभाग में हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक, इस पूरे मामले को लेकर एक शिकायतकर्ता ने लोकायुक्त कार्यालय रीवा में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय सिंगरौली में तय नियमों को नजरअंदाज कर बड़े पैमाने पर खरीद की गई और पद का दुरुपयोग करते हुए भारी वित्तीय अनियमितताएं की गईं। जांच में अनियमितताओं की पुष्टि होने के बाद लोकायुक्त रीवा ने सिंगरौली के जिला शिक्षा अधिकारी सूर्यभान सिंह, सहायक संचालक शिक्षा राजधर साकेत, जिला परियोजना समन्वयक रामलखन शुक्ल, सहायक परियोजना समन्वयक (वित्त) छबिलाल सिंह सहित अन्य अधिकारियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 43/2026 दर्ज किया है। यह मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 और भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किया गया है।

चौंकाने वाले आंकड़े

दस्तावेजों के अनुसार, 558 शालाओं के लिए स्वच्छता और कीटाणुनाशक खरीदी 97 लाख 67 हजार 790 रुप

19 स्कूलों के लिए वर्चुअल रियलिटी लैब की खरीद में लगभग 4 करोड़ 68 लाख 16 हजार रुपए खर्च

61 स्कूलों में बिजली व्यवस्था, उपकरण और सामान्य मरम्मत सामग्री की खरीद पर 3 करोड़ 5 लाख रुपए

इन सभी खरीद प्रक्रियाओं में नियमों, निविदा प्रक्रिया और भुगतान पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। लोकायुक्त रीवा की टीम ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय सिंगरौली से खरीद से जुड़े अहम दस्तावेज जब्त किए।

लोकायुक्त का बयान

लोकायुक्त रीवा के टीआई संदीप भदौरिया ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद जांच की गई थी। जांच में शुरुआती तौर पर गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं, इसी के आधार पर प्रकरण दर्ज किया गया है। सभी दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है।

61% ज्यादा राजस्व देकर जिलों में मैहर अव्वल

शराब दुकानों के ठेकों से राजस्व में इंदौर नंबर-1, भोपाल दूसरे स्थान पर

3 हजार 553 शराब दुकानों का आवंटन, 20279 करोड़ का लक्ष्य, राजस्व मिला, 20 हजार 481 करोड़

भोपाल। मध्यप्रदेश में शराब की सभी 3 हजार 553 दुकानों के ठेके आवंटित हो गए है। शराब की दुकानों के ठेके से राज्य सरकार को इस साल 18 हजार 679 करोड़ 39 लाख रुपए प्राप्त होंगे। संपूर्ण ठेके पिछले साल के ठेका मूल्य से 12.3 प्रतिशत अधिक पर गए है। अन्य स्रोतों से भी सत्रह सौ 75 करोड़ से अधिक की आय होगी। शराब दुकानों के ठेकों में जो ऑफर स्वीकृत हुए है उसमें कमाई का सर्वाधिक हिस्सा इंदौर जिले से प्राप्त होगा। यहां की 173 शराब दुकानें इस वर्ष के आरक्षित मूल्य 2102.43 करोड़ से अधिक पर 2184.76 करोड़ रुपए में गई है। यह ठेके पिछले साल के वार्षिक मूल्य से 24.50 प्रतिशत अधिक पर गए है। भोपाल जिला कुल कमाई में दूसरे नंबर का हिस्सेदार है। यहां की 87 दुकानों से 1206 करोड़ 25 लाख रुपए की आय होगी पिछले साल के ठेकों से यह 1.09 प्रतिशत अधिक है। वहीं मैहर जिले की 16 दुकानों के ठेके पिछले साल के वार्षिक मूल्य से 61.02 प्रतिशत अधिक पर गए है यह प्रदेश में सर्वाधिक है। यहां इस वर्ष के आरक्षित मूल्य 97 करोड़ के विरुद्ध 130.16 करोड़ रुपए की आय होगी।

आबकारी विभाग ने नये आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना के नेतृत्व में इस बार धैर्य के साथ सभी 3 हजार 553 शराब दुकानों का आवंटन करने में सफलता हासिल की है। वित्त विभाग ने इस वर्ष आबकारी विभाग को 20279 करोड़ के राजस्व संग्रहण का लक्ष्य दिया था। इससे आबकारी विभाग ने पार करते हुए 20 हजार 481 करोड़ का राजस्व अर्जित करने में सफलता अर्जित की है। आबकारी दुकानों से अतिरिक्त राजस्व अर्जित करने में इंदौर अव्वल रहा है। इंदौर से 432 करोड़ अतिरिक्त राजस्व आबकारी विभाग को मिला है। यह कुल राजस्व का 21 प्रतिशत है। इस बार के शराब ठेकों में मैहर जिला गत वर्ष के वार्षिक मूल्य से 61.02 प्रतिशत वृद्धि के साथ प्रदेश में पहले स्थान पर है। मंडला दूसरे स्थान पर है यहां 51.92 प्रतिशत अधिक पर ठेके गए है। सीधी तीसरे स्थान पर है यहां के ठेके पिछले साल के ठेका मूल्य से 50.53 प्रतिशत अधिक पर गए है।

हनुमना: पुलिस चौकी में चोरी, बंद टैंकर से 'उड़ गया' 2000 लीटर डीजल

मऊगंज। प्रदेश के मऊगंज में चोरी और पुलिस के बीच गजब की जुगलबंदी नजर आ रही है। हनुमना थाना के पिपराही चौकी में 2000 लीटर डीजल से भरा पिकअप देखते ही देखते खाली हो गया। मामले की जांच की जा रही है। ये मामला हनुमना थाना अंतर्गत पिपराही चौकी का है। साल 2023 में पुलिस ने मऊगंज निवासी सुमित कुमार गुप्ता की पिकअप गाड़ी को 2000 लीटर डीजल के साथ जब्त किया था। अवैध परिवहन का आरोप लगा, मामला कलेक्टर कोर्ट पहुंचा. हालांकि, पीड़ित सुमित ने हार नहीं मानी। कोर्ट के आदेश पर सुमित ने 1,81,630 रुपए का जुर्माना भरा। लेकिन जब सुमित चौकी पहुंचा, टैंकर का ताला बंद था, पर अंदर तेल की एक बूंद तक नहीं थी। पुलिस अफसरों का कहना है कि डीजल उड़ गया। सवाल यह है कि कड़े पहरे और बंद ताले के बीच 2000 लीटर डीजल कैसे उड़ सकता है?

इंदौर नगर निगम की पहल, अगले माह से शुरू होगा काम

9 हजार सफाईकर्मियों के घर सोलर एनर्जी से होंगे रोशन

इंदौर

सस्टेनेबल लिविंग सिटी प्रोग्राम के तहत इंदौर में 9 हजार सफाईकर्मियों के घर सोलर से रोशन करने के लिए नगर निगम और यूनिटी ऑफ नेशनल एक्शन फॉर क्लाइमेट चेंज काउंसिल के बीच एमओयू हुआ है। अगले माह से घरों में सोलर सिस्टम लगाने का काम शुरू होगा इसके लिए काउंसिल ने सर्वे भी किया है। 180 देशों में काम कर रही इस संस्था ने देश के सबसे साफ शहर इंदौर को इस प्रोजेक्ट के लिए चुना है। काउंसिल के

प्रबंध निदेशक अभिजीत खेमकर ने बताया कि दो से तीन किलोवाट के सिस्टम घरों में लगाए जाएंगे।

बाजार में इस सिस्टम की लागत दो से ढाई लाख तक आती है, लेकिन हम इन परिवारों को 1.48 लाख में ही यह सिस्टम लगाकर दे रहे हैं, ताकि कम बिजली बिलों के कारण उनकी बचत हो सके। सिस्टम लगाने पर खर्च होने वाली राशि भी बैंकों से लोन के रूप में मिलेगी। एक परिवार को पांच सौ रुपये महीना की किस्त भरना होगी।

25 साल में 270 करोड़ की बचत

काउंसिल के के मुताबिक यदि सफाईकर्मी घरों पर सोलर सिस्टम लगाते हैं तो 25 साल में 270 करोड़ रुपये की बचत इन परिवारों को होगी। केंद्र सरकार की हर घर सोलर योजना के तहत इन परिवारों को पायलट प्रोजेक्ट के तहत चुना गया है, क्योंकि सफाईकर्मियों के कारण इंदौर स्वच्छता में कई वर्षों से सिरमौर रहा है। काउंसिल की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष शिशिर पंडित ने कहा कि हमारी कोशिश है कि इंदौर देश का पहला सस्टेनेबल नेट-जीरो शहर बने। यह शहर सोलर सिटी में तब्दील हो सकता है।

आज दिल्ली कैपिल्स से खेलेगी सनराइजर्स हैदराबाद

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला करेगी। इस मैच में सनराइजर्स का पलड़ा भारी नजर आता है क्योंकि उसका अब तक का प्रदर्शन दिल्ली से बेहतर रहा है। अंक तालिका में दोनो ही टीमों के 6-6 अंक हैं पर बेहतर रन औसत के कारण सनराइज चौथे जबकि दिल्ली पांचवे स्थान पर है। ईशान किशन की कप्तानी में अबतक सनराइजर्स का प्रदर्शन बेहतर होता गया है। उसकी गेंदबाजी भी युवाओं को शामिल करने के बाद से ही मजबूत हुई हैं। उसके युवा गेंदबाजों प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन ने अच्छी गेंदबाजी कर विरोधी टीमों पर दबाव बनाया है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के बाद से ही टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। हिंगे के अलावा युवा गेंदबाज ईशान मलिंगा ने भी काफी अच्छी गेंदबाजी की है। जहां

तक बल्लेबाजी की बात है उसके पास ईशान के अलावा हेनरिक क्लासेन , ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। उसका कमजोर पक्ष मध्यक्रम के बल्लेबाजों की विफलता है। जिस पर ही दिल्ली कैपिल्स हमला करने का प्रयास करेगी। अक्षर पटेल की कप्तानी में उतर रही

दिल्ली कैपिटल्स की टीम अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं बना पाई है। अब तक केएल राहुल, पथुम निसांका और ट्रिस्टन स्टब्स जैसे बल्लेबाजों ने ही रन बनाए हैं पर अन्य बल्लेबाज विफल रहे हैं। युवा समीर रिजवी पिछले तीन मैच से रन नहीं बना पा रहे हैं जिससे उसकी परेशानी बढ़ गयी है। दिल्ली की गेंदबाजी हालांकि अच्छी है। उसके पास

तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी के अलावा स्पिनर कुलदीप यादव हैं। कप्तान अक्षर पटेल ने भी अच्छी गेंदबाजी की है इसके अलवा युवा गेंदबाजों मुकेश कुमार व टी नटराजन का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है।

अब तक दोनो टीमों के बीच हुए 26 मुकाबलों में से सनराइजर्स ने 13 जबकि दिल्ली कैपिटल्स ने 12 मैच जीते हैं। ऐसे में इस बार भी इनके बीच कड़े मुकाबले की उम्मीदें हैं।

ऋषभ ने बताया, बडोनी के पारी शुरु करने का कारण

न्यू चंडीगढ़। लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत आईपीए में पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार से निराश हैं। इस मैच में ऋषभ के कुछ फैसलों को लेकर भी सवाल उठे हैं। इस टूर्नामेंट की शुरुआत में ऋषभ पारी की शुरुआत के लिए आये थे पर इस मैच में उन्होंने आयुष बडोनी को पारी शुरु करने के लिए भेजा था। आयुष ने मिचेल मार्श के साथ पारी शुरु की। बडोनी ने 21 गेंदों पर 35 रन बनाकर टीम को अच्छी शुरुआत दी। ऋषभ ने अब बदोनी से पारी शुरु कराने का कारण बताया है। ऋषभ कहा, हमने मैदान पर जाकर खुलकर खेलने का फैसला लिया था। यह पहले से तय था कि बडोनी पारी शुरु करेंगे पर ये बात हमने सार्वजनिक नहीं की थी। हम शीर्ष ऑर्डर में थोड़ी आजादी चाहते थे

और मैं मध्य क्रम में सहायता करना चाहता था। वहीं मैच में हुई गलती को लेकर कप्तान ने कहा कि ये बताना कठिन है। सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया था। इस मैच से कुछ सकारात्मक बातें भी हुई हैं। हमे एक टीम के तौर पर बेहतर करने में सफल रहे हैं। ये भी मानना होगा कि विरोध टीम का प्रदर्शन हमसे बेहतर रहा।

अंक तालिका में पंजाब पहले आरसीबी दूसरे और रॉयल्स तीसरे नंबर पर

मुम्बई। पंजाब किंग्स की टीम ने आईपीएल में लखनऊ सुपर जाएंट्स को 54 रनों से हराकर अंक तालिका में सबसे अधिक 11 अंक हासिल कर एक नया रिकार्ड बनाया है। पंजाब की टीम आईपीएल इतिहास में सत्र के पहले 6 मैचों में नहीं हारी है। उसने पांच मैच जीते हैं जबकि एक मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया। पंजाब अंक तालिका में नंबर एक पर बनी हुई है। वहीं गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) दूसरे के अलावा राजस्थान रॉयल्स तीसरी और सनराइजर्स हैदराबाद चौथे नंबर पर है। राजस्थान रॉयल्स को एक अन्य मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हुए मुकाबले में लगातार हार का सामना करना पड़ा। रायल्स को इस सत्र में दो हार मिली है पर इसके बाद भी वह अंक तालिका में दूसरे नंबर पर बनी हुई है।

श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा के वीडियो से हुआ विवाद

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा अय्यर के सोशल मीडिया पर साझा किये एक वीडियो से विवाद पैदा हो गया है। दरअसल, श्रेष्ठा अय्यर ने अपने नए वीडियो में अपनी एक नई बिल्ली का परिचय कराया और उसका नाम जीजी बताया। वहीं क्रिकेट प्रशंसकों के बीच जीजी नाम नाम का प्रयोग आमतौर पर कोच गौतम गंभीर के उपनाम के तौर पर किया जाता है, जो इस विवाद का कारण बन गया है। वीडियो में श्रेष्ठा अपनी बिल्ली को संबोधित करते हुए कुछ ऐसे वाक्य कहती हैं, जिन्हें प्रशंसक गंभीर पर सीधा और जानबूझकर किया गया निशाना मान रहे हैं। वह कहती हैं, हेलो दोस्तों, मिलिए मेरे नए बेबी 'जीजी' अभी छोटा बच्चा है, इसलिए उसे अभी कुछ चीजें सीखने की जरूरत है। उसे यह सीखना होगा कि 'चिकन' शब्द पर कैसे प्रतिक्रिया दी जाती है। यहां तक कि जब आप सो रहे हों, तब भी आपको 'चिकन' शब्द का जवाब देना होगा। सोशल मीडिया पर यूजर्स श्रेष्ठा के इन वाक्यों का गहरा विश्लेषण कर रहे हैं। वहीं कई लोग भारतीय हेड कोच गौतम गंभीर की निर्णय लेने की क्षमता और उनकी समझ पर एक कटाक्ष मान रहे हैं। अंग्रेजी में चिकन शब्द का प्रयोग अक्सर डरपोक या कायर व्यक्ति के लिए किया जाता है। प्रशंसकों का मानना है कि श्रेष्ठा इसके माध्यम से गौतम गंभीर के कुछ फैसलों या उनकी शख्सियत को डरपोक या कायरतापूर्ण बताने की कोशिश कर रही हैं। इस तरह की टिप्पणियां सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई हैं, और लोगों ने इनपर कड़ी प्रतिक्रियाएं दी हैं।इस पूरे विवाद की जड़ श्रेयस अय्यर के प्रशंसकों के बीच लंबे समय से चली आ रही एक धारणा से जुड़ी है। उनके प्रशंसकों का यह मानना रहा है कि श्रेयस अय्यर को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में वह सम्मान और श्रेय नहीं मिला, जिसके वे वास्तविक अधिकारी थे। विशेष रूप से, 2024 में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में केकेआर ने अपना तीसरा आईपीएल खिताब जीता था, जो एक बड़ी उपलब्धि थी।

धोनी की वापसी को लेकर मुझे जानकारी नहीं -कोच हसी

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह अभी तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 19 वें सत्र में एक भी मैच में नहीं उतरे हैं। इससे धोनी के प्रशंसक आशंकित हैं और उनको लग रहा है कि कहीं धोनी संन्यास तो नहीं ले रहे क्योंकि वह 44 साल के हो रहे हैं और लीग शुरु हुए महीना पूरा होने जा रहा है। इसी को लेकर जब टीम के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी से पूछा गया तो उनका भी कहना है कि धोनी की वापसी को लेकर उन्हें जानकारी नहीं है। धोनी आईपीएल की शुरुआत से पहले ही अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गये थे। उनकी पिंडली में चोट लगी थी जिससे वह उबर रहे हैं और टीम के साथ यात्रा भी कर रहे हैं।

सीएसके प्रबंधने ने भी अभी तक ये नहीं जानकारी दी है कि वह कब तक वापसी करेंगे। हसी के अनुसार धोनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं पर अभी मैच के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं। हसी से जब पूछा गया कि क्या धोनी की वापसी को लेकर कोई योजना है, तो उन्होंने कहा, नहीं, मुझे नहीं पता। मुझ बस इतनी जानकारी है कि वह अपनी रिहैब में अच्छी प्रगति कर रहे हैं और मैं उनकी बल्लेबाजी से उत्साहित हूं।फ्रहसी ने आगे कहा, फ्र वापसी इसपर आधारित रहेगी कि वह दौड़ने की स्थिति में हैं या नहीं क्योंकि वह पारी के आखिरी ओवरों में बल्लेबाजी करने उतरेंगे। ऐसे में उन्हें तेजी से एक या दो रन लेने होंगे। उन्हें देखना होगा कि दौड़ आसानी से लगा पा रहे हैं या नहीं। इसके बाद भी मुझे में चाहूंगा कि वह शीघ्र वापसी करें।

पंजाब आईपीएल अंकतालिका में 10 अंकों से ऊपर पहुंचने वाली पहली टीम बनी

न्यू चंडीगढ़ । पंजाब किंग्स ने आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इस जीत के साथ ही पंजाब आईपीएल अंकतालिका में 10 अंकों से ऊपर पहुंचने वाली पहली टीम बन गयी है। उसके अब 11 अंक हो गये हैं। पंजाब ने आईपीएल के शुरुआती 6 मुकाबलों में से पांच जीते हैं जबकि एक बारिश के कारण नहीं हो पाया। वहीं इस मैच में मिली हार के साथ ही सुपरजायंट्स अपना चौथा मैच हारी है।

इस मैच में पंजाब के सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने 37 गेंद में 93 रन जबकि कूपर कोनोली ने 87 रनों की पारी खेलकर पंजाब को एक बड़े स्कोर तक पहुंचाया। वहीं बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए सुपरजायंट्स के बल्लेबाजों ने काफी प्रयास किया पर असफल रहे। इस मैच में पावरप्ले में 63 रन बने। इस मैच का आकर्षण प्रियांस की पारी रही। इस बल्लेबाज ने अपनी जगह पर खड़े-खड़े कई शॉट लगा दिये। यहां तक की बाउंसर गेंदों पर भी आसानी से पुल या हुक शॉट लगा दिये। दूसरी ओर कोनोली भी तेज से शॉट खेलते दिखे।

प्रियांश ने अपना अर्धशतक सिर्फ 19 गेंदों में पूरा किया जबकि कोनोली ने 35 गेंदों में अपने 50 रन पूरे किये।

इस मैच में सुपरजायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत को एक गलती भारी पड़ गयी। जब पारी की शुरुआत में ही बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहसिन खान ने कोनोली को आउट कर दिया था तो उन्होंने डीआरएस नहीं लिय जबकि रिप्ले में कोनोली आउट नजर आ रहे थे। इसके बाद कोनोली ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से मैच सुपरजायंट्स के हाथों से छीन लिया। इस मैच में

लखनऊ सुपर जायंट्स ने भी लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी बल्लेबाजी की। शुरुआत आयुष बदोनी और मिचेल मार्श ने पहले विकेट के लिए शुरुआत में ही 61 रन बना दिये। मार्श 28 गेंदों में 3 चौके और 2 छक्कों की मदद से 40 रन बनाकर आउट हुए. वहीं, बदोनी ने 21 गेंदों में 35 रन बनाए. उन्होंने अपनी इस पारी में 5 चौके और एक छक्का लगाया. कप्तान ऋषभ ने भी केवल 23 गेंदों में 43 रन बना दिये पर निकोलस पूरन इस मैच में भी रन नहीं बना पाये और दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये।

भारत में फीफा विश्वकप मैचों के प्रसारण को लेकर संशय बरकरार

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 का इंतजार पूरे विश्व के साथ-साथ भारत में भी फुटबॉल प्रशंसक कर रहे हैं हालांकि इसके देश में प्रसारण को लेकर संशय छाया हुआ है। इसका कारण ये है कि अभी तक किसी भी भारतीय टेलीविजन या डिजिटल प्लेटफॉर्म ने इस मेगा इवेंट के मीडिया अधिकार नहीं खरीदे हैं, जिससे यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या भारतीय दर्शक इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट को देख पाएंगे या नहीं।

विश्व कप संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। 11 जून, 2026 से इसकी शुरुआत होगी और यह पहली बार होगा जब 48 टीमें इसमें हिस्सा लेंगी, जिससे प्रतिस्पर्धा और भी रोमांचक होने की उम्मीद है। भारत की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम भले ही इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई हो, लेकिन देश में फुटबॉल के प्रति जुनून किसी से छिपा नहीं है। लाखों भारतीय प्रशंसक हर चार साल में होने वाले इस आयोजन का बेसब्री से इंतजार करते हैं, अपनी पसंदीदा टीमों और खिलाड़ियों को खेलते देखने के लिए उत्सुक रहते हैं। पिछले विश्व कपों में भी भारत में रिकॉर्ड तोड़ दर्शक संख्या दर्ज की गई थी, जो यहां के फुटबॉल प्रेम की गहराई को दर्शाता है।

लेकिन, इस बार स्थिति काफी अलग और चिंताजनक है। फीफा ने 2025 में ही विश्व कप के मीडिया अधिकारों की बिक्री प्रक्रिया शुरू कर दी थी, ताकि प्रसारणकर्ता को पर्याप्त समय मिल सके। विभिन्न देशों में अधिकार बेचे जा चुके हैं, लेकिन भारत में अभी तक कोई भी आधिकारिक प्रासरणकर्ता सामने नहीं आया है।

प्रसारण अधिकारों की बिक्री में यह गतिरोध मुख्य रूप से वित्तीय पहलुओं से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है। फीफा ने शुरुआत में 2026 और 2030 दोनों विश्व कप के संयुक्त मीडिया अधिकारों की कीमत 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 830 करोड़ रुपये) आंकी थी, जो कि भारतीय बाजार के लिए एक बहुत बड़ी राशि मानी जा रही थी। इस भारी कीमत के कारण कोई भी संभावित खरीददार आगे नहीं आया। खरीदार न मिलने के बाद, फीफा ने कीमत में भारी कटौती करते हुए इसे 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 290 करोड़ रुपये) कर दिया। इतनी बड़ी कमी के बावजूद, अभी तक कोई भी भारतीय टेलीविजन चैनल या डिजिटल प्लेटफॉर्म इन अधिकारों को खरीदने के लिए तैयार नहीं हुआ है। यह स्पष्ट नहीं है कि ब्रॉडकास्टर्स अभी भी इस कीमत को बहुत अधिक मान रहे हैं या फिर उन्हें इसमें अपेक्षित व्यावसायिक लाभ नहीं दिख रहा है।

यह स्थिति भारत के करोड़ों फुटबॉल प्रशंसकों के लिए एक बड़ा झटका है, जो विश्व कप के रोमांचक मुकाबलों को अपने घरों में बैठकर देखने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। अगर जल्द ही कोई समाधान नहीं निकलता है, तो संभव है कि भारतीय दर्शकों को फीफा विश्व कप 2026 के मैचों से वंचित रहना पड़े, जो सबसे निराशाजनक होगा। ऐसे में मैचो के प्रसारण के लिए फीफा और भारतीय प्रसारणकर्ताओं के बीच शीघ्र ही किसी समझौते की जरुर है।

ऑरेंज कैप के लिए वैभव, पर्पल कैप की रेस में कंबोज शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई । राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी 46 रनों की पारी के साथ ही सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ मे शीर्ष पांच बल्लेबाजों में शामिल हो गये हैं। वैभव ने इस मैच में 28 गेंदों पर 6 चौके और 2 छक्के लगाये। इस दौरान इस बल्लेबाज का स्ट्राइक रेट 164.29 का था। वैभव ने अब तक इस आईपीएल सत्र के 6 मैचों में 246 रन बनाये हैं, उन्होंने यह रन 41 की औसत और 236.54 के स्ट्राइक रेट से बनाये हैं। इस प्रकार वह सबसे अधिक रन बनाने वालों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं पहले नंबर पर 283 रनों के साथ ही सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन हैं जबकि दूसरे पर गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल 251 और तीसरे पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली 247 रन हैं। वहीं वैभव सूर्यवंशी 246 रनों के साथ ही चौथे और रजत पाटीदार 230 रनों के साथ ही पांचवे स्थान पर हैं। वहीं सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की सूची में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज

बेहतरीन प्रदर्शन कर पहले नंबर पर हैं उनके 6 मैचों में 13 विकेट हैं और वह पर्पप कैप की दौड़ में नंबर एक पर हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव ने 6 मैचों में 11 विकेट लेकर दूसरा स्थान हासिल किया है। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2/20 और 8.59 का इकॉनमी रेट रहा है। तीसरे नंबर पर गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा हैं। प्रसिद्ध कृष्णा ने 5 मैचों में 11 विकेट लिए हैं।उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/28 रहा है और उनका 9.20 का इकॉनमी रेट रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार ने 6 मैचों में 10 विकेट लिए हैं। उनका इकॉनमी रेट 8.33 है, जो शीर्ष 5 में सबसे अच्छा है। राजस्थान रॉयल्स के रवि बिश्नोई पांचवे नंबर पर हैं। बिश्नोई ने 6 मैचों में 10 विकेट लिए हैं और उनका इकॉनमी रेट 9.50 है।

तीनों ही प्रारुप में हैट्रिक लगाने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं अभिमन्यु मिथुन

मुम्बई। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर अभिमन्यु मिथुन के नाम एक ऐसा रिकार्ड है। जो किसी अन्य के नाम पर नहीं हैं। अभिमन्यु ने अपने करियर में भारतीय टीम के ओर से केवल 9 मैच खेले हैं पर घरेलू क्रिकेटर में इस क्रिकेटर का करियर लंबा चला है। अभिमन्यु भारत के ऐसे पहले क्रिकेटर हैं, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में हैट्रिक लगायी है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश के खिलाफ हैट्रिक ली. विजय हजारे ट्रॉफी में तमिलनाडु और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हरियाणा के खिलाफ हैट्रिक लगायी। ये ऐसा रिकार्ड है जो किसी के भी नाम नहीं

है। इस क्रिकेटर को तेज गेंदबाजी और अच्छी लाइन-लेंथ के लिए जाना जाता था। 2010 में श्रीलंका के खिलाफ गाले में उन्होंने अपने पहले ही टेस्ट की पहली पारी में 4 विकेट लिए थे। वहीं इसी साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में एकदिवसीय डेब्यू किया था। मिथुन ने भारत के लिए कुल 4 टेस्ट और 5 एकदिवीसय मैच खेलते हुए कुल 12 विकेट लिए है। मिथुन एक गेंदबाज के अलावा निचले क्रम में उपयोगी बल्लेबाजी भी कर लेते थे। टेस्ट क्रिकेट में उनका औसत 24.00 का रहा. उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट जून 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ और आखिरी एकदिवसीय दिसंबर 2011 में वेस्टइंडीज के ही खिलाफ खेला था.इस क्रिकेटर ने 2021 में भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी थी। भले ही इस क्रिकेटर को भारतीय टीम में अधिक अवसर नहीं मिले, लेकिन कर्नाटक के लिए 300 से ज्यादा फर्स्ट क्लास विकेट और घरेलू क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में हैट्रिक की उपलब्धि इस खिलाड़ी के नाम है। इसके अलावा टी20 के अंतिम ओवर में इस क्रिकेटर के नाम एक ओवर में 5 विकेट लेने का रिकार्ड भी है। अभिमन्यु ने साल 2019 में घरेलू क्रिकेट में ये रिकार्ड बनाया। तब कर्नाटक की ओर से खेलते हुए उन्होंने हरियाणा के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पारी के आखिरी ओवर में पांच विकेट लिए थे। ओवर की पहली चार गेंदों पर उन्होंने लगातार 4 विकेट लिए और आखिरी गेंद पर 5वां विकेट लिया।

शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर को बाहर करे मुम्बई इंडियंस- श्रीकांत

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने आईपीएल में खराब प्रदर्शन कर रहे मुम्बई इंडियंस के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर को आड़े हाथों लिया है। श्रीकांत ने कहा है कि इन दोनो को ही घर वापस भेज देना चाहिये क्योंकि ये दोनो ही अंतिम ग्यारह में रखे जाने के योग्य नहीं दिखते। श्रीकांत ने मुंबई इंडियंस के प्रबंधन से कहा है कि इन दोनो को आगे के मैचों में शामिल न करे। श्रीकांत ने कहा, मुझे नहीं पता कि मुंबई इंडियंस कैसे दीपक चाहर को अंतिम ग्यारह में शामिल किये हुए है। पहले ही ओवर में चाहर ने 21 रन दिए और फिर 22 रन दिए थे। 2.3 ओवर में 45 रन। वहीं शार्दुल ने 3 ओवर में 42 रन दिए। उन्होंने एक साथ 5.3 ओवर किए और 87 रन खर्च किए। उन्होंने साथ ही कहा, इस प्रकार के गेंदबाजों के साथ किया प्रकार से जीता जा सकता है। श्रीकांत इन दोनो से इतने नाराज दिखे की उन्होंने कहा कि इन्हें पैसे देकर आराम से घर बैठने को कहो। जब जरुरत होगी इन्हें बुला लिया जाएगा।। वहीं टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है पर टीम के कोच महेला जयवर्धने ने उनका बचाव किया है।

लेसनर ने डब्ल्यूडब्ल्यूई से संन्यास के संकेत दिये

सैन डियागो। डब्ल्यूडब्ल्यूई के इतिहास के सबसे बड़े और प्रभावशाली नामों में से एक, ब्रॉक लेसनर, ने हाल ही में हुए रेसलमेनिया 42 में अपनी हार के बाद संन्यास के संकेत दिये है। इस दौरान उन्होंने प्रशंसकों को भावनात्मक भी दिया। लेसनर ने इसमें अपने करियर के संभावित अंत के भी संकेत दिये, जिसने पूरे कुश्ती जगत में अटकलों को बढ़ा दिया। ओबा फेमी से मिली करारी हार के बाद रिंग में उनके संकेतों से अंदाज हो गया कि वह संन्यास लेने जा रहे हैं। लेसनर का डब्ल्यूडब्ल्यूई में करियर हमेशा शानदार रहा है। उन्हें निस्संदेह कुश्ती के महानतम खिलाड़ियों में से एक माना जाता है, जिन्होंने अपनी ताकत और कौशल से लाखों प्रशंसकों को दीवाना बनाया है.हर महान खिलाड़ी के जीवन में एक ऐसा समय आता है जब उन्हें अपने करियर को अलविदा कहना पड़ता है, और अब लेसनर भी उसी हाल में है। ओबा फेमी के खिलाफ उनका मैच एकतरफा और हैरान करने वाला रहा। ओबा फेमी ने पहले लेसनर के सिग्नेचर मूव को विफल कर दिया और फिर एक खतरनाक चोकस्लैम अपने घातक फॉल फ्रॉम ग्रेस मूव से लेसनर को पीछे कर दिया। यह हार, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया, लेसनर के करियर के सबसे निर्णायक पलों में से एक साबित हुई। मैच में हार के बाद ब्रॉक लेसनर धीरे-धीरे रिंग में बैठे, सामने देखा और फिर धीरे-धीरे अपने दोनों दस्ताने उतार दिए। इसके बाद एक पल का ठहराव आया और उन्होंने अपने जूते भी उतारकर रिंग के बीचो-बीच रख दिए।

हरभजन ने नेहरा को एक शानदार कोच बताया

मुम्बई । दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा की जमकर प्रशंसा की है। हरभजन के अनुसार नेहरा बेहद जुनूनी और उत्साही कोच हैं जो टीम को एकजुट बनाये रखते हैं। हरभजन के अनुसार जिस प्रकार नेहरा खिलाड़ियों से लगातार बात करते हैं और उनकी परेशानी दूर करते हैं उसी का कारण है कि टीम भी बेहतर प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने कहा कि नेहरा का स्वभाव व तरीका ऐसा है कि वह कहीं भी और किसी भी प्रकार के हालातों में माहौल को सहज बना सकते हैं। वह जहां भी जाते हैं, अपने आसपास सभी लोगों को सरल स्वभाव से सहज बना देते

हैं। वह किसी फुटबॉल कोच की तरह नजर आते हैं जो लगातार दौड़ता रहता है। उनकी खेल की समझ काफी अच्छी है जो उन्हें एक बेहतरीन कोच बनाती है। जिस प्रकार उन्होंने गुजरात टाइटंस को तैयार किया है वह तारीफ के काबिल बात है। ड्ड वहीं पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने कहा है कि आईपीएल से पहले कार्तिक त्यागी और अशोक शर्मा ने जो कड़ी मेहनत की थी उसी का फल अब इन दोनो को मिल रहा है जिससे ये काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। विशेषकर कार्तिक ने जिस प्रकार से चोट से उबरकर वापसी की है उसकी जितनी प्रशंस की जाये वह कम है।

पहलगाम हमले की पहली बरसी को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

श्रीनगर। एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले पूरी कश्मीर घाटी के पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। सेना के अधिकारियों के अनुसार 22 अप्रैल को होने वाली बरसी के मद्देनजर सभी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि 22 अप्रैल 2025 को बैसरन मैदान में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की गोली मारकर हत्या की गई थी, जिसमें अधिकतर पर्यटक शामिल थे। यह हमला लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों द्वारा किया गया था।

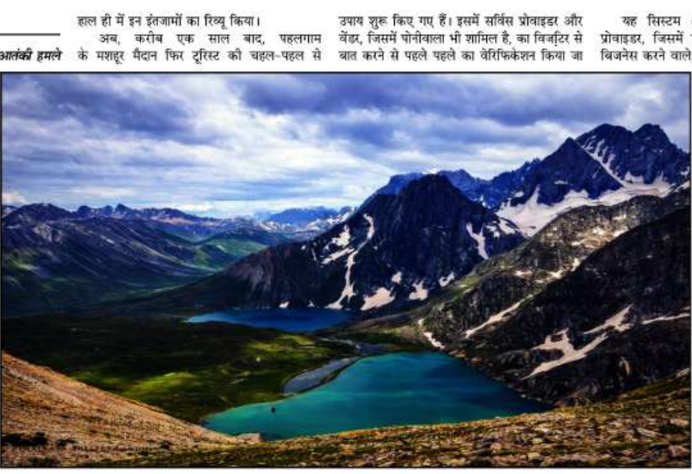

सेना के अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल 22 अप्रैल को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों ने पहलगाम में 26 लोगों को मार गिराया था। इस आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले कश्मीर भर के टूरिस्ट जगहों पर सुरक्षा बढ़ाई गई है। उन्होंने कहा कि सभी सुरक्षा एजेंसियों को पहलगाम आतंकी हमले की बरसी से एक दिन पहले, खासकर टूरिस्ट जगहों के आसपास किसी भी संभावित विध्वंसक गतिविधि के लिए अलर्ट रहने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि एक फुलप्रूफ सुरक्षा प्लान बनाने के लिए ग्राउंड लेवल पर तैयारी मीटिंग की गई, जबकि सीनियर अधिकारियों ने हाल ही में इन इंतजामों का रिव्यू किया।

अब, करीब एक साल बाद, पहलगाम के मशहूर मैदान फिर टूरिस्ट की चहल-पहल से गुलजार हैं, और किसी को भी अनंतनाग जिले में मिनी स्विट्जरलैंड जाने का पछतावा नहीं है, जो पिछले साल के आतंकी हमले के साए से उबर रहा है। टूरिस्ट की सुरक्षा पक्का करने के लिए पहलगाम रिसॉर्ट में कई नए उपाय शुरू किए गए हैं। इसमें सर्विस प्रोवाइडर और वेंडर, जिसमें पोनीवाला भी शामिल है, का विजिटर से बात करने से पहले पहले का वेरिफिकेशन किया जा रहा है। पहलगाम में टूरिस्ट की सुरक्षा के लिए सभी टूरिज्म सर्विस प्रोवाइडर के लिए एक खास क्यूआर कोड-बेस्ड आइडेंटिफिकेशन सिस्टम शुरू किया गया है।

यह सिस्टम असली और रजिस्टर्ड सर्विस प्रोवाइडर, जिसमें पोनी-राइड ऑपरेटर, फेरीवाले, बिजनेस करने वाले, और बाहर के वेंडर शामिल हैं, की आसानी से पहचान और वेरिफिकेशन करने में मदद करता है। सेना के अधिकारियों ने कहा, हर सर्विस प्रोवाइडर की पुलिस ने ठीक से जांच की है, अधिकारियों ने रजिस्टर किया है और एक खास क्यूआर कोड दिया गया है जिसमें उस व्यक्ति की पर्सनल जानकारी और दूसरी डिटेल्स होती हैं। उन्होंने कहा कि जब टूरिस्ट अपने मोबाइल फोन से कोड स्कैन करते हैं, तब वे उस व्यक्ति के बारे में पूरी जानकारी देख सकते हैं। क्यूआर कोड में सर्विस प्रोवाइडर का नाम, माता-पिता का नाम, पूरा पता, मोबाइल नंबर, आधार नंबर, रजिस्ट्रेशन नंबर, ऑपरेशनल रूट और यह भी होता है कि वे पुलिस-वेरिफाइड हैं या नहीं।

हाल ही में एक मीटिंग के दौरान, कश्मीर के पुलिस इंस्पेक्टर जनरल आईजीपी ने निर्देश दिया कि आने वालों के लिए सुरक्षित माहौल पक्का करने के लिए खास टूरिस्ट जगहों सहित कमजोर जगहों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए।

नदियों में दूध प्रवाहित करने पर नाराज हुए रिटायर्ड जज ओका..वैज्ञानिक सोच विकसित करे

चेन्नई। सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस अभय एस ओका ने आस्था के नाम पर नदियों में दूध प्रवाहित करने पर नाराजगी जताकर कहा है कि अगर लोगों में वैज्ञानिक सोच होती, तब वे इस तरह नदियों में दूध नहीं बहाते। हाल ही में चेन्नई में जस्टिस ओका ने पर्यावरण को बचाने के लिए वैज्ञानिक सोच विकसित करने की जरूरत पर बल देकर कहा कि आस्था के नाम पर कोई भी काम करने से पहले, उस काम को वैज्ञानिक सोच के आधार पर परखना जरूरी है। जस्टिस ओका ने कहा कि वैज्ञानिक सोच के आधार पर परखने वाला विश्लेषण धर्म के खिलाफ नहीं है। नदियों में दूध प्रवाहित करने और नदियों में स्नान की प्रथा का जिक्र कर जस्टिस ओका ने कहा कि अगर इसतरह के फैसलों को वैज्ञानिक सोच की कसौटी पर परखा जाए, तब पता चलेगा कि नदियों में दूध बहाने से जलीय जीवन पर बुरा असर पड़ता है और ठीक होने में काफी समय लगता है। उन्होंने कहा, धर्म के नाम पर, हम अपने पर्यावरण को नुकसान पहुँचाते हैं। अगर मैं वैज्ञानिक सोच विकसित करता हूँ, तब इसका मतलब यह नहीं है कि मैं किसी आस्था या धर्म के खिलाफ हूँ। रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस ओका ने कहा, मैं एक उदाहरण देता हूँ। उन लोगों को लीजिए जो नदियों में दूध बहाते हैं। अब, वैज्ञानिक सोच क्या है? कोई भी काम करने से पहले, आपको उस काम को विज्ञान के आधार पर परखना चाहिए। आपको पता चलेगा कि दूध नदियों को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचा सकता है। यह पानी को काफी हद तक प्रदूषित कर सकता है और ठीक होने में लंबा वक्त लगेगा, क्योंकि दूध में ऐसा गुण होता है कि यह ऑक्सीजन सोख लेता है। अब, अगर वहाँ बैठे उन लोगों में वैज्ञानिक सोच होती, तब वे ऐसा नहीं करते। इसलिए जब हम धर्म के नाम पर ऐसा कुछ करते हैं जिससे पर्यावरण पर असर पड़ता है, तब हमें यह परखना चाहिए कि हम जो करने जा रहे हैं, वह विज्ञान के आधार पर सही है या नहीं। आखिरकार, वैज्ञानिक सोच ही हमें बताती है कि क्या गलत है और क्या सही है। जब जस्टिस ओका से पूछा कि वैज्ञानिक सोच विकसित करने की जरूरत और पर्यावरण की रक्षा करने की जरूरत, अधिकारों और कर्तव्यों के बीच क्या संबंध है, तब जज ने वैज्ञानिक सोच और धार्मिक अधिकारों के पालन के बीच के आपसी तालमेल के बारे में विस्तार से बताया। जस्टिस ओका ने बताया कि हमारे देश में, अक्सर गरीबों को ही प्रदूषण का सबसे ज्यादा खामियाज़ा भुगतना पड़ता है, जबकि शहरों में रहने वाले लोग, जो अक्सर प्रदूषण फैलाने में अधिक योगदान देते हैं, शहरों में आराम से रहते हैं।

महिला आरक्षण बिल पर योगी सरकार ने बुलाया 30 अप्रैल को विधानमंडल का विशेष सत्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए महिला आरक्षण के मुद्दे पर अपनी राजनीतिक रणनीति तेज कर दी है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार ने 30 अप्रैल को विधानमंडल का विशेष सत्र बुलाने के प्रस्ताव को रविवार रात कैबिनेट बाई सर्कुलेशन के जरिए मंजूरी दे दी। संसद में नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक के पारित न हो पाने के बाद इस मुद्दे पर सियासत गरमा गई है।

विपक्ष जहां विधेयक की खामियों को गिनाकर अपने विरोध को सही ठहरा रहा है, वहीं भारतीय जनता पार्टी इस मुद्दे को लेकर विपक्ष पर हमलावर है और इसे चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा बना रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही इस मामले में विपक्ष पर तीखा हमला बोल चुके हैं। मिली जानकारी के अनुसार, 30 अप्रैल को होने वाले इस विशेष सत्र में सरकार महिला आरक्षण पर अपनी स्थिति स्पष्ट करेगी और विपक्ष के रुख को लेकर उसे घेरने की रणनीति अपनाएगी। सत्र के दौरान विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने की भी चर्चा है। चूंकि सत्र बुलाने के लिए सदस्यों को कम से कम सात दिन पहले सूचना देना जरूरी होता है, इसलिए प्रस्ताव को कैबिनेट बाई सर्कुलेशन के जरिए मंजूरी दी गई। अब इसे राज्यपाल की स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। सरकार का आरोप है कि विपक्ष महिला सशक्तीकरण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर भी राजनीति कर रहा है। वहीं, विपक्ष इस विधेयक को अधूरा और खामियों से भरा बताते हुए सरकार की मंशा पर सवाल उठा रहा है।

सुकेश महाठगी मामला-अभिनेत्री जैकलीन के सरकारी गवाह बनने की याचिका पर सुनवाई टली

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस से जुड़े 200 करोड़ रुपये के कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फिर कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ी है। मामले में जैकलीन की ओर से सरकारी गवाह (अप्रूवर) बनने के लिए दायर की गई अर्जी पर पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई टल गई है। अब मामले की अगली सुनवाई 8 मई को होगी। इस देरी के कारण केस में एक नया मोड़ आ गया है और सभी पक्षों की नजर अब अगली तारीख पर टिकी हुई है। सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अदालत से अतिरिक्त समय की मांग की, जिसे कोर्ट ने स्वीकार किया। ईडी ने स्पष्ट किया कि वह जैकलीन की अर्जी का विरोध कर रही है। एजेंसी का कहना है कि अभिनेत्री द्वारा सरकारी गवाह बनने का अनुरोध ᢇआधारहीनᢇ है और इस अर्जी को स्वीकार करने का कोई ठोस कारण नहीं बनता। ईडी ने आशंका जाहिर की कि यह कदम मामले से बचने की कोशिश हो सकता है।

यह पूरा मामला कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा है, जिस पर रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटरों के परिवार से करीब 200 करोड़ रुपये की ठगी और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोप हैं। जांच के दौरान ईडी ने दावा किया था कि सुकेश ने अवैध तरीके से हासिल किए गए पैसों से जैकलीन को कई महंगे उपहार दिए थे, जिसमें लग्जरी बैग, हीरे की ज्वेलरी, घड़ियां और अन्य कीमती वस्तुएं शामिल थीं। इन्हीं आधारों पर जैकलीन को इस मामले में आरोपी के रूप में जोड़ा गया था। दूसरी ओर, अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें सुकेश के आपराधिक इतिहास या उसकी असल पहचान के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। उनका दावा है कि सुकेश ने खुद को एक सफल और प्रभावशाली कारोबारी के रूप में पेश किया था और इस वजह से वह गुमराह हो गईं। इस मामले की शुरुआत वर्ष 2021 में हुई थी, जब दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने सुकेश के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया था। बाद में जांच को प्रवर्तन निदेशालय ने अपने हाथ में लिया और मनी लॉन्ड्रिंग के पहलू से जांच शुरू की। अब 8 मई की सुनवाई को इस केस में बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इससे आगे की कानूनी दिशा तय हो सकती है।

प्रदर्शनकारियों-सुरक्षा बलों में झड़प

मशाल रैली रोकने पर टकराव हुआ,आंसू गैस छोड़ी

इंफाल। मणिपुर में शटडाउन के बीच रविवार रात कई इलाकों में प्रदर्शन हुए। इंफाल ईस्ट के कोईरेंगेई, इंफाल वेस्ट के उरिपोक और कक्चिंग जिले में मशाल रैलियां निकाली गईं। कक्चिंग में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प हुई। भीड़ को हटाने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस, स्मोक बम और स्टन ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया। झड़प में कई लोग घायल हुए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दरअसल, 6 अप्रैल को ट्रोंग्लाओबी आवांग लेइकाई एक घर पर बम धमाके में दो बच्चों की मौत हुई थी। इन्हीं के न्याय के लिए प्रदर्शन हो रहे है। हालात को काबू में करने के लिए रैपिड एक्शन फोर्स तैनात की गई। इंफाल वेस्ट के एसपी शिवकांत सिंह ने कहा कि हाल के प्रदर्शनों में कुछ असामाजिक तत्व रैलियों का फायदा उठाकर सुरक्षाबलों पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हमलों में लोहे के प्रोजेक्टाइल, गुलेल, पत्थर और पेट्रोल बम का इस्तेमाल किया गया। कई लोग नशे की हालत में भी पाए गए। ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बीजेपी की राजनीति ने एक शांतिपूर्ण राज्य को गृहयुद्ध में धकेल दिया- राहुल गांधी

एआईएडीएमके गौरवशाली पार्टी अब बीजेपी के हाथों का बन गई खिलौना

कन्याकुमारी। मणिपुर में दो मासूम बच्चों की मौत के बाद फैले तनाव के बीच राहुल गांधी ने बीजेपी सरकार को घेरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी की राजनीति ने एक शांतिपूर्ण राज्य को गृहयुद्ध में धकेल दिया है। राहुल गांधी ने मणिपुर के हालातों पर दुख जताते हुए कहा कि मणिपुर जैसा शांतिपूर्ण राज्य आज जल रहा है। बीजेपी ने वहां आग लगाई है, जिसमें सैक ?ों मासूमों की जान चली गई। वहां आज भी गृहयुद्ध जैसे हालात हैं।

यह बयान मणिपुर के ट्रोंगलाओबी अवांग लीकाई में उग्रवादी हमले में एक 5 साल के बच्चे और उसकी 5 महीने की बहन की दुखद मौत के बाद आया है। इस घटना के बाद मणिपुर में फिर से विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं और सुरक्षा बलों को भी ? को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोलों छोड़ने पड़ रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने बीजेपी पर क्षेत्रीय दलों को नियंत्रित करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि बीजेपी दिल्ली से राज्यों को चलाना चाहती है। तमिलनाडु के लोग खुद अपनी सरकार चलाएं, हम इसमें यकीन रखते हैं। राहुल ने एआईएडीएमके को एक खोखली पार्टी बताते हुए कहा कि कभी गौरवशाली रही यह पार्टी अब बीजेपी के हाथों का खिलौना बन गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के ड र से एआईएडीएमके के नेतृत्व ने बीजेपी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। उन्होंने बीजेपी की विचारधारा पर प्रहार करते हुए कहा कि बीजेपी चाहती है कि एक ही भाषा और एक ही परंपरा पूरे देश पर थोपी जाए, जबकि कांग्रेस हर राज्य की अपनी भाषा, संस्कृति और इतिहास के सम्मान की पक्षधर है।

राहुल ने कहा कि अन्नाद्रमुक का नेतृत्व भ्रष्टाचार के कारण बीजेपी के सामने समर्पण कर चुका है। कन्याकुमारी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि अन्नाद्रमुक अब तमिलनाडु में बीजेपी के प्रवेश का माध्यम बन गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस द्रविड़ विचारधारा से नफरत करता है और तमिलनाडु पर शासन करना चाहता है। राहुल ने संघीय सिद्धांतों पर जोर देते हुए कहा कि हर राज्य की अपनी आवाज और प्रतिनिधित्व होना चाहिए।

राहुल गांधी ने कहा कि तमिलनाडु का शासन यहां के लोगों के हाथ में होना चाहिए। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी को प्रभावित करने की कोशिश की और इसके बाद मोदी तमिलनाडु को ई के पलानीस्वामी के जरिए नियंत्रित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि द्रविड़ मुन्नेत्र कणगम (द्रमुक) और कांग्रेस तमिल भाषा, संस्कृति और इतिहास की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हैदराबाद हाउस में भारत-कोरिया वार्ता, संबंधों को नई मजबूती देने पर जोर

पीएम मोदी और ली जे म्युंग की बैठक, रक्षा-व्यापार समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

नई दिल्ली। भारत दौरे पर आए दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ राजधानी स्थित हैदराबाद हाउस में अहम द्विपक्षीय बैठक की। इस मुलाकात में दोनों देशों के बीच विशेष सामरिक साझेदारी को और मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। इस खास बैठक के दौरान व्यापार, रक्षा, प्रौद्योगिकी, अर्धचालक (सेमीकंडक्टर), बैटरी निर्माण और साइबर सुरक्षा जैसे अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। साथ ही इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए साझा रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने इस मुलाकात को भारत-दक्षिण कोरिया विशेष सामरिक साझेदारी को आगे बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया। भारत और दक्षिण कोरिया के बीच यह विशेष सामरिक साझेदारी वर्ष 2010 में स्थापित हुई थी, जिसके बाद दोनों देशों के रिश्ते लगातार मजबूत हुए हैं। वर्तमान में द्विपक्षीय व्यापार 30 बिलियन डॉलर से अधिक है और भारत कोरियाई कंपनियों के लिए एक प्रमुख निवेश गंतव्य बनकर उभर रहा है। राष्ट्रपति ली जे म्युंग की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन, क्षेत्रीय सुरक्षा और आर्थिक सहयोग को लेकर नई चुनौतियां सामने हैं। ऐसे में दोनों देशों के बीच बढ़ता तालमेल इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभा सकता है। अपने दौरे के दौरान राष्ट्रपति ली ने भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और लोकतांत्रिक मूल्यों की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि भारत और दक्षिण कोरिया मिलकर शांति, विकास और साझा समृद्धि की दिशा में एक मजबूत भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

यातायात नियमों को तोड़ने वाले 26 हजार वाहनों की आरसी निलंबित करने की तैयारी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर परिवहन विभाग ने बार-बार यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करने की पहल कर जम्मू जिला में 26 हजार वाहनों की आरसी निलंबित करने की प्रक्रिया शुरु की है। जम्मू के आरटीओ जसमीत सिंह ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशों के अनुसार, परिवहन विभाग इसतरह के चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करने जा रहा है, जो बार-बार यातायात नियमों की अनदेखी करते हैं। जम्मू जिले में इसतरह के 26 हजार वाहन चिह्नित किए गए हैं, जिनका एक वर्ष में पांच से अधिक बार चालान हुआ है।

इसतरह के वाहनों के मालिकों अपना पक्ष रखने के लिए प्रदेश के सूचना विभाग एवं परिवहन विभाग की वेबसाइट के माध्यम से 15 दिन का समय दिया गया है। विभाग की ओर से इन सभी वाहनों की आरसी निलंबित की जाएगी।

इसकी सूचना आइजी ट्रैफिक को दी जाएगी और इसके उपरांत निलंबित आरसी वाले वाहन का चालन सड़क पर वाहन दौड़ाता नजर आता है, तब वाहन ट्रैफिक पुलिस की ओर से जब्त किया जाएगा। कुल मिलाकर ट्रैफिक विभाग की ओर से प्रदेशभर में 68 हजार वाहनों की आरसी निलंबित करने की सिफारिश की गई है। आरटीओ ने बताया कि इनमें से कुछ वाहन ऐसे हैं, जिनका चालान 300 से अधिक बार हो चुका है। ऐसे वाहन मालिकों को भी विभाग की ओर से नोटिस जारी कर दिया गया है।

भारत में दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग का भव्य स्वागत, राजघाट पर गांधी को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। भारत और दक्षिण कोरिया के बीच रिश्तों को नई मजबूती देने वाले एक महत्वपूर्ण क्षण में, कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग का सोमवार को नई दिल्ली में भव्य स्वागत किया गया। उनका यह तीन दिवसीय राजकीय दौरा दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने वाला माना जा रहा है। राष्ट्रपति भवन में आयोजित औपचारिक स्वागत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान राष्ट्रपति ली को गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। राष्ट्रपति ली के साथ उनकी पत्नी किम ही-क्यूंग भी भारत आई हैं, जिससे इस यात्रा का औपचारिक और सांस्कृतिक महत्व और बढ़ गया है। स्वागत समारोह में भारतीय संस्कृति और परंपरा की झलक देखने को मिली, जहां बच्चों ने भारत और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय ध्वज लहराकर अतिथि का अभिनंदन किया। भारत पहुंचने के बाद राष्ट्रपति ली ने अपने कार्यक्रम की शुरुआत राजघाट जाकर की, जहां उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह कदम दोनों देशों के बीच साझा मूल्यों—अहिंसा, शांति और लोकतंत्र—के प्रति सम्मान को दर्शाता है। भारत और दक्षिण कोरिया के बीच बढ़ता सहयोग इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में संतुलन और स्थिरता के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है। ऐसे में राष्ट्रपति ली जे म्युंग की यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाई देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

मणिपुर में 2 मासूमों की मौत के बाद रात में सड़कों पर उतरे हजारों लोग

इंफाल। मणिपुर में रविवार रात हजारों लोग मणिपुर के कई जिलों में सड़कों पर उतर गए और जबर्दस्त विरोध-प्रदर्शन किया। ये लोग हाल ही में हुए बम धमाके के खिलाफ प्रोटेस्ट कर रहे थे। इस धमाके में दो बच्चों की मौत हो गई थी। इस दौरान इंफाल ईस्ट के कोईरेंगई और हट्टा गोलपाटी, काकचिंग जिला और इंफाल वेस्ट जिले के मयाई लाम्बी में रात के समय रैलियां निकाली गईं। प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा बलों के साथ झड़प भी हुई। पुलिस के मुताबिक सुरक्षा बलों ने इन जिलों के कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऑल मणिपुर यूनाइटेड क्लब्स ऑर्गनाइजेशन और अन्य संगठनों ने पहाड़ी जिलों में सक्रिय कुकी उग्रवादियों के खिलाफ तत्काल एक्शन की मांग की। रैली में शामिल लोगों ने 2027 की जनगणना से पहले राष्ट्रीय नागरिक पंजी लागू करने की भी मांग की। साथ ही 7 अप्रैल को बिष्णुपुर के त्रोंगलाओबी में हुए बम हमले के जिम्मेदार लोगों की गिरफ्तारी की भी मांग की, जिसमें दो बच्चों की मौत हो गई थी। बम हमले के बाद घाटी के पांचों जिलों में विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए। मणिपुर पुलिस का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से इंफाल के विभिन्न इलाकों में रात के समय रैलियां निकाली जा रही हैं। रैलियों में कई मौकों पर कुछ असामाजिक तत्व प्रदर्शनकारियों के रूप में छिपकर, हिंसक गतिविधियों में शामिल हैं। इनमें पेट्रोल बम का इस्तेमाल, लोहे के प्रोजेक्टाइल से लैस गुलेल का इस्तेमाल और सुरक्षा बलों पर पत्थरबाजी शामिल है। इन उकसावों के बावजूद, सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर करते समय संयम बरता है, ताकि किसी भी तरह का नुकसान न हो।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

ट्रैक्टर रोड किनारे पेड़ से टकराया- ट्राली से गिरने से एक व्यक्ति घायल

पदमेश न्यूज। बालाघाट। बैहर थाना अंतर्गत बालाघाट रोड पर स्थित ग्राम गोहारा और पिपरिया के बीच ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित होकर रोड किनारे पेड़ से टकरा गई। सड़क दुर्घटना में ट्रैक्टर ट्राली में बैठे एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है यह व्यक्ति महिपाल पिता मिस्टर मरावी 57 वर्ष ग्राम मोहबट्टा थाना बैहर निवासी है। जिसका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया जा रहा है। प्राप्त

जानकारी के अनुसार महिपाल मरावी अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता है। जिसके परिवार में दो बेटे और एक बेटी है बड़े बेटे और बेटी की शादी हो चुकी है। बताया गया है कि महिपाल ग्राम गोहारा में मकान बनवा रहा है। 20 अप्रैल को दोपहर में महिपाल अपने बेटे राकेश मरावी के साथ ग्राम मोहबट्टा से ट्रैक्टर ट्राली में घरेलू सामान लेकर ग्राम गोहारा जा रहे थे। ट्राली में महिपाल बैठा था और उसका बेटा राकेश मेरावी ट्रैक्टर चला रहा था। पिपरिया और गोहारा के बीच सामने से आ रहे 10 चक्का ट्रक को साइड देते समय ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर रोड किनारे पेड़ से टकरा गया। जिससे ट्रैक्टर ट्राली में बैठे महिपाल ट्रैक्टर ट्राली से उछलकर नीचे गिर गया सर में चोट लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसे डायल 112 से बैहर अस्पताल ले जाकर भर्ती किये। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर गिरोह का पर्दाफाश, पुलिस की बड़ी कार्रवाई

9 आरोपी गिरफ्तार, 23 किलो से अधिक गांजा जब्त, 6 राज्यों में फैले नेटवर्क का खुलासा, पुलिस ने 25 हजार कि.मी तक की जांच

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बालाघाट पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने अंतर्राज्यीय स्तर पर सक्रिय गांजा तस्कर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में 23.140 किलोग्राम अवैध गांजा सहित वाहन और अन्य सामग्री भी जब्त की गई है। पूरे मामले का खुलासा पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेस वार्ता में वरिष्ठ अधिकारियों ने किया। प्रेस वार्ता के दौरान अजाक्स डीएसपी बिंदुसार ने बताया कि वारासिवनी-रामपायली क्षेत्र में की गई प्रारंभिक कार्रवाई में पुलिस ने एक बजाज पल्सर मोटरसाइकिल से 21 किलोग्राम गांजा बरामद किया था। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, जिनमें एक बालाघाट और दो उड़ीसा के निवासी थे। इनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20, 25, 29 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एक विशेष जांच दल का गठन किया गया। इस टीम ने तकनीकी विश्लेषण, पूछताछ और साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया। जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि यह कोई साधारण मामला नहीं, बल्कि एक संगठित अंतर्राज्यीय तस्करी नेटवर्क है, जो कई राज्यों में सक्रिय है और गांजा सप्लाई की पूरी श्रृंखला को संचालित करता है। टीम ने मध्यप्रदेश के अलावा उड़ीसा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान और गुजरात जैसे राज्यों में लगातार दबिश दी। इस दौरान टीम ने करीब 25,000 किलोमीटर की लंबी दूरी तय कर विभिन्न स्थानों से साक्ष्य जुटाए और संदिग्धों की गतिविधियों पर नजर रखी। लगातार प्रयासों के बाद टीम ने पूरे नेटवर्क को चिन्हित करते हुए एक-एक कर आरोपियों तक पहुंच बनाई। पुलिस ने इस कार्रवाई में मुन्ना बर्वे पिता बुधराम बर्वे जाति कहार उम्र 54 साल निवासी वार्ड नंबर 11 भटेरा रोड़ बालाघाट , मिकेन्द्र उर्फ मुकेश देव पिता सुधीर देव उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम मायासारासिंग थाना कोडाला जिला गंजाम उडीसा, दिल्लीप सुना पिता गोलेख सुना उम्र 32 साल निवासी नांदिया नागेर थाना मानामुण्डा जिला बौद्ध उडीसा, राज उर्फ आशुतोष पारधी पिता सुन्दरलाल पारधी उम्र करीबन 38 वर्ष निवासी ग्राम सेलवा थाना कटंगी , विजय नायक उर्फ बिजया नाईक पिता कुल्ली नाईक उम्र 30 साल निवासी मृत्युंजयपुर पोष्ट डपाला बगियाबहल मानामुण्डा जिला बौद्ध उड़ीसा, कैलाश चंद्र खमारी पिता दिबाकरा खमारी उम्र 38 साल निवासी तुकेलपाली पोष्ट डपाला मानामुण्डा जिला बौद्ध उड़ीसा , बुल्ला उर्फ बबलु उर्फ वीरभद्र समन्तारा पिता भास्कर समन्तारा उम्र 25 साल निवासी अठगढ़ थाना केसनगर हल्दियापदर उड़ीसा , जग्गा उर्फ जगदीश पाडुआ पिता डमरुधर पाडुआ उम्र 38 साल निवासी रकापटा थाना सेरेगड़ा जिला गंजाम उड़ीसा , तेजशंकर पिता उदयलाल पाटीदार जाति पाटीदार कुनबी उम्र 37 साल निवासी ग्राम कानोर सरवानिया तहसील वल्लभनगर जिला उदयपुर (राजस्थान) सहित कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक हौंडा यूनिकॉर्न मोटरसाइकिल, एक टाटा 407 पिकअप वाहन, 10 मोबाइल फोन और अतिरिक्त 2.140 किलोग्राम गांजा बरामद किया। इस प्रकार कुल 23.140 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा की जब्ती की गई है। पुलिस अब आरोपियों के बैंक खातों और वित्तीय लेन-देन की भी जांच कर रही है। फाइनेंशियल ट्रेल के माध्यम से यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि तस्करी से अर्जित धन कहां और किस तरह उपयोग किया गया। यदि जांच में कोई संदिग्ध लेन-देन सामने आता है, तो संबंधित धाराओं के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अभी भी इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है और तस्करी से अर्जित संपत्तियों की जानकारी जुटाई जा रही है। आने वाले समय में इस मामले में और भी खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है। बालाघाट पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि, विशेषकर मादक पदार्थों से संबंधित जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि ऐसे अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके और समाज को नशे के दुष्प्रभावों से बचाया जा सके।

शौच के दौरान सांप के डंसने से वृद्ध कृषक की मौत-परिवार में मातम

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जहरीले सांप के काटने से बेहोश एक कृषक की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक कृषक रमेश गिरी पिता पूरन गिरी 71 वर्ष ग्राम चंदपुरी थाना लालबर्रा निवासी है। 19 अप्रैल की शाम 6:30 बजे यह घटना उस समय हुई जब यह कृषक अपने खेत सोच के लिए गया था। जिला अस्पताल पुलिस इस कृषक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है । प्राप्त जानकारी के अनुसार रमेश गिरी खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। 19 अप्रैल रविवार शाम करीब 6:30 बजे रमेश गिरी भोजन करने के बाद घर के पास स्थित खेत में शौच के लिए गए थे। शौच के दौरान ही एक जहरीले सांप ने उनके कूल्हे पर दो बार डंस लिया।सांप के काटते ही रमेश गिरी तुरंत घर पहुंचे और परिजनों को पूरी घटना बताई। परिजन उन्हें तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे।जहां इलाज के दौरान देर रात करीब 11:00 बजे उनकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही जिला अस्पताल पुलिस ने रमेश गिरी का शव अपने कब्जे में लिए। 20 अप्रैल को सुबह शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए हैं। जिला अस्पताल पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना लालबर्रा भिजवा दी है।रमेश गिरी की अचानक मौत से चंद्रपुरी गांव में शोक की लहर है। ग्रामीणों ने बताया कि रमेश बेहद मिलनसार स्वभाव के थे। खुले में शौच के दौरान हुए इस हादसे ने एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय के उपयोग और सर्पदंश से बचाव को लेकर जागरूकता की जरूरत को उजागर किया है।

सड़क दुर्घटना में दो व्यक्ति घायल

पदमेश न्यूज। बालाघाट। बैहर रोड पर सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्ति घायल हो गए दोनों घायल व्यक्ति रामलाल पिता कुंजीलाल मरावी 31 वर्ष और दशरथ पिता राजकुमार चचाने 27 वर्ष दोनों ग्राम हुड्डी टोला थाना रूपझर निवासी है। जिन्हें जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामलाल और दशरथ दोनों मजदूरी करते हैं। 19 अप्रैल को दोपहर हर 4:00 बजे करीब दशरथ अपने गांव के रामलाल के साथ मोटरसाइकिल में कुआ जा रहे थे। तभी रूपझर के पास अचानक गाय सामने आ जाने से मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई। जिससे दोनों व्यक्ति मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। दोनों घायल को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है।

एक व्यक्ति ने शराब की नशे में अपने बेटी और भाई से की मारपीट

पदमेश न्यूज ।बालाघाट। नगर के वार्ड नंबर 24 इंदिरा नगर में एक व्यक्ति ने शराब के नशे में जहां अपनी बेटी को मारपीट कर दिया वहीं छोटे भाई को भी मारपीट कर उसे दांत से काट कर घायल कर दिया। यह आरोप कलीम खान पिता शाहिद खान 26 वर्ष ने लगाते हुए वह अपनी 14 वर्षीय भतीजी के साथ इलाज करवाने जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचा। जहां दोनों का इलाज किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कलीम खान मजदूरी करते है। 20 अप्रैल को दोपहर 1:30 बजे कलीम खान काम करके घर पहुंचा तब उसे भतीजी ने बताई कि पापा नजिम खान ने उसे शराब के नशे में मारपीट किये है। 2:30 बजे कलीम खान घर आया उस समय उसका बड़ा भाई नजीम खान शराब के नशे में था और उसने कलीम खान से वाद विवाद कर उसे मारपीट कर, दांत से उसके सिने, आंख, दाहिने हाथ में कांट दिया। नजिम खान द्वारा मारपीट करने से उसकी भतीजी को भी नाक में चोटे आई थी। उसके बाद कलीम खान अपनी भतीजी के साथ इलाज करवाने के लिए आटो से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचे। जिला अस्पताल पुलिस ने कलीम खान का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट